



अगरत की राजपत्र

्राधिकार से प्रकाशित

सं0 1]

नई बिल्ली, शनिवार, जनवरी 3, 1987 (पौष 13, 1908)

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 3, 1987 (PAUSA 13, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संज्ञान और अधीनस्य कार्याजयों द्वारा जारी की गई अधितूचनाएं

[Notifications Issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक भेवा ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1986

सं० ए०-32013/2/86-प्रशासन 1--संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, संब लोक सेवा आयोग (कर्मचारी वृंद) विनियमन 1958 के विनियम 7 के द्वारा उन्हें प्रदत्त शिन्तयों का प्रयोग करने हुए, प्रायोग के के० स० ो० संवर्ग के निम्निविधिक स्थायी प्रमुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविधि के जिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, के० स० से० के प्रेड-1, में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानायन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:---

नाम	श्रवधि
सर्वेथी	
एच० एम०	17.11.86 भ परा ह्न) से
भाटिया	17.2.1987 तक 3 महीने
	की भ्रवधि के लिए
एय० सी० जैन	10.11.1986 से
	31-12-1986 तेक
	सर्वधी एच० एस० भाटिया

दिनांक 1 दिसम्बर 1986

सं ए० 32013/2/86-प्रशा०-1--संघ लोक सेवा श्रायोग के ग्रध्यक्ष, संब लोक सेवा श्रायोग (कर्मचारी वृंद) विनियमन 1958 के विनियम 7 के द्वारा उन्हें प्रदर्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, श्रायोग के के० स० से० संवर्ग के निम्तिविद्य स्थाया श्रीविकारियों को उनके प्रत्ये के निम्तिविद्य स्थाया श्रीविकारियों को उनके प्रत्ये के नाम के जामनें निर्दिष्ट श्रविध के लिए या श्रागामी श्रादेशों नक, जो भी पहले हो, के० स० से० के ग्रेड-1 में श्रवर सचिव के पद पर नदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न क्य से कार्य करने के लिए निपुष्ट करते हैं:--

ऋ०सं० नाम	- श्रवधि
.सर्वर्थी	
1. वी० एन० भ्ररोडा	26-11-86 से
	9-1-87(श्र पराह्न) तक
2. बी० डी० शर्मा	बह ी
3. डी० ग्रार े मदान	-व ही
4. धनीश चन्द्र	वही
5. एस० डी० भर्मा	वही
	-व ही
6. पी० डी० श्रीवास्तव	वही
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	

1-396GI/86

सं० ए० 32013/5/85-प्रशा०-I—राष्ट्रपति इस कार्यालय के समसंख्यक ध्रादेश दिनांक 18-9-86 के फ्रम में, के० स० से० संवर्ग के ग्रेड-1 श्रिधकारी श्री वीरेन्द्र भाटिया तथा श्रीमती भवानी ध्यागराजन को जिन्हें 1985 के चयन ग्रेड की चयन सूची में शामिल किया गया है दिनांक 1-12-1986 से 28-2-87 तक की घ्रागमी तीन महीने की घ्रवधि के लिए या उनकी नियुक्ति के नियमित होने की तारीख तक, इनमें से जो भी पहंले हो संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर उपमिवव के पद पर नियुक्त करने हैं।

एम० पी० जैन भ्रवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

कर्मिक एवं प्रक्षिक्षण (प्रशन्त मुधार) लोक शि ायत तथा। पैन्शन मंत्रालय

(का० व प्र० विभाग)

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 वितम्बर 1986

सं० ए-20023/3/76-प्रशासन-5---निर्वतन होने पर श्री जेड० एन० शेख, लोक श्रभियोजक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने 30 नवम्बर 1986 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> धर्मपाल प्रगानन भधिकारी(स्थापना) के०ग्र०ब्पूरो

ग्रह् मंत्रालय महाल्दिशालय, के०रि०पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1986

सं० ए०~छ:-2/86-स्थापना-1--राष्ट्रपति जी निम्नलिखित व्यक्तियों को के० रि० पु० बल में उप श्रधीक्षक पुलिस (कंपनी कमांडर/क्विटर मास्टर) के पदों पर ग्रस्थाई रूप में ग्रगले ग्रादेशों तक के लिए सहर्ष नियुक्त एवं उनके सामने दर्शायी गई यूनिटों में तैनात करते हैं।

2. इन्होंने श्रान्तरिक सुरक्षा श्रकादमी, के० रि० पु० बल माजन्ट श्राबृ में प्रशिक्षण के लिए रिपोर्ट कर दिया है एवं इनके नामों के सामने दर्शायी गई तिथियों से श्रपने पद का कार्यभार संभाल लिया है:──

ऋ० सं०	नाम	कार्यभार संभालने की ति	यूनिट 1थि
1	2	3	4
1. श्रीबर सिधू	ाबीर सिंह	17-11-86 (पूर्वाह्न)	48 बटा०
2. श्री विष काला		15-10-86 (भ्रपराह्म)	भुप के० दुर्गापुर

1 2	3	4
3. श्री भ्रजय कुमार	11-10-86	46 बदा०
पाण्डेय	(पूर्वाह्न)	
4. श्री ग्रनिल व्यास	15-10-86	70 बटा०
	(ग्रपराह्न)	
5. श्री मुधाकर उपाध्यक्ष		21 बटा०
_	(पूर्वाह्न)	
 श्री सतपाल रावत 	28-10-86	३५ बटा०
	(पूवाह्न)	
7. श्रीमहेश कुमार	13-10-86	62 बटा०
	(भ्रपराह्म)	
8. श्रीदलजीत सिंह्	15-10-86	ग्रु० के० मोकामा-
लक्खा	(अपराह्म)	घाट
9. श्री सतपाल कपूर		52 वटा०
(एम० एम० सी०ओ	, ,,,	
10. श्रीएस० एस०डोनर	77 30-9-86	८६ बदा०
(एस० एम० सी० श्रं	गे०) (पूर्वाह्म)	
11. श्री छाजूराम	30-9-86	75 बटा०
(एस० एस० सी० भ्र	ो०)(अभराह्न)	

दिनांक 5 दिसम्बर 1986

सं० ग्रो० 2-1379/77-स्थापना०-1-सरकारी सेवा मे ग्रनिवार्य मेवा निवृति होने के फलस्वरूप श्री हो० सी० कौशिक ने उपग्रधीक्षक पुलिस, 46 बटा० के० रि० पु० बल के पद का कार्यमार दिनाक 27-7-1986 पूर्वाह्म को त्याग दिया।

दिनां ह 10 दिसम्बर 1986

सं० भ्रो० दो०-340/69-स्था०-श्री जोस० वी० जाकूब सहायक कमाडेन्ट ग्रुप सेन्टर के० रि० पु० बल पलीपुरम के स्वेच्छा से निवृत होने की स्वीकृति पर दिनांक 31-10-1986 (अपराह्म) से फोर्स की नौकरी से भ्रानग कर दिया है।

सं० म्रो० दो० 919/71--स्था०थी सुचेत सिंह सहायक कमान्डेन्ट 32 बटालियन के० रि० पु० बल ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप दिनांक 30-11-86 (भ्रपराह्न) से भ्रपने पद का कार्य भारत्याग दिया है।

> एमः श्रशोक राज सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रीद्योगित स्काबल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

सं० ई-16013/(2)12/86-कार्मिक-1-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री श्रबुलाईस खान, भा० पु० से० (पिश्चम बंगाल-77) ने 17 नवम्बर 1986 के पूर्वा हु से केश्रौसुब यूनिट, बी० सी० सी० एल० झरिया में कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भान लिया है।

दिनांक 10 दिसम्बर 1986

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक-11/2268-निया निवृत्ति की भायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप श्री सी० एल० व्रिपाठी ने दिनांक 31 भक्तूबर 1986 (श्रपराह्म) को केश्रौसुव यूनिट, बालको कोरबा (मध्यप्रदेश) के सहायक कमाडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दुर्गामाधव मिश्र महानिदेशक/১০औ० सु०ब०

भारतीय लेबा परीक्षा एवं लेबा विभाग

कामिला निदेश ह ले हा परीका केन्द्रीय राजएन-1

नर्भ दिल्ली-110 002, दिनांक 8 दिसम्बर 1986

सं० प्रशासन 1, का० ग्रा० संख्या-222--निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 ने मूल नियमावली 30(1) के द्वितीय परन्तुक के अन्तंगत इस कार्यानय के एक स्थायी अनुभाग श्रधिकारी (श्रव सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी) श्री जे०पी० मायुर को 2375-75-3200-ई० बी०-100-3500 रुपये के वेतन के समयमान में लेखा परीक्षा भृथिकारी के भ्रेड में 13-11-1986 (पूर्वाह्म) से श्रगले अर्थश्च मिलने तक पदोन्नति की है।

्रिं। अभवतीय उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०)

कार्यालय महालेखा कार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार पटना, दिनांक 5 दिसम्बर 1986

सं० प्रशासन-1 (ले० प०-1)-20-5-994--महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकिन तिथि से (पद भार प्रहण करने की तिथि) अगले आदेश तक सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, ग्रुप-ख राजपितत पद पर रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 (पुनरीक्षित वेतनमान रुपये 2000-60-2300-द० रो० 75-3200) के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहर्ष पदोन्नति करते हैं:---

ऋ०सं०	नाम		भार तिथि	ग्रहण	करन
	देवद्रत पाडेण्य रंजन कर्ण	'ग्रवनिन्द्र'			(पूर्वाह्न) (पूर्वाह्न)

(ह्०) ह्याग्ठनीय वरीय उपमहालेखाकार(प्रशासन) मशुले ब्राकार (लेबा परीक्षा) का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 8 दिनम्बर 1986

सं० ज्ञापांक-प्रशा०-1(ले० प०)-17-7-1943-महालेखाकार प्रथम जी ने इस कार्यालय के निम्नलिखित कार्यायाहक लेखा परीक्षा श्रधिकारियों को उनके नाम के सामने श्रंकित तिथि से लेखा परीक्षा श्रधिकारी के वर्ग मे स्थायी रूप से नियुक्त किया है:--

सर्वश्री

1.	राधा	कान्ता	ायक	1-6-1986
2.	डी०	गृन ०	विश्वास	1-7-1986
3.	'nο	एन०	विश्वाम	1-10-1986
4.	डी०	एस०	पटनायक	1-10-1986
5.	जी०	ग्म०	प्रकाशराव	1-10-1986

म० ग० म्हसकर वरिष्ठ उामहालेखाकार (प्रशा०)

कार्यान र महाले स्टार (ले सप्तरीक्षा) राज्य्याः, जयपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

क्रमाक-प्रशासन-1(ले॰ प॰)/पी॰ 13044/1146— महालेखाकार (लेखापरीका) राजस्थान, जयपुर, निम्नलिखित सहायक लेखापरीका श्रिधकारियों को स्थानापन्न लेखा-परीखा श्रिधकारी (युप "बी" राजपितत) के पद्में पर जिसका वेतनमान रु० 840-40-1000 द० श्र०-40-1200 (अब रु० 2375-75-3200-द० श्र०-100-3500) है, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट निथियों से श्रागामी श्रादेणों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करने हैं :--

क्र०सं० नाम	पदोन्नित की तिथि
सर्वेथी	
1. प्रेमचन्द शर्मा	29-8-86(ग्रासाह्र)
2. ललिता प्रसाद भागव	1) 11
3. भगवनी लान व्यास	" "
 श्रीनारायण भ्ररोडा 	11 11
5. ग्रनवर सिंह यादव	1-10-86 (पूर्वाह्म)
 ज्ञान प्रकाण सिन्हा 	n n
7. बसन्तीलाल जैन	11 11
8. भगवान सहाय सक्सेना	" "
9. नन्दलाल लायटी	28-11-86 (पूर्वीहर्स)
10 श्रीपारायण भार्गव	n n

ऋमांकः प्रशासन-1(ले॰प॰)/पी॰13044/1146---महालेखाकार (लेखापरीक्षा) राजस्थान, जयपुर, निम्नलिखित श्रनुभाग श्रधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा श्रिधकारी (ग्रुप "बी" राजपित्रत) के पदों पर, जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-35-880- द० श्र०-40-1040 है, प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथियों से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए सहर्ष पदोन्नत करते हैं: --

क्रमाक	नाम	पदोन्नति की तिथि
3. कुमेर	ी सिंह चन्द्र कटियार चन्द्र जैन चन्द्र गर्ग	29-8-86(ग्रप्पाह्न) '' '' '' '' 1-10-86(पूर्वोह्न)
		चंचल चन्द मंसाली

रक्षा लेखा विभाग

व० उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय, रक्षा लेख महानियंत्रह

नई दिल्ली-110066, दिनांक 11 दिसम्बर 1986

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-IV—गण्ट्रपति, रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित यधिकाश्यों को (जो प्रतिनियुक्ति पर हैं जैसा कि उनके नामों के समक्ष उल्लिखित हैं) उक्त सेवा के विष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (मान रु० 2250-125-2-2500) (संशोधन पूर्व) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए "ग्रनुकम नियम के ग्रधीन" उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से तथा श्रागामी ग्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

ऋ०सं० ग्रधिकारी व	गनाम तारीख	जहां सेवारत है
1 श्री एस० एस० सवादी	18-11-86	लेखा निदेशक महानिदेशालय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली
2. श्री जी० एम० भाजामानी	18-11-86	विशेष ड्यूटी श्रधिकारी (विन) राडार संचार परियोजना कांप्रलिय, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।

सं प्रणा०/1/1172/1/जिल्द-IV--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रधिकारियों को उक्त सेवा वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (मान ६० 2250-25/2-2500) (संशोधन-पूर्व) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से तथा अश्वामी श्रादेश पर्यन्त सहर्ष, नियुक्त करने हैं:--

1. श्री नटराजन गोपालन

18-11-86(पूर्वाह्न)

2. श्री बी० सी० जोशी

18-11-86(पूर्वाह्म)

3. श्री श्रम्लग कुमार लाल

24-11-86(पूर्वाह्म)

4. श्री भानु दत्त मिह

5. श्री श्रम रचन्द

18-11-86(पूर्वाह्न

18-11-86(पूर्वीह्न)

डी० के० वेतसिह

एक्षा लेखा अवर महानियन्त्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1986 श्रायात एवं निर्यात ज्यापार यिन्द्रण (स्थापना)

सं० 6/1602/86-प्रणा०(राज०)5269--स्युक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्रीमती एस० एस० डाट, नियन्तक, श्रायात-निर्यात को 1 श्रप्रैल, 1986 के पूर्वाह्म में सरकारी सेवा से स्वेच्छा में सेवा निवृत्त होने की श्रमुमति दी जाती है।

> शंकरचन्द उप मुख्य नियन्त्रक श्रायात-निर्यात कृते मुख्य निर्यन्त्रक, श्रायात-निर्मात

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय बम्बई, विनांक 5 दिसम्बर 1986

सं० 2(94)/स्था-1/86/5074--वस्त्र श्रायुक्त कार्यालय, बस्बई के श्री एव० के० घरोड, जो तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक श्रेणी-2 (पी० एवं डी०) के रूप में स्थानापन्न थे, दिनांक 29-10-1986 के पूर्वीह्न को स्वेच्छा से सरकारी सेवा मे नियुत्त हो गथे।

सं० 2(22)/स्था-1/86/5088--वस्त्र भ्रायुक्त कार्यालय--वस्त्र भ्रि एम० भ्रार० गोहल, महायक निदेशक श्रेणी-2 (ए १० टो०) जो नदर्थ भ्राधाः पर सहायक निदेशक,श्रेणी-एक (ए२० टो०) के रूप में स्थानापन्न थे, दिनांक 16-9-1986 के पूर्वाह्म को स्वेच्छा से सरकारी मेवा से निर्वेश हो गए ।

भ्ररूण कुमार वस्त्र भ्रायुक्त

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (ल० उ०) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 28 नयम्बर 1986

सं० ए-19018(740)/84-प्रमा०(राज०--विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्री एस० के० तिवारी, सहायक संपादक (हिन्दी), का दिनांक 10-8-86 (श्रपनाह्न) से, सरकारी सेवा से, त्यागपत्न स्वीकार करते हैं।

> सी० सी० राय उप निदेशक(प्रशा०)

इस्पात और खान मंत्रालय इस्पात विभाग लोहा और इस्पात नियन्त्रक कलकत्ता, दिनांक 3 दिसन्बर 1986

सं० ई1-12(89)/86(')--श्री भुगील कुमत्र दे, जिन्हें दिनांक 1-10-1986 के पूर्वाक्ष से श्री ई० पी० नारायण, सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक के छूट्टी पर रहते के दौरान अवकाश रिक्ति पर अस्थायी आधार पर सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक के पद पर नियुक्त किया गया था, को एसदब्रारा दिनांक 17-11-1986 के पूर्वाह्म में 2000-3200 रूपये के वेजनमान में श्रद्धाक्षक के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

> डी० के० घोष लोहा और इस्पात नियन्त्रक

कलकता-20, दिनींके 10 दिसम्बर 1986

सं० ई1-12(88)/86 (^)--श्रिधिविपता की श्रायु प्राप्त करने पर श्री के० पी० चटर्जी, सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक ने दिनांक 1-12-1986 के पूर्वाह्म से उक्त पद का कार्यभार छोड दिया है।

> सनत कुमार सिन्हा उप लोहा और इस्पात नियन्त्रक

खान विभाग भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक 2 दिसन्बर 1986

> श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) **कृते** महा निदेशक

कलकत्ता, विनांक 5 दिसम्बर 1986

मं० 8305 बील/ए-19012(4-एम० के० बी०)/82-19बी--श्री मधुकर कोठीराम भीयर को ड्रिलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 र० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 11 तितम्बर, 1986 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया ाता है।

दिनांक 8 दिसम्बर 1986

सं० 8320 जी/ए--32013(2-जी० एस०)/83/19बी--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवँज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित
भूगौतिकी विदों (कनिष्ठ) को भूभौतिकी विद (विष्ठ) के
पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1100-500-1600
क् के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में,
श्रागामी श्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गयी
तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

- 1. श्री म्राई० सी मधुसूदन, 10-9-86 (पूर्वाह्न)
- 2. श्री जी० कामेश्वर राव, 10-9-86(पूर्वाह्न)।

ग्रमित कुषारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1986

सं० ए-19011/39/85-स्था० ए०/पीपी--निर्वतन की स्रायु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर श्री एन० एन० सुक्रमन्यन, निदेशक (श्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 1 दिसम्बर 1986 के पूर्विह्न से भारतीय खान ब्यूरो के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया है।

(ह०) ग्राटनीय सहायक प्रशासन ग्रधिकारी कृते महा नियन्त्रक

दूरदर्शन महानिदंशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 ध्र≉तूबर 1986

सं०-6/60/86-एस-2-पदोन्नत होने पर आकाशवाणी, गंगटोक से उनका स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप दूरदर्शन महानिदेशक द्वारा श्री डी० के० दास को दूरदर्शन केन्द्र, बस्बई में प्रशासनिक श्रधिकारी के पद पर 20-9-86 (पूर्वाह्म) से नियुक्त किया जाता है।

विनांक 26 ंबम्बर 1986

सं०-6-61/86-एस०2--सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने पर दूरदर्शन केन्द्र, राजकोट के प्रशासनिक श्रधिकारी श्री श्रार० पी० शर्मा 31-10-1986 (श्रपनाह्म) से सरकारी सेवा से निवृत हुए ।

> बलवीर सिह संधू प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना एंव प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दि ॥ 64 दिसम्बर 1986

सं० ए--12026/3/86-स्था० निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, श्री भास्कर नायर विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के तकनीकी सहायक (विज्ञापन) को उसी संस्था में 17-9-86 की पूर्वाह्न से प्रगले श्रादेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप से माध्यम श्रिधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० एल० सिगला उप-निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई, दिनाँक 8 दिसम्बर 1986

सं० पी ए/73(18)/86-श्रार-4/1250--नियंक्षक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र डा० (कुमारी) सुरेखा रामदास शेट को निवासी चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में दिसम्बर 1, 1986 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की श्रविध सक श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० जी० सुनुःमारन उप स्थापना श्रधिकारी

बम्बई, दिनौंक 12 विसम्बर 1986

सं० जी/1962/मेडि०/स्थापना-1/4701--डा० विनायक क्षेंकटेश गर्दें ने रेसिडेंट मेडिकल भ्राफिसर (एफ० टी०ए०) पद का पद भार 1-11-1986 श्रपराह्म को त्यागपत्न देने पर छोड़ दिया ।

> के० वेंकटकृष्णन उपस्थापना **ध**धिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाण् विद्युत परियोयना

ाठ पठ विरुटाउ शिल, दिनांक 2 दिलम्बर 1986

क ० न० प० वि० प०/भर्ती/11(6)/86एस०/2190ए- श्रिधमूचना सं० न० प० वि० प० /प्रशा०/11(6)/86/ एस०/16063 दिनांक 30-9-1986 के द्वारा श्रिधसूचित श्री ओम प्रकाण की तदर्थ श्राधार पर सहायक कार्मिक श्रिधकारी के पद पर की गई नियुक्ति 22-11-1986 के श्रपराह्म से समाप्त की जाती है।

समीर हुक्क मुख्य प्रशासन प्रधिकारी

ऋय ग्रौर भण्डार निदेशालय

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1986

मं० कम०-नि०/2/1(1)/85-प्रशासन/42318--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रेय ग्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भण्डारी श्री टी० सी० मलिक को इसी निदेशालय में दिनांक 5-7-1986 (पूर्वाह्म) से दिनांक 28-9-1986 (ग्रपराह्म) तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के बेतनमान में सहायक भण्डार ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्त सहायक भण्डार ग्रधिकारी, श्री बी० एस० डडलानी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रविध के लिए भण्डार ग्रधिकारी (तदर्थ) के पद पर पदोन्नत किया है।

बी० जी० कुलकर्णी, प्रशासन प्रधिकारी

वन ग्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 8 विसम्बर 1986

सं० सी०-18013/5/8-स्थापना-I-प्रध्यक्ष, बन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून कुंमारी नाजमा मुलतान, सहायक प्रचारक को बन प्रनुसंधान संस्थान एषं महाविद्यालय में प्रनुसंधान प्रधिकारी के पद पर दिनांक 27-2-1985 से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जगदीश नारायण सक्सेना, कुल सचिव, वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीयं उत्पादशुल्क तथा सीमा शुल्क के जमाहर्ताका कार्यालय श्रीरंगाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1986

सं० 11/3-24/गोपनीय/85-निम्नांकित प्रवरण कोर्टि निरीक्षकों को उनकी पदोन्नति पर उनके नामों के सामने दर्शायी गई तारी : से केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क समाहति-लय, ग्रीरंगाबाद में केन्द्रीय उत्पादशुल्क समूह 'ख' के स्थानापन्न ग्रधीक्षक मान लिया गया है :--

ऋम्	नाम	कार्य ग्रहण
सं०		करने की
		तारीख
1.	श्री ई० टी० पंडित	3-9-1986
2.	श्री टी० एफ० रडे	4-9-1986
3 .	श्री बी० टी० शिनकर	5-9-1986
4.	श्री एम० एन० कुलकर्णी	15-9-1986
		(श्रपराह्म)
5 .	श्री एच० डी० माने	15-9-1986
6.	श्रीपी० एस० भारंबे	15-9-1986
		(ग्रपराह्न)
7.	श्रीएम० के० गुर्जर	17-9-1986
8.	श्री एन० बी० ग्रदप्पनवार	17-9-1986
9.	श्री एस० पी० मालेमाथाड	17-9-1988
10.	श्रीके० श्रार० गुंडप्पनवार	29-9-1986

सा० रा० नारायणन्, समाहत्री,

सीमा गुल्क (स्थापना) मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1986

सं० 3 (86)—िनिम्निलिखित संघ लोक सेवा श्रायोग श्रम्यियों को सीधी भर्ती द्वारा सीमाणुरुक में उनके नाम के श्रागे दी गई तारीख से श्रागे के श्रादेश तक श्रस्थाई रूप में श्रश्वेतर (गैर विशेषज्ञ) नियुक्त किए गए हैं। वे दो वर्ष नैत गरीवीक्षाकाल में रहेंग ।

सर्वश्री

1.	के० एम० बागराजन	19-8-1985	पूर्विह्न
2.	जे० राजमनोहर	n	"
3,	पी० वेंकटेश्वर	"	11
`.4.,	के०बाल सुक्रमियन भट	"	"
5.	पी० कलेसेलवन	n	11

6.	एम० चन्द्रा बे(स	19-8-1985	पूर्वाह्य
7.	एन० नागे भ्यर	14-7-1986	"
8.	पौल थामस	"	11
9.	कु० इन्द्रा शिशुपाल टी० एस	۳ "	tt
10.	श्रीमती ऊषा रानी	11	"
11.	कु० वाई० वी० ग्रनुराधा	11	"
12.	ड ० कन कैया	11	"

निम्नलिरित प्रधिकारियों को पदोन्नत करके प्रप्रैसर पद पर स्थायी ग्राधार पर सीमा शुल्क भवन में उनके नाम के ग्रागेदी गई तारीख से स्थानापन्न किया गया है :---

सर्वश्री

1. के० एन० रविन्द्रन	15-2-1985	पूर्वाह्
2. वी० ब्रह्मानन्दन	1-6-1985	"
3. सी० वी० श्रीनिवासमूर्ति	13-3-1986	"

श्री ए० वसन्त कुमार, श्रस्थाई स्रप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) मद्रास सीमाशुल्क भवन ने स्रपने पद स्रप्रैसर त्याग-पत्न दिया है जो 20-8-1986 स्रपराह्म) मे लागू किया गया है ।

> भ्रार० जयरामन, समाहर्ता, सीमाणुरुक

बड़ोदरा, दिनौंक 3 दिसम्बर 1986

मं० 28/1986—-श्री स्नार० पी० रावल, सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन णुरुक (मूल्यांःन शाखा) मुख्यालय, वडोदरा दिनांक 23-10-1986 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तदनुसार दिनांक 31-10-1986 के सपराह्म में निवर्तन की द्वायू पर सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

मं० 29/1986—श्री एस० पी० पुराणी, म्रधीक्षक, के ब्रीय उत्पादन मार सीमा णुल्क, मण्डल-1, सूरत दिनांक 3-10-1986 को 58 वर्ष हो गए हैं। तद्नुसार वे दिनांक 31-10-1986 के अपराह्म में निवर्तन की आयु पर सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 30/1986-श्री सी० के० दनाक, सहायक समाहती, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डल-, सूरत दिनांक 21-11-1986 को 58 वर्ष के हो गए हैं। तद्नुसार, वे दिनांक 30-11-1986 अपराह्म में जियतंत की आयु पर सेवा से निजुन हो गये हैं।

श्रीमती वरलक्ष्मी राजमानिकम समाहर्ता निवारक संकार्य निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरू । नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

सं० 207/7/84---संचार--श्री फतेह सिंह, कार्यालय, श्रधीक्षक ने पदोन्नत होने पर प्रणासनिकश्रधिकारी का पद निवारक संकार्य निदेणालय में 15 सितम्बर, 1986 को संभाल लिया ।

> एम**० वी० रेड्डी** निदेशक

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी नार्य विभाग) कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर

केरल प्रिटिंग एण्ड पब्लिशिंग कम्पनी िमिटेड के विषय में कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर, 1986

सं ० 1501/लिक ०/560 (5) 2022/86 कम्पनी अधि-नियम 1956 कीधारा 560 की उप धारा (5) के अनुसार एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि केरला प्रिटिंग एण्ड पब्लिणिंग कम्पनी लिमिटेड, को नाम भाज कम्पियों के रिजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

> कम्पनी मधिनियम, 1956 मौर ए॰ मोहम्मद मूसा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० 2620/लिक०/560 (5) 2021/86—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि ए० मोहम्मद मूसा एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त अम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी अधिनियम 1956 और ए० बी० सी० एक्स्ट्रेक्शन्त प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० 2893/लिक०/560 (.5) 2020/86—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि ए० बी० सी० एक्स्ट्रेनशन्त प्राइवेट लिमिटेड का का नाम श्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 और सी एण्ड फिशरीस प्राइवेट लिशिटेड के निपय में कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० 2287/लिक०/560(5)/2019/86—कम्पनी म्रिध-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रानुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सी एण्ड सान्ड फिशरीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम म्राज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है। भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर सुप्रीम ग्राटो सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोच्चिन, विनांक 3 विसम्बर, 1986

सं० $1886/(\mbox{maso}^{\circ}/560 (5)/2018/86$ —कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सुप्रीम प्राटो सिवस प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर कैयोलिक सिण्डीकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

काौिच्चन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० 27% सिक०/5%0 (5)/2017/86—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के म्रनुभरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कैथोलिक सिण्डीकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर लायन्या ट्रिस्ट होम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कारिज्यन, दिनांक 3 विसम्बर 1986 सं० 3466/लिक०/560 (5)/2016/86—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनु— सरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लावन्या टूरिस्ट होम प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 और कालीकट चेंबर श्राफ कामर्स ए०ड इण्डस्ट्रीज के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर, 1986

सं० 1407/लिक०/560(5)/2015/86— कम्पनी श्रधि ϵ -्रियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसर्ण

में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कालीकट चेंबर स्राफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्री का नाम भ्राज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर सेंट जार्ज पेपर मिल्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० 2765/लिक०/560 (5) /2014/86—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एनद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेन्ट जार्ज पेपर मिल्स प्राइवेट लिसिटेड का नाम भ्राज कम्पनियों के रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रविनियम, 1956 श्रौर मिलियन्स कुरीस एण्ड लोन्स प्राइवेट लिमिटेड, के विषय में।

कोक्यिन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० 3609/लिक०/560 (5)/2013/86—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रानुसरण में एसदृद्धारा सूचना दी जाती है कि मिलियन्स कुरीस एण्ड लोन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर मेनोन ड्राई बट्टीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० $2607/\boxed{m}$ $\pi/560$ (5) /2012/86 — कम्पनी प्रिक्षिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भनसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेनोन ड्राई

बैट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज कम्पनियों के रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

> कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर कोस्टल पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोच्चिन, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

स० 3042/लिक०/560 (5)/2011/86—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कोस्टल पेट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

वी० ए० विजयन मेनन, कम्पनियों के रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी ब्रिधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स भागवन कास्मेटिक्स एण्ड फार्मा लेबोरेटरीज प्राडवेट लिमिटेड ग्वालियर के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

मं० 2472/पी० एम०/मी० पी०/2794/86— कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतदृद्वारा यह सूचनादी जाती है कि मैसर्स भागवत कास्मेटिक्स एण्ड फार्मा लेबोरेटरीज प्राडवेट लिमिटेड, ग्वालियर का नाम ग्राज रजिस्टर में काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० करमाकर कम्पनियों के रजिस्ट्रार, म० प्र०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुजना

भारता संरक्षाण

भायांस्य, बहारक बायाहर कायामा (१२०१०)पः) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदर।बाद दिनांक 28 ग्रगस्त, 1986

भिर्देश सं० श्राप्त ए० सी० नं० 11/86-87--- श्रत: मुझे, टी० गोरखनाथन

काषका कि भिन्नमा, 1963 (1961 ला 43) (लिस इसमें इसमें इसमें कहा गया है), की भारा 269- क के श्वीन सक्तम पाणिकारों को, यह विश्वास करते का काषण है कि स्थाप संपत्ति जिसका उल्लिस बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अपिक है

भ्रोर जिसको सं० 1-7-1072 है जो चारमीनार काल रोड, मूसीरा-बाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इलमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चीक उपरक्षी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5/86

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के किए: और/या
- (क) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों शारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डी॰ रुक्मोनीबाई पित लेट भी डी॰ वेनुगोपालराव, घर नं॰ 1-7-1072, चिर्मोनार कास रोड, मुसीरा-बाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) दि ग्रान्ध्रा बैंक एम्पलाईज वेलकेयर एसो एशन, बाई एम्पलाईज ग्राफ दि ग्रान्ध्रा बैंक, थु सेसर्स रहीम कन्स्ट्रकशन्य, रजिस्टई ग्राफिस, ग्रान्ध्रा बैंक बिल्डिंगम सुल्तान बाजार, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना गारी करके पृष्ठीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिसा एस्टा हो।

क्षक्स सम्महीत्व के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोर्ड भी आक्रोप .--

- (क) इस सचना के राज्यक्र मों प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यविद्यों पर स्चना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि तोद सो समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त होता हो। से भी सामाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रसाक्षरी के पास सिष्टित में फिर वा सकैंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

प्रसुप्त

सभी भाग और परि र नं० 1-7-1072, भूमि के याथ, विस्तीर्ण 2713 चौ० गज (2267.23 मीटर्स) द्वामें से 1636 चौ० गज जिल्ह्यप एरिया और 1976 चौपगज खुनी जमीन रिजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 867/86, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चीकवडपल्ली।

टी० गोरखनाथन स्क्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-8-1986

प्ररूप आहूर् टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 नवम्बर, 1936

निदेश सं० मी०म्रार० 62/50154/86-87-- भ्रतः मुक्षे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिस्की सं० श्रनुसूची के मुगबह हैं तथा जो काबूर गांव, मंगलूर में स्थित है (श्रौर इन्मे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौरपूर्णऋप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986

का पूर्व क्या सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जंगरित की गई है और मूक्त यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यभान किछाल से, एमें इंद्रश्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्पितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनस अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दियाय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एंसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

क्षतः अब उकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् — (2) कवीर रंजनदान, पुत्र ईंग्बर भण्डारी, काबूर, विलेज, मंगलूर, तालुक।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं पर्य दि में इल अरेकनट और कोको मार्कीटिंग एण्ड प्रोमें पिंग को आप० लि०, पि० जि० नं० 223, मंगलूर, 575001, पहलारी, महल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पृत्रोंक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्बाध, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगें।

स्पष्टीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 22/86- 87 ता० श्रप्नैल, 86) जो सम्पत्ति है काबूर बिलेज, मंगलूर पिटी में स्थित है। नं० ए सटेन्ट पोट्सन

11-2ए, 2200 स्क्वे० मीटर्स पूर्व

- 2. 13-3बी 2 2076, 77 स्क्रवे० मीटर्म मध्य ।
- 3. 12-3बी 2 2080, 68 स्तवे जिस्सी मध्य
- 13-3बी 2 2030 स्क्वे० मीटर्स मध्य
- 5. 13-3बो 2 3679 24 स्बवे० मीटर्स मध्य

ग्रार० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलूर

टिनां ह : 20-11-1986

मोहरः

प्रकप_{्र} बाह्र¹. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत् खरकाङ्क

कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 18 नवम्बर, 1986

निदेस सं० मी० ग्रार० 62/50103/ 86-87--- **प**न: मुझे, श्रार० भारद्वाज,

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्तरवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिन्नि सं० 95 श्रौर 96 है, तथा जो मगोस बंगलूर ।।।, मन, मुल्लरनरम में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-4-1986

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मृत्य सं कम के स्थमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने ला उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कप, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक भें. में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बी॰ राम लबालकृष्ण, नं॰ 20, : फ्लोर, ।। काम, मल्लेश्यरम, बंगलूर, 560003

(भ्रन्तरक)

(2) स्टान्ली बेनेडिक्ट शेगो , कुचिक्काड हाउ ; कुनरोकर पोस्ट, मंगलूर -575005

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्थन के लिखे कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन् के संबंध में कोई भी आखोप उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकोंगे।

स्वकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, वो धक्क विभिनियम के वश्याय 20-क में परिक्राधिक है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रची

(बस्तावेज सं० 285/86-87 /ता० 3-4-1986)

जो संपति है जिसकी सं० 95 स्रौर 96, मारगोसा रोड, ।।। मैन, मल्लेखरम, बंगलूर, 560003

> ग्नारः भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-11-1986

प्ररूप बार्दः टी. एन. एस.------

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तक) भ्रार्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 1 नवम्बर, 1986

निदेश सं० सी० मार० 62/50155/86-87—म्बतः मृझे, म्रार० भारद्वाज,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से गांधक है

- (क) अध्ययम संबूद्ध किसी बाय की शखदा, तकः कॉचनियम को अधीन कर दोने को जन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उचाने वचने में सुविधा को लिए. मेंदर/या
- (क) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों धनकार विधिनिकन, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ बंदरिती बुवारा प्रकट नहीं किया की, बिन्हों भारतीय आसकर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धवा था किया थाना वाहिए था कियाने धेन्यों की सिए,

क्षेत्र: शरं, उक्त काँभनियम की धारा 269-त के बन्सरण व्रां, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-त की रूपधारा (1) के अधीन. निम्नजिम्नित व्यक्तिकां, अध्यक्ष क

- (1) म नर्म प्रपोलो मीफुडस बालमट्टा रोड, बंगलूर-1 (ग्रन्तरक)
- (2) मैं नर्सवीनस फिशारी प्रा० लि०, 131, ग्रेट काटन रोड, टुटिकोरिन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हु।

तक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- १६०) १स स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थाना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त पाक्तिया में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त पाक्तिया में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के स्तित्र उपन स्थापत्र सम्मान है । हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा, अभोहस्ताक्षरी र पत्र विश्व में किश्व ना सर्वार ।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विष् नियम के अध्याय 20-क में परिभाण्य हैं, हैं, वहीं अर्थ होंगा का उस अध्याय में द्या गया हैं!

अन्सूची

दस्तावेज सं० 30/86-87 तारीख 4-4-86)

जो सम्पत्ति हैं जिसकी सं० पट्टा नं० 131 42-7 बगयत 0-26 तथा 131 34-1बी बगयत, 0-27 डोमबन विलेज डोस-बेंडु पंचायत बोर्ड, मंगलूर, तालूक, सौत केनरा डिस्ट्रिक्ट।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (मिरीक्षण) श्रजंन रेंज, बंगल्र

तारीखा: 17-11-1986

प्रकास क्षेत्र ही कि एक ----

भाषकर बोजांकान 1961 (1961 का 43) की धारा **269-व (1) के अधी**न स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर साय्यल (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/ गृड्गांव/49/85-86---श्रत: मुझे, बी० एल० खत्नी,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पहचात (जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थाप सम्बद्ध जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्राँर िसकी मं० भूमि-2, ए काठा, टयूबबल, बिजली फिटिंग सहित जो िकन्दरपुर, धौसी में स्थित हैं (ग्राँग इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीय ती ग्रिधकारी के कायि, य, गड़गांव में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि नियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीय नारीख 2-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य में उच्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ्तः। जनगरण सं हुन्द्रं निक्ती द्वाय की शबत, उस्त आधिनियम के अधीन कर दोनं के अस्तरक के शोणक मा वसी एउनं या तससे इकता गा स्थिसा रोजन, प्रार्था
- ्ने भारतिस जारकार गरिशीनसम्, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1952 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा स किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्पू

असः काज, उत्कल अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुभगण मो, मी, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गिरधारी पुत्र श्री रामसरत पुत्र गंगावितन নিত निकन्दरपुर, धाँसी, तहरु गुड़गांव।

(श्रन्तरक)

(2) मैं० पूना भारिन हना प्रार्थानिक ए-6, रिंग रोड, एन० डीकिएस इंकिपार्ट-1 नई दिल्ली। (श्वन्तरिती)

को यह सुषना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्तिः के वर्णन वे चिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के मंबंध में कार्ड भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि खाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दूसारा,
- (क) इस सुचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किये जा सकती।

स्पष्टीकरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा रहा हैं।

अन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 2 1/2 एकड़, टयूववैष कोठा, विजली सहित, सिकत्यरपुर, धासी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्या विगुड़गांव में रजिन्द्री संव 1904 दिनांक 2/7/86 पर दिया गया है।

> बी०एन० **स**ती मक्षम प्राधिकारी सहाय श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-11-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.---

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ एक्यू०/ गुणगांव 5 0/86-87 श्रतः मुझ, बी० एल० खन्नी,

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो। का कार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिन्नी सं ० 5 बीघा पुछ्ता जो सिकन्दर घोसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुणगांव में रिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 196 के (1908 का 16) के श्रधीत, तारीख 2-7-86 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्निवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आंग्रिश का. निन्हीं भारतीय जायकर व्यक्तित्रयम । 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का २०० के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था । विकास वा वास्त्र की निवास की वास्त्र की निवास की वास्त्र की निवास की वास्त्र की निवास की निवास की वास्त्र की निवास की

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ पी उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सर्व श्री शंकर, रामचन्दर पुतान, श्रीमित बलवन्ती श्रीमित इमरती, श्रीमित लोधी पुत्रियान श्री दीपचन्द नि० िकन्दरपुर घोषी, तहर्ग गुगगांव।

(भ्रन्तरक)

(2) म॰ पूजा शिल्पकला प्रा॰ लि॰ ए-6, रिंग रोड, एन॰ डी॰ एस॰ ई पार्ट-I, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

ब क्त संपर्शिको अर्जन के सबय मा काई भी शक्षण ---

- (क) इस गूपना के राजपत्र में प्रकाशन की हार्रांक स 45 दिन की अविधास तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशम की तारीब से 43 दिन के भीतर उनते स्थाधर सम्पत्ति में हिल बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताकरों के यस निक्षित में किए बालकों में।

स्पष्टाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और नहां का, जो उनस अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया हैं।

बन्स्धी

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा, पुख्ता जो तिकन्दरपुरकृ घोसी, में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती कार्यालय, गुणगांव, में रजिस्ट्री 1907 तारीख 2-7-1986 पर दिया गया है।

> बी०एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहाय स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-11-1986

प्ररूप आहूरे, टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 6 रवम्बर, 1986

निदेश सं० फ्राई० ए० सी०/एत्रयू०/गुणगांव/ 53/86-87 फ्रतः मझे, बी० ए० खन्नी,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रौर तमकी सं ० भूमि 93 इताल के मरला, जो झाइसा में स्थित है और इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में भ्रीर पूर्णकृप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गुणगांव में गरजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908के (1908 का 16) के मधीन, तारीख 19-7-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान रिलए अन्तिरत प्रतिफल को की म्भे यह विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्पित बाबार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भही किया ग**या ह**ै:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय क'। बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा क लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अष, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग को जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——

- (1) श्रीमित लक्ष्मी विभवा रोहताम, श्रीमित दानो विधवा प्रतापसिंह, नि० झाडसा, तहु० गुणगांव । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं॰ शारदा प्लाई बुन्ड इन्डस्ट्रीज लि॰, 1/7, वेशबन्धु गुप्तारोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पथ्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हन्नेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 93 कनाल 8 मर,गांव झाडसा में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में रिजस्ट्री सं० 2279 दिनांक 19-7-1997 पर दिया है

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 6-11-1986

प्ररूप आहू . टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ण (i) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 नवम्बर, 1986

शायकर निर्मासन 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 95 कनाल 19 मरले जो झाडसा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णकर्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के जार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-7-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया है रू—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदिशा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धम या अन्य आस्क्रियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भरु अंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अथित् :---3---396GI/86

- (1) श्रीमति दानो विधवा श्री प्रतापसिंह पुत्र श्री हरना-रायण सिंह नि०—गांव—झाडमा नह० गुड़गांव। (अन्तरक)
- (2) मैं शारदा प्लाईबुड इन्डस्ट्रीड प्रा० लि०, 1/7, देशबन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुएतारा;
- (क) इस स्थान के राज्यभा में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्याहरतारा के पाम लिखिस में किए जा सकेंगे ह

स्यष्विकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 95 कताल 19 मरले जो गांव झाडसा गांव, में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुइगांव, में रजिस्ट्री सं० 2280 दिनांक 19-7-1986 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, रोहतक

तारीख: 6-11-1986

रस्य वार .टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्र**र्जन रेंज**, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू० /गुड़गांव/ 55/ 86-87-----भ्रतः मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि 79 कनाल 2 मरले जो गांव झाडसा, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं क्षेत्र के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरण के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को विक: और/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय जाउकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, न्या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सर्वेश्री वेदसिंह ज्ञानचन्द पुत्नान चन्दगीराम नि०--गांव---झाड़सा, तह० गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैं ० सुपरनरल कारपोरेशन (इण्डिया) लि०, 6 कम्युनिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी यिक्तयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजगत्र हो प्रकाशन की धारीक है 45 दिन के मोतर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

साष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 79 कनाल 2 मरले जो गांव झाडसा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गाव में रजिस्ट्री सं० 2714 दिनांक 12-8-86 पर दिया गया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी र:हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-11-1986

मोहर ः

प्रकृप कार्च.टी एत.एस. -------

गामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, शेहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवम्बर 1986

निवंग मं० श्राई० ए० सी० /एक्यू० /गुड़गांव/ 56/ 86- 87---श्रतः मुझे, बी० एल० खनी,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें स्वयं प्रकार का का का 43) (जिस इसमें स्वयं प्रकार का का का का अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० भूमि 70 कनाल जो झाडक्षा में स्थित है (ग्रांर इन्से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रांर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 13-8-1986

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाबार मूलय से कम के इस्यमान प्रांतफल के लिए बन्दरित को गृह हैं और मूक्त यह चिक्तार करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार बून्च, उसके इस्थमान प्रतिफल से एस क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतस्त से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (अ) अन्तरण १ **६ इं किसी आध्याती श्रावस, उक्त** श्रीभितियस की अधीन कर दोने की अन्तरक क **बा**यित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एमी फिसी जाय था फिसी अन या अन्य आस्तिया की, फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राविधा के लिए;

अत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, की. अवर: अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:— (1) श्री वेदसिंह, शानचन्य पुत्रान चन्दगीराम, गांध---झाङसा, तह०-गुड़गांव।

(धन्तरक)

(2) मैं श्र्यूनिटंक इन्डस्ट्रीज लिं ०, ६ कम्युनिटी सैंटर, साकेत, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थनु के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मधीन के सम्बन्ध में कोई भी नायोप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्राम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिभीकरण:---इस में प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उसते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुमूची

सम्मति भूमि 70 कतान जा गाय झाउ ते में स्थित है जिनका ग्राधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यानय गुड़गाय में राजस्ट्री मं० 2715 दिनांक 12-8-1986 पर दिया गया है ।

> शीर एसर सर्जी सदाम प्राविकारी सहायक प्राप्यक्त (निराजणी अर्जनर्रेज, रोह्तक

भागोप: 7-11-1986

माहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 नवम्बर, 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी० /एक्यू० /गुड़गांव/ 75/86-87 भतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

गायकार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्वी इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्लास करन का खारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 6 बीघा 12 विसवा जो चकरपुर में स्थित है(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यात्य गुड़गांव में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिश्रीन, तारीख 12-5-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकाल, जिन्निलिखित उव्योद्य से उपत अंतरण लिखिक में बास्तिवक अप से कथिश गृहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण में हुइ किसी बाय की शबदा, उचत अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/वा
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्मिनिक्त व्यक्तियों, वधीन ६--- (1) श्री नाथू सिंह, रघुमाथ सिंह, पुतान, रामपन, नि०— चकरपुर, तह० –गुडुगांव ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं अनुराग कन्स्ट्रक्शन कं लिं क्रिंग 14 नरेन्द्रा-प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूअना आरी करके पृथिक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎥

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 जिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती की, को भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्च किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किस् का अकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और एदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 6 बीघा 12 बिस्वा जो चकरपुर में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री मं० 729 दिनांक 12-5-1986 पर दिया गया है।

> बी० एल खती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहुतक

तारीख: 11-11-1986

इक्य बाइं.टी.एम्.एस.,-----

भागकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) क स्पीन स्पना

भारत उरकार

कार्यात्व, सहायक भाषकर वायुक्त (निर्द्रीक्षण)

भ्रजन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 4 नवम्बर, 1986

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्य्० /गुड्गांव/ 76/ 86-87--- भ्रत भ्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विरास कारने का कारण हैं कि स्थावर गर्म्यास, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० भृमि 51 कनाल 10 मरले फैक्टरी रोड, शेड सहित जो खटोला एवं नरिसहपुर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद ग्रमुसूची में ग्राँर पूर्णक्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 22-8-1986

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अंतरण लिखित व शास्तिक रूट से कृष्ति नृहीं किया नया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य श्रास्तियों को धिनहुँ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्सरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा बे सिए।

अल् क्षेत्र उक्त अभिनियम कौ पारा 269-ग में अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) इ अधीन, जिन्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात डिल्ल (1) मैं० स्टेन्डडर्ड गम एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०. 38/6, के० एम० एम० नेशनल हाईये नं० 8, नरसिंहपुर, गृहगांव।

A MANAGEMENT PROPERTY OF THE PROPERTY OF

(भ्रन्तरक)

(2) मै० हाईवे साईकिल इन्डस्ट्रीज लि०, 698 इन्डस्ट्रियल एरिया 'बी' लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मृति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी श्वितयों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, धो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितयों में से किसी स्पन्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 पिन के भीतर उच्च स्थावर नम्पित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पक्षे का, जो उक्त विश्विम के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं मुर्ग होगा जो उस अध्याय में विवा भूषा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 51 कनाल 10 मरले फैक्टरी सहित, 40 कनाल खटोला एवं 11 कनाल 10 मरले नरिमहपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्री सं० 2862 दिनांक 22-8-1986 पर दिया गया है।

वी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

जारीख: 4-11-1986

प्रारूप आहु^६.टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) को अधीन सूचना

-gr-may aa waaana aa waaama -g<u>aasaa . waa aa aa aa a</u>

भारत सरकार

क्रायांलयः सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० मी० /एक्यू० /गुड़गांव/80/86-87---भ्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिस्में इसमें इसके पहचात् 'उक्तर अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि 12 कनाल जो सुखराली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बादार मृत्य में कम ते दश्यमा-प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बादार भृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नालिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निभ्नित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण तं हुइ किली अध्य की बाबत, उन्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक वी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में ध्रीवधा वी लिए: भार/या
- (क) एसी जिली जाय का किसी का या अन्य कास्तिकों की, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं कि या गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने म मुलियम के लिए;

बत: वय, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधित् ः~

(1) सर्वेश्री ध्रमिह जीतराम पुतान अभैमिह पुत छाल् खुद मुख्यार आम शीमित भरमो, मिथी, केशव, उर्फ किताबो पुतियान अभैमिह नि०---मुखराली, तहसील-गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मैं० ग्रन्मल प्रापर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, ग्रन्मल भवन, 16 कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्भरिती)

की यह अभाग आपी करके एवजिए तस्पन्ति क क्षणेंग के हिन्स् अर्थनाहें,बाँ करला हु :

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सुचना क राजपन मा प्रकाशन की तारीक क 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सुवना को तामील से 30 विन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोल्ड व्यक्तियों में विभिन्नी व्यक्ति प्यारा;
- (क) इत् सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीआ हं 45 दिन के मीतर तकत स्थानर सम्पत्ति में हितनक्य किसी जन्य स्थानत दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए का सकोगें।

स्थार के क्षेत्र के स्वाप्त के स

सम्भवी

सम्पत्ति भूमि । 2 कताल जो सुखरार्ल। म रिधा ह जिसका स्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यात्रय, गुड़गोत्र मे रजिस्ट्री स० 3134 दिनांक 5-9-1986 पर दिया गया है।

> बी० एल० खर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजैनरें ज, रोहतक

तारीख : 14-11-1986

प्ररूप बाह्र . ही . एव . एक . -----

अरायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

माइत संस्थाह

कायालय, सहायक गावकर जायुक्त (निरीक्रक)

श्रर्जन रेंज, रोहनक रोहतक, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/ गुड़गांव/81/86-87-श्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

अप-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इं**पर्ने** इसके पद्यात 'उथत मधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को मह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिषद बाषार मृस्य 1,00,∪00/- रु. से निधक हैं।

श्रीर जिसकी सं० भूमि 12 कनाल जो सुखराली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब प्रनुसुची में स्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), स्रौर रजिस्ट्री-मधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-9-1986 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य **ते कम के क्यांगा**थ प्रतिकल के सिए अंतरित की ग**र्द हैं और मूफ्टै यह विस्तास** करने मः फारण हैं कि ग्रथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार नुल्य, असके दश्यमान प्रतिपाल से, ए'में **ध्रयमान प्रतिफ**ल का पन्यज्ञ **असिकल से अधिक है अदि अन्तरक (जन्तरकाँ) और** यंता हो। (अन्तरितियों) के बीच एसे अल्तरण के लिए तय पाया गका भारतिकान, निम्नसिवित उद्देष्य से उपत अन्तरण भिवित को साध्योधन कम सं क**ियत महीं किया नवा है :---**

- (क) अन्तरण से हुई किमी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व सें कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्तर सक् , अक्क्ष **कथिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण** लक्ष्म अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) ले संबीत जिल्लानिसित व्यक्तियों, अर्थाल् :-

(1) श्री चन्दन पुत्र छालृ, पुत्र धर्नासह निवासी---मृखराली, तहसील--गृङ्गाव।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० श्रन्सन प्रापर्टीन एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115 ग्रन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को जर्बन के बिह् कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उन्ह प्रस्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट क्यक्तियां में से किमी व्यक्ति ब्यागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति दशारा, अभोहस्ताकारी के बाव जिल्लित याँ किए का सकती।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्यात में दिया वकाहै।

धनस्ची

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल जो सुखराली में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 3135 दिनांक 6-9-1986 पर दिया गया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-11-1986

भोहर:

प्ररूप आहूर. टी. एन . एस . ------

आयकर पिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 नवस्थर, 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू० /गुड़गांव/82/86-87— भ्रतः मुझे, बी० एन० खत्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'सकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौरजिसकी सं० भूमि 70 कनाल 18 मरले जो झाडसा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गृङ्गांव में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-9-1986

को पूर्वे कत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैत्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री सूरत सिंह पुत्र भी हरताम सिंह, मीर सिंह, सुख वीर सिंह, पुतान राम सिंह, नि——गांव—झाडसा, तहसील—∽गुड़गांव।

(श्रन्तरक)

(2) सुविधा इन्डस्ट्रियल लि०, 7/7, डी० बी० गुप्ता, रोड, (2री मंजिल), पहाड़गंज, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 70 कनाल 18 मरले गांव झाडसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 3238 दिनांक 5-9-1986 पर दिया गया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी स्रह्रायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**रीख**: 7-11-1986

प्रकृत बार्च . हो . एवं . एवं . -----

बाबकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

भावांसय, सहायक जायकर नाय्क्त (निर्देशिय)

ग्रर्जन रें ज, रोहतक

ोोहतक, दिनांक 7 नवस्वर, 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी० /एक्यू० /गुड्गांव/83/86-87----म्रस: मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जनत विधिनियम' कहा नवा हैं), की पाद 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विस्ता स्वित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं॰ भूमि 39 कनाल, 15 मरले जो झाउसा में स्थित है है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), दिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री जिले सिंह करतारसिंह पुत्रान हरीसिंह, नि०~ झाड़सा, तह० गुड़गांव।

(मन्तरक)

(2) सुविधा इन्डस्ट्रियल लि० 7/7, 2री मंजिल, डी० बी० गुप्ता रोड, पहाड़गंग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना बारी करके प्वानित सम्मरित के अर्थन के सिए कार्य-नाहियां शुरू करता हों।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेण्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म स्थिति इवारा नभोहस्ताक्षरी के शब सिवित में किए वा सकते।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विधा ग्या है।

वनुसूची

सम्पत्ति भूमि 39 कनाल 15 मरले जो झाडसा गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री सं० 3139 दिनांक 5-9-1986 पर दिया गया है।

> बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-11-1985

अक्ष बाह्".टी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत प्रश्नार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 11 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू० /हांसी/ 2/86-87---- ग्रतः मुझे, बी० एल० खती,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्री एसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/-रु. में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 154 कनाल 7 मरले जो हांसी में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से बांणत है), रिजस्ट्रीकत प्रिधिकारी के कार्यालय, हांसी में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 13-5-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वात हरने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के स्नुत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के स्नुत्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरण के निए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निवित्त में वास्तविक स्थ ने किश्वत महीं किशा क्या है।

- (क) भन्तरण सं हुई किसी नाम की बावछ, तक्छ अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के गियत्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए: और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

शतः संग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित न्यिक्तयों, अर्थात :--- (1) श्री जसवीर सिंह, कुलबीप सिंह जगवीर सिंह, सुखवीर सिंह, पुत्रान, सोहन सिंह पुत्र सुखराम नि—हासी, जिला— हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवी वयाल पुत्र सिरीराम पुत्र हांसू नि— मोह० रामायन श्रर्जनदास, खांडेवाले के पास दिल्ली रोड, हांसी।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित व्यक्ति व्यक्तिए;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसक्व्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किए जा सकेंगे।

क्षव्यक्तिरणः - इरामें एयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तियम के सभ्याय 20 के में परिभाषित हैं बही वर्ण होना को उस सभ्याय के दिशा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 154 कनाल 7 मरले जो हांसी में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हांसी में रजिस्ट्री सं० 506 दिनांक 13-5-86 पर दिया गया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, रोहतक

तारीख: 11-11-1986

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहत्क, विनांक 11 नवस्वर, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० / ऋयू० /नीलोखेड़ी/1/86-87----ग्रत: मझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

औरजिसकी सं० भूमि 42 कमाल 11 मरला जो तिखाना में स्थित है (और इस उपाव द्व प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नीलोखेड़ी में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के प्रधीन तारीख 3-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अंतरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

गतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कुन्दन सिंह पुत्र जगत सिंह नि०--तिखाना, तह०--करनाल।

(भन्तरक)

(2) मै० बालाजी राईस मिल्स तरौडी तह०--करनाल अजरिए श्यामलाल पुत्र इन्दर सैन नि०--तरौडी तह०--करनाल।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्णि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गश्रा परिभा है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 42 कनाल 11 मरले जो तिखाता में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, निलाखेड़ी में रजिस्ट्री सं० 247 दिनांक 3-5-1986 पर दिया गया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-11-1986

मोहरः

क्षण बाही ह बीज पूर्व व पुरुष्ट न्यान

वरवकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) को बाह्य 269-व (1) के विभीन सुचनः

भागीनय, सद्दान्क वायकर नायुक्त (निरक्षिक) श्रजैन रेंज, पूना

पूना, विनांक 18 नवम्बर, 1986

निदेश सं० 37जी/229/86-87----भ्रतः मुझे, अंजनी कुमार,

नायकर निष्तियन, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निष्मियम' कहा गया ही), की भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

निश्चीर जिसकी सं कलाक न 1002 विलेज सणसवाडा िला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पूना में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 15 जूम, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाषात बृत्य से कम के व्यवज्ञान प्रतिकल् के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित याजार मूल्य उसके व्यथमान प्रतिकल से, एसे व्यवमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निस्नलिखित उद्येशय से उक्त अन्तरण सिवित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध—

- (क) करतातम से शुद्ध किसी भाग की बाधक उसके मिन्द्रियम के सथीन कर दोने के मन्तरक के खिलाल में क्षमी करणे वा असने बचने में सुविधा से सिए; भीरु/या
- (क) होती किसी बाव वा किसी धन या अस्थ वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयादनाथ अन्तरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया थवा वा या किया जाना चाहिए था, धिनाने में श्रीवरा में किय;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ ७ थीन, निम्ननिचित व्यक्तियों, वर्धात् म्रूच्च (1) 1. श्रीमित लक्ष्मीबाई कालूराम दरेकर 2. मिस सुलोचना दरेकर, 3. श्री रामचन्द्र कालूराम दरेकर (एलीयाईस) रामचन्द्र भाई दरेकर।

(भ्रन्तरक)

(2) इस्पात प्रोफाईल्स लि०, चटर्जी इन्टरनेमनल सेंटर, 9 वामाला 33 ए जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पर्टित के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

संबद्ध सम्बद्धि के सर्वन के सम्बद्धा के कांग्रे भी आहर्त्य हरून

- (क) इब जूचना के राज्यम में प्रकारण की तार्रीय से 4.5 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिपण :---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पत्यों का, वो उक्त भौभिनियम के जञ्जाय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37जी/229/86-87 जो 15 जून, 1986 को सब रिजस्ट्रार के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-11-1986

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, पूना पूना, विनोक 18 नवम्बर, 1986 निदेश सं० 37जी/228/86-87---श्रतः मुझे, भ्रंजनी-कुमार,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथम (उनत अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-ज के वधीन स्काम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 995 गांव सणमवाडी जिला—पूना है तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय पूना में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 15 जून, 1986

की वृक्षेत्रिश सरमिरित के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यमांव इतिकाल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मृझे यह विकास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य, उन्नये दृश्यमान प्रतिकास के, एवे दृश्यमान प्रतिकाल का भन्यह प्रतिकात से अधिक ही बीर बम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितिमीं) के बीच एवे बन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकाल निम्निविचित उद्योग्य से उच्त अन्तरण मिचित से बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया नवा है :--

- (क) बन्तरण से हुद्द किसी नाय को बायत उक्त वाध-नियम की बनीय कुद देवे के बन्तद्रक के दावित्य में कुसी करने या उत्तसे तचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किशी बाव या किसी अन या कर्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए;
- अतः लख, उक्त मधिनियम की भारा 269-व क जन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिखत व्यक्तियों, अर्थास् :—

- (1) 1. हरिभाउ भागू दरेकर 2. किसन हरि भाई ऊदरेकर 3. मांताराम भागू दरेकर 4. पिरा भागू दरेकर 5. जराबाई नारायण दरेकर 6. चाई भाई गुलाब दरेकर 7. सईवाई साहेब राव दरेकर 8. सुलूबाई बाबूराव दरेकर (भन्तरक)
- (2) इस्पात प्रोफाईल्स (इण्डिया) लि०, चटर्जी, इन्टरनेशनल सेंटर, 9 वाँ माला 33 जवाहर लाल नेहरू रोड, कलकत्ता-700071

की यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पृति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुँ।

वक्त बम्मित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस नृषना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेतिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हिए-क्यूच किसी अन्य स्थावत द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित के किए वा सकीय।

स्वकाकरण:--इसमें प्रमुक्त सकी और पर्यो का, का अकत वीधिन्यम, के बच्चाम 20-क में पर्भावित हैं, वहीं वर्ष होगा हो उस अध्याम में विका गया है।

प्रमुखी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37जी/ 228/86-87 जो 15 जून 1986 को सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 18-11-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

शास्त्र सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 18 नवम्बर, 1986

निदेश सं० 37 जी/86-87/227—अतः मुझे, अंजनी कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1001 विलेज सणवासधी जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूना में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुन, 1986

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जार मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्निजिस्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनिक्ष के अधीन कर दोने की अन्तरक के दादिल्थ मों कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (था) एंसी किसी शाय या किसी भन या बन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकताथ श्रन्दरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निधित्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री पाडुरंग भाई दरेकर श्री भगवन्त भाई दरेकर, श्री बबन भाई दरेकर श्री रामचन्द भाई दरेकर श्री रामचन्द भाई दरेकर श्री कोसाबाई ग्राबू सांधले श्रीमित शारदाबाई सामराव जाभाले श्रमुसैया बाई शिवले दयानन्द भाई पाडुरंग दरेकर सौ० सोनाबाई भाई दरेकर जिला-पूना। (ग्रन्तरक)
- (2) इस्पात प्रोफाइल्स (इण्डिया) लि०, चटर्जी, इन्टरनेशनल सेंटर, 33ए जवाहर लाल नेहरू रोड, कलकत्ता-700071

(भ्रन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (5) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिनों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सज्यक्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यक्ष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्द बीए पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हाँ, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रार नं० 37/बी/227/86-87 जो 15 जून 1086 का ध्विन्यक्ट्रिय के दफ्तर में लिखा गया है। ग्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकार महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-11-1986

प्रारूप आई.टी.एन.ए।स.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के पंथीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 नवम्बर, 1986

निदेश सं∘ 37 जी/226/ 86-87-- श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

जासकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के वधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- क. से स्थिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1004 विलेज सणसवाडी जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 15 जून, 1986

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिचत से अभिक है और
अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मनिश्चित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया
नया है: ---

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उसत जिभीनयम के अभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/अन
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में न्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिकित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (फु) श्री सखाराम वगडू दरेकर श्री नममदेव सखाराम दरेकर श्री देवचन्द सखाराम दरेकर वजन सखाराम दरेकर श्री ज्ञानोबा सखाराम दरेकर ग्यानोबा सखाराम दरेकर भैस नामदेव दरेकर कालूराम बबन दरेकर । सणसवाडी जिला-पूना ।

(भन्तरक)

(2) इस्पाँत प्रोफाइर्ल्स (इण्डिया) लि॰ जटर्जी इन्टरनेशनल सेंटर, 9कां माला, 33, जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता 700071।

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धित के वर्चन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्प व्यक्ति द्वारा अभोइद्दरः भूरी के पात विविद्य में किए या सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हुम्मा भी उस अध्याय में दिया

मन्स्कर

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 जी 226/86-87 जो 15 जून, 1986 को सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीक: 18-11-1986

प्रकृत मार्च , टी , एन , एच , ----------

धातकार विभिन्तिमा, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विभीन सुपना

THE PARTY

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (पिरीक्रक)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना-1, दिनांक 18 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० 37/जी/86-87/225—यतः मुझे श्रंजनी कुमार शायकर विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) (विषे इंडवें इंडवें इंडवें एक्जात 'उक्त विभिन्नम्' कहा बचा ही, की वाच 269-४ के अभीन स्क्रम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका स्वीवत वाचार मृख्य

1,00.000/- रु. मे अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1003, व्हिलेज सणसावाडी,
तह० झिरुट, जिला पूना है, तथा जो पूना में स्थित हैं (भीर
इससे उपावद्ध मनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधाकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रटर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक
15 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम सरयमान भीतफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्धरण में शुद्ध जिल्हीं नाम की नामकः, कन्ध अधिनियम को सभीन कार को के नामरक के व्यक्तियम में कनी कारने का क्यने स्वाम के जुनिया के निस्दा नीर/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिकित व्यक्तियों, नर्भात्:—

- 1. (1) श्री सीताराम लक्ष्मण वरेकर,
 - (2) श्री महादू सीताराम दरेकर,
 - (3) श्री निवहत्ति सीताराम दरेकर
 - (4) श्री खुशज्ञाल सीताराम दरेकर
 - (5) हरिभाऊ सीताराम दरेकर
 - (6) श्री गुलाब महाधूदरेकर
 - (7) श्री पांडुरंग महादू, दरेकर
 - (8) श्री भक्तीवण महावूदरेकर । विलेज सणसवाङी, जिला पूना।

(श्रन्तरक)

इस्पात प्रोफाइल्सि (इंडिया) लिमिटेड,
 चटर्जी इंटरनेशनल सेंटर, 9 बौँ माला 33 ए,
 जवाहरलाल नेहरू रोड, कलकत्ता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं ।

उक्त सम्मत्ति के वर्षत के सम्बन्ध में काई भी वाभेष :---

- (क) इस स्वा के राध्यक में प्रकासन की ठारीस में 45 दिन की सर्वीध या तत्स्वीधी स्वित्त्वों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी स्वीध नाद में समाप्त होती हो, के धीतर प्रवेचस स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए वा स्केंगे।

नव्यक्तिमाः—इवर्णे प्रयुक्त वृष्ये और वर्षे का, को अवस् व्यक्तिमान के अध्यक्त 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्यक्त में विदा भवा है।

मन्यूची

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37/जी/86-87 जो 15 जून, 1986 को सब रजिस्ट्रार जिला पूना के दफ्तर में लिखा गया है)।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 18-11-86

प्रकप आई . दी . एम् . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारः 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . ध्रर्जन रेंजर पूना

पूना, दिनांक 16 भ्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 37 जी/232/85-86—-श्रतः मुझ, श्रंजनी कुमार

इसके परवात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० सी० टी० एस० नं० 75, वार्ड नं० एच लोणावाला ता० मावल, जिलापना । ग्रीर जिसकी सं० 232 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्राप में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 7 जुलाई, 1986

का प्रामित मंपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में अधिक है और अन्तरिक अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण म हुः किसी आप भी बाबत, उनस अधिनियम को अधीन कर दन क अन्तरन क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरता दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्थिता औ विवए:

बतः बक्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क वसीय नियनतिस्ति कित्रकों. क्रमीतः — 5—396GI/86 (1) दि मोसाइटी श्राफ मालेड हार्ट सोफिया कालेज लेन, भूलाभाई देसाई रोड, मुम्बई-23 ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० महिन्द्रा श्रौर महिन्द्रा वर्क्स यृतियन, 2. पंचवटी एस० बी० रोड, कांदिवली मुम्बई। (श्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्सं मी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 विन की अत्रीध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इत मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख डें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नम्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख 37 जी/232/86-87 जो 7-7-1986 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ं श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी हिायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-10-1986 -

प्र**क्ष्य बाइ. टी. ए**न. इस.

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 प्रक्तूबर 1986

निदेश सं० 37 जी०/1478/86~87—-श्रतः मुझे, ग्रंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० डी-19-बी जो ट्रान्म थाने कीफ, एम० ग्राई० डी० सी० एरिया, श्रोसरी गांव, ता० जिला थाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणतहै), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज श्रीयकर श्रीय-नियम, 1961 की धारा 269 कखा के श्रधीन तारीख 26 जून, 1986

को पूर्वे क्षिप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जायं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा क निए, बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिध के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० महाराष्ट्रा इण्डस्ट्रियल कारपोरेणन ग्रोरिएण्ट हाऊस, मंगलू स्ट्रीट, बल्लाडे इस्टेट, बम्बई-38 ।

(अन्तरक)

(2) श्राई० ए० ई० सी० इण्डिया लिमिटेड. 196 एल० बी० एस० मार्ग भवंडूप, बम्बई-78 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं प्टॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम० 37 ईई/1478/86-87 जो 26 जून 1986 को सहायक ग्रायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

भ्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैंन रेंज, पूना

तारीख : 23--10--1986

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत तरकार

कार्याचम, प्रशासक मामचार मानुनय (निरीकाप)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनां रू 29 भन्तूबर 1986

निदेश सं० 37 ईई०/2067/86-87----- प्रतः मुझे भंजनी कुमार

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परवाल 'उन्त विभिनियम' बहा नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का बारन हैं कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० गाला तं० 13 15 17 हरिया इण्डस्ट्रियल इस्टेट मजीवाड़ा, थाना में स्थित है (भौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में श्रायकर श्रीविनयम, 1961 की धारा 269 एबी० के श्रीधीन तारीख 11 जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के शब्ह प्रतिकृत से निभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के निए देव पाया गया प्रतिफल, निम्निनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निच्य में अस्तिक अप सं कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) वंदरण वे हुई कियी बाव की वाबस्, वयस वीधीं प्रयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में केनी करने मा उससे वचने में सुविधा के सिए; सीए/वा
- (व) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रयों को जिन्हीं भारतीय वायकड़ विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के जिए;

कतः कव, उक्त विधिनियम की भाषा 269-व के वेनुवरण् तो, ती, उक्त विधिनियम की भाषा 269-व की उपभारा (1) क वधीन : विकासिकत व्यक्तियों, वर्षात् ४—

* (*)

(1) मै० धीरज बेश्चर हाउसिंग कारपोरेणन, 98, व्यापार भवन, डी० मेलो रोड, बम्बई-9 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं जुड्स ट्राँसपोर्ट लेखर बोर्ड, ग्रेटर बम्बई के लिए स्टील भवन, पहला मजला, देवजी रतनजी मार्ग, दाना बन्दर, बम्बई – 9।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहरेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 बिन की जनाँच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की जबिंध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्विस्तयों में से किसी व्यक्ति इंगरा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी कस्य व्यक्ति इंगरा वभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकने।

स्पाधीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदाँ का, को उच्छ विधिनियम के जध्याय 20-क में परिशाधित हाँ, बहु कर्ष होंगा जो उस बध्याय में दिया गया हाँ।

वनुष्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम- 37 ईई०/2067/86-87 जो जो 11 जुलाई, 1986 को सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-10-1986

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 ग्रम्तूबर 1986

निदेश मं० 37 ईई०/240/86-87—-श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० A/214, थाना इन्डस्ट्रीयल एरिया, जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालप, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेंज में श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 एबी के श्रिधीन, तारीख 5 जुन 1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ये, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससं बचने मों सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मै० टालन्टो फार्माक्कुटिक्ल्स बेसमेंट सी, विनोद ग्रपार्टमेंट्स फोर्जेट स्ट्रीट, एक्सलेन कवलियाटाँक, बम्बई-36 ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अंकूर फार्माक्युटिक्लस प्रा० लि० सौजन्य 3rd एन एस रोड जूंहू स्क्रीम किले पार्ले (वेस्ट) बम्बई 56 (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त धब्दों और पदो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकत क-37ईई/240/86-87 जो 5 जून 1986 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज-पूना के दफतर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 29-10-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एनं. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां 1 29 ग्रक्टूबर 1986

निर्देश मं० 37ईई/1065/86-87--भ्रतः मुझे,

अंजनी कुमार

गायकर धांभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणं है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 101 और 116 प्लाट नं० 74, सेक्टर नं० 17, डी० बी० सी० दसई नई वम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ता के ग्रधिकारी कार्यालय महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 एकी के श्रधीन पूर्व नारीख 16 जून 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिषात मे अधिक है और (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं निकया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स गंगाबिहार इन्टरप्राईजम जयाजी टेरास, 7 नौसिर भारूचा मार्ग बम्बई-7। (ग्रन्तरक)
- (2) इमर हाटलंस एण्ड इन्वेस्टमेंट
 286/12 समीर श्रपार्टमेंट सायन (ई)
 बम्बई-22 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

जैसा की रिजस्ट्रीकृत कः -37ईई/1065/86-87 जो 16 जून 1986 को सहायक म्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण म्रजन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रैंज, पूना

तारीख: 29-10-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 ग्रम्तूबर 1986

निर्देश सं० $37 \xi \xi / 41 / 86 - 87 -- प्रतः मुझे, अंजनी कुमार ।$

बायकर अधिनियम, 1361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 19 (पार्ट), 181बी/2, मेटगुटाड गांव, महाबलेग्वर है तथा महाबलेग्वर में स्थित है (और इसमे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर श्रिप्तायकर श्रीप्तायकर श्रीप्तायकर श्

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त किथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए

भक्तः जब, उक्त जीधीनयमं की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्वित्यमें, जबाद :--- (1) श्री केश्व बालकृष्ण तडफुले सर्वे नं० 19 (पार्ट), 181बी/2 मेटगुटेड गांव में महाबकेश्वर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० एस० माखिजा और श्रन्थ 471, मंगल दीप, 18 रोड, खार बम्बई-52 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**गाइ**यां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्रेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुत अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क॰ 37ईई/4/86-87--म्रतः जो 10 जुलाई 1986 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

विनांक: 29-10-1986

मोह्नर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० 37ईई/74/86–87—-श्रतः मुझे, अंजनी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 475ए/2 और ए/3 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाश्वद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायक (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज/ श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 ए बी के ग्रिधीन तारीख 27-6-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल वाम्नविक रूप से कथित नहीं निकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) वृशाली को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मार्फत एम० के० चहाण, नेहरू चौक नासिक

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स जयदेव प्रापर्टी डेब्ह्लपर्स 6 युनिया निवास, लाल बहादुर भास्त्री रोष्ठ मानेकलाल इस्टेट, धाट कोपर बम्बई-6। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तिस में किए जा मेकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रिजिष्ट्री कृत क० 37ईई/74/86-87 जो 27 जून 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूनाके दफतर में लिखा श्रया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-10-1986

प्रस्थ शाहाँ, टी. ध्न. एसः.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 ग्रक्तूबर 1986

्निर्देश सं० 37ईई/545/86-87--श्चतः मझे, श्रजनी कुमार

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पक्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का हारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मर्वे नं० 601/1ए/1ए और 601/1ए/ 1बी, 601/1ए 24601/1बी विववेवाडी पुणे हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपावव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधाकरी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज सब रजि० में भायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० के भ्रधीन नारीख 17 जुन 1986

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

शत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) श्री इन्नाहिम खान, ग्रहमद खान, मिसिज के० ग्राय० खान इस्लाहिम खान (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश राम ठक्कर 2418 इस्ट स्ट्रीट पुणे कैंप पूणे। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्यष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों को, जा उक्त ऑधनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हों।

भनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत सं 37ईई/54.5/86-87 जो 17-6-1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अं जनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-10-1986

प्रकृप बाह्र हो. १व. एस. मन्त्रकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामरेलय । सहायक आमकार आमुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन, रेंज-1 पूना

पूना, दिनां । 13 श्रक्तूबर 2986

निर्देश सं० 37ईई/9375/85-86—-श्रत: मुझे श्रंजनी कुमार

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिचे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के सभीन सभाव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सि० टि० एस 2470 से 2498, 2499 से 2500 मौजे दो पोड़ी प्रार्जन रेंज है तथा जो पूना में स्थित है (और इसरे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) पिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधजारी के कार्यालय सहाय ह ग्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रारीं ग्रायकर ग्रिधनियम 1961 की धार 269, ए, बी के ग्रधीन तारीख 14 भ्रप्रैल 1986

हो प्रांचत संपत्ति के अधित नाजार मृत्य स कम के क्यामार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि अथाप्यंक्त सम्पत्ति का उधित नाजार मृत्य उसके अध्यान प्रतिफल का प्रांच अध्यान प्रतिफल का प्रांच क्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एके बन्तरक के निए गम पाया गरा प्रतिफल , विश्वामिक उद्यास से उक्त बन्तरिण चिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुन् किरी साथ की पावत.. राजत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायास्य या कमी करने या असमें क्याने मां सृधिशा के लिए; और/या
- (क) हांसी फिक्की बाब था किन्ती बन या काल आरिन्हण का, बिन्हों भारतीय आय कर किनांनयभा, १७४१ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्दे ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुनिधा के सिए;

ब्बः बंब, बंबत बीधिनियम की धारा 269-वं की अनुवारण में, में, उसत बीधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के बर्धाल निम्मतिधिकत व्यक्तिकों अधित १—— 6—396GI/86 (1) पोपटलाल बन्सीलाल ारकारिया एस० 374 श्रादिनाथ सोसायटी पूना सतारा रोड पूना-377

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सी० वी० एसोसिएटस चेंबर्स दशक्त जेमखाबा पूना-4

(अन्तरिती)

को सह स्थाना जारी करके प्योंक्त संपत्ति के वर्षन के निध कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़' ही शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील इं 4.5 दिन की अविधिया नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी स्थित द्वारा.
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर समादित में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति. द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुमी

जैसा की रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/9375/85-86 र्र्यूजो माह 14 अप्रैल 1986 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैंन रेंज, पून

तारीख: 13-10-1986

प्रकार बाही, दौ, एन, एस, -----

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के मधीन स्पना

माइत बहुकाड

कार्याशय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज पूना

पूना तारीख 23 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० 37ईई/1209/86~87—श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- क में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 58 सिटी० सर्वे नं० 78 कोरीं व पार्क जिला पुणे हैं तथा जो पूना में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री कि श्रिष्ठ हों के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर श्रीष्ठ कि श्रीर ख, के श्रिष्ठीन तारीख 20 जून 1986 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान श्रीतफल से एसे ख्रममान श्रीतफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिसित उद्देश्य से खक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तर्भ से हुई फिसी बाव की बावत, उक्त वीधीनवंत्र को बंधीन कर दोने के बन्तर्क के दावित्व को कमी करने वा उससे बचने को सुविधा के सिए; बौर/वा
- (च) पंची कियी बाय वा किसी भन या बन्य वास्तियाँ कों, चिन्हों भारतीय बाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोधनार्थ अन्तरिती वृनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला चाहिए था, डिचान वे वृत्तिथा के विषं;

सतः अन्, उनत व्यिनियम का भाष 269-न के अनुसारण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) रूशी नुकेरवंजी कांगा सी० सी.० एस० चेंबर्स मणा मजला दिनशा वछार रोड बम्बई
- (2) दि० खटाव माफन जी स्पिनि 4 विश्वृिंग क० लि० लक्ष्मी बिर्लिखी, 6 शुरजा व लक्ष्मण दास मार्ग बस्बर्ड

(भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके पृथांकत सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

इन्नत क्षम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏖---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यविदायों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यविसायों भी से किसी स्थवित द्वारा;
- (था) इस ृ्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकींगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और धर्मों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 2) क में यथा प्रीर-शावित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में विया गया है।

नन्त्र्ची

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/1209/86-87-जो कि 20-6-86 को सहायक आयकर श्रायुक्त निरिक्षण श्रर्जन रेंज पूणे में दफतर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुनार सक्षम प्राधिकारी सहाय ग्रायर ग्रायुक्त (निरिक्षण) मर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-10-1986

प्रकप बाइ', ठाँ. धन्, एस.....

नायकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) वे वधीन स्थान

नारक सहस्रक

कार्यातयः, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

म्नर्जन रेंज ; पूना पूना, दिनांक 23 अक्तूबर 1986

निदेश सं० 37 ईई०/2364/86-87-- ग्रतः मुझे ग्रंजली कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे किसे पर्णात (उक्त अधिनियम कहा पया है), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग डी कोनार्क पार्क को श्रापरेटिश हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, फासनल फ्लोर प्लाट 206 संगमवाड़ी पूणे में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ली श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन तारीख 29 श्रगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान वस्तरित प्रतिभल के सिए की ſ, वरि विश्वास करन कारण कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक **ह और बन्तरक (अ**न्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदयंदय से उदल जन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कडीवत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था हिल्लाने भें स्विधा के किए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महेन्द्र सी० करिया ग्रौर ग्रन्य, कोणार्क को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 16,, ग्राकलूर विल्डिंग सरपीं० एफ० रोड, मुंबई ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री सोराबजी जोर्म्सर्जी कमिसरियेट, 3, कश्मीरीएल रोड, मुंबई।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वता कारी कारके प्रांकित संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उपत संपीतन के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सवान की टामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी सब्धि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त काविकार्य में किसी स्विक्त द्वारा:
- (क) इस स्वंभ के शायपत्र में प्रकाशन की तारीत ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति वृतारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का बकोंने।

लाकीकरणः - इसमे प्रयुक्त शन्यों जौर पदौं का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हाँ, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा शजा हाँ।

श्रमुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत सं० 37 ईई०/2364/86-76 जो 29-8-1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज , पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

म्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज ,पूना

तारीख: 23-10-1986

प्रकथ आहरै.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक काणकर जाभक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज. पूना पूना, दिनांः 23 श्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० 37ईई/2365/86-87—श्रतः भुझे अंजनी कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूस्य 1.00,000/- का से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 206, संीमवाडी जुमा सर्वे नं० 1/124 नाम 1223 ौली जिला पूणे हैं तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध ग्रनुभूनी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायकर श्रीयकर श्रिवियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रीधन 26 श्रगस्त 1986

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितका के शिष्ट् अन्तरिष्ठ की नहीं है और मुक्के वह दिश्यास करने का कारण है कि स्थापनोंका कम्पति का स्थित बाधार गृभ्य. उत्ताज क्ष्ममान प्रतिकास से इसे स्थमना प्रतिकास के दृश्य प्रतिकार से बाधिक है और संवरक (बंधरकों) बीर बंदिरही (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तिबक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क्र) अन्तरण से हुई िकनी बाय की पावत, अकत अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरण के शामित्य में कभी करने बा जनसे बचने में स्विधा अपर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन वा कल्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना बाहिए पर, स्विधार में सुनिधा के किया

अतः प्रवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें मैं, धक्त अधिनियम की धरा 260-ग की उपभारा (1) के अभीम, निकासिसित व्यक्तियों, वर्षातु :--- (1) महेन्द्र मी० करिया श्रौर 3 इतर 16 श्रानल् πr बिलिंडग सर पी०एफ० रोड, मुवंई

(म्रन्तरक) ⋅

(2) प्राभजी होरमसी कमिणरेट 3 कामरसियल रोड मुबंई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त जाकिताों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परविकरणः — इसमें प्रयुक्त कार्यों और पढ़ों का, जो उक्त आयक्षर अर्थि न्यम के अध्याय (१०) का मी परिभाषिक हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्राप्त हैं.

म्भूमधी

जमा कि रिजस्द्री हत सं० 37 ईई/2368/86-87 जो 29-8-86 को सहायक श्रायकर श्रायकत (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफनर में लिखाया है।

श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) स्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 23-10-1986

भारतकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन स्वामा

ताइस संदर्भाव

भायलियः, सहायक आयक्तर आयक्क्ष (निरीक्षण)
श्रर्जेन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1986
निर्देश सं० 37ईई/०24/86~87—श्रतः मुझे,
श्रंजनी कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके प्रकार 'उक्त निधिनयम' कहा गया है, की भारा 569-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मृन्य 1,00,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 352, प्लॉट ं० 26, णिला विहार कालोनी, संरडवगी पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) श्रीर रिजस्ट्री⊹र्ती श्रिधिकारी के ार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरिक्षण) अर्जन रें श्राय र श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन तारीख 2 नवम्बर 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि मंभापविज्ञ सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अभाके दृष्ट्यमान प्रतिपत्त का एति वृष्ट्यमान प्रतिपत्त का प्रदेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रति- क जिम्मिनिवित उद्देश्य से उच्त बंतरण कि कि कि भे विद्या विश्वास के क्षा मारिक कि कि विद्या विश्वास की कि

- (क) जन्तरण में हुई जिसी जाय की वाबत, उक्त विचित्रक के वृथीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे बचने में भूतिभा के दिए; सरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दे अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में कविधा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सीताबाई गोबिन्दराम नागारानी 354 सिंघ हाउसिंग सोसायटी श्रींध श्रन्तरक
- (2) मुभाष बिरदीचंद नघलाखा, 1118/13 शिवाजी नगर पूणे-16

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जैसा की रिजस्ट्रीकृत कमाक 37ईई/4024/86-87 जो 2-11-86 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, पूर्ण के दफतर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन **रेंज,** पूना

तारीख॰ 24-10-1986

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 ग्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० $37 \hat{\xi} \hat{\xi}/1084/86 - 87 - ग्रतः मुझे, ग्रंजनी कुमार,$

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मुख्य 1,09,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी सं लिटी सर्वे नं 39 प्लाट नं 36 सब और 19 एरडवी पूणे 4 है तथा जो पूना में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख, के श्रधीन तारीख 7 जुलाई 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार कृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से क्रुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री बसत श्रीपाद शर्मा39/19 एरडवाणी पुणे

(ग्रन्तरक)

(2) विनायक महादेव साठे श्रौर अन्य 678 शुक्रवार पेठ पूणे

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी बाक्षेप**:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया चया है।

अनुसूची

जैसा की रिजिस्ट्रीकर्ता क्रमांक 37ईई/1084/86-87 जो 7-7-1986 को सहायक क्रायकर ब्रायुक्त निरिक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजन रैंज, पूना

दिनांक: 23-10-86

प्रस्य नाहाँ. टी. एन. एस. -----

बाब्कड किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुक्रमा

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज पूना पूना, तारीख 23 श्रम्तूबर 1986 निर्देश सं० 37ईई/1090/86-86--भ्रतः मुझे भ्रंजनी कुमार

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६९-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य कि. 1,00,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं 37, मुलोचना सोसायटी, संीमवाडी छोरपडी पुणे है तथा जो पूना से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरिक्षण) अर्जन रेंज/श्रायकर श्रिधिनयम. 1961 की धारा 269 क ख, के श्रिधीन तारीख 7 जुलाई. 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रूपमान श्रीक्षण के निए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृथेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिकत्त से एसे दृष्यमान प्रतिकत्त का जारण है कि यथापृथेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिकत्त से एसे दृष्यमान प्रतिकत्त का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया पृतिकत निम्नीसित उच्चत्वेष से उच्च बंतरण कि बित में बास्तिक रूप से क्रीवत नहीं किया नवा है:—

- (क) कन्तारण से हुइ किसी काय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। वाँदु∕मां
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयस, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनयस, या धनकर निधिनयस, या धनकर निधिनयस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ नन्तिरती ह्वाच प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाम चाहिए था, कियाने में सुविधा ने सिए;

कराह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरक में, में, उक्त किभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के सभीत, निम्नसिक्ति व्यक्तियों ु सर्थात् स—

- (1) श्री विष्वनाथ रामभन्द कुलकर्णी. 37, सुलोचना सोसायटी, कोरेगांव पार्क पुणे
- (2) श्री सरोज होरमुखर्जी बाटलीवाला 52 सी ब्रीज श्रपार्टमेंट बुलुन रोड, बम्बई (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्रति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निष्कित में किए जा सकों वे।

स्थव्योकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबसे जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं बर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है :--

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्रमां 37ईई/1090/86-87-जो 7-7-86 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> ग्रंजनी कूमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 23-10-1986

प्रकम बाहु, टी. एन. एस.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

೨೯ ರ್.ಆರ್.ಆರ್.ಆರ್. ಆರ್.ಆರ್.ಕರ್.ನ್ನು ಸಾಕ್ಷಚಿತ್ರಗಳು ಪ್ರಾರಂಗಿಕೆ ಆ ಚಿತ್ರಗಳು

भारत भरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्क)

श्चर्जन रेंज, पूना-1 पूना-1 दिनांक 20 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० 37ईई/921/86-87--श्चतः मुझे श्रंजनी कुमार

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िक्सं इसमें इसके परकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गयर हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 15, विंग एक मजला कल्पकम प्लाजा 224भवानी पथ पूणे पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज/सब रिजस्ट्रार में श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन तारीख 20 अक्तूबर 1986

का प्नांथल संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से विध्व है और वन्तरक (बन्तरको) और वन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्दर्स के लिए एव पावा पया प्रतिकान, निम्नितियों चे क्तर्स से उसत बन्दर्स किया मा हैं:---

- (क) बन्तरूज वे हुए किसी भाग की वावता, उन्त श्रीणितवस के अधीज कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी कर्ल या उससे अधने में सुविधा के लिए; ब्रोडिं/सा
- (थ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा अन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान म मूनिया अ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) में सर्ज कलपनर वन्स्ट्रकशन कम्पनी (पूना)
 111 में कर चेम्बर 4, नलिन पाईट बम्बई
 (ग्रन्तरक)
- (2) शरव एम० मुनोन (2) एम० पी० मनोट
- (3) मुनोन फैंमिली ट्रस्ट-1ला माला, कलपनर चेंबर्स 98 रन मास्टर रोड फोर्ट बम्बई (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शूरू करता हूं।

जयत सम्पत्ति को अर्जन के सम्यन्ध में को**ई भी बाक्ष्य**ः---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पक सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, के भी अविधि सुविक्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया है के किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

:----हममा प्रयुक्त श्रद्धा अंग पदा का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हो, यही जर्थ हाजा का उम नायाय मा लिया नवा है

अनुस्ची

जैसा की राजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/921/86-87 जो माह 20 श्रवतूबर 1986 को माना सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> ग्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-10-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना−1

पूना, दिनांक 19 सिसम्बर 1986 निर्देण सं० 37ईई/2270/86-87—ग्रतः मुझे, ग्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 103 ए हिस्सा नं० 7/2 कांबुडी शिवाजी नगर (पूना) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्राय ± 7 श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज/सबर्पजिस्ट्रार में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफस के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित कावार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से सिथक है और अंतरक (वंतरका) और अंत-रिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तय पाया गया वितिफस विम्नसिवित उद्योग से उस्त बंतरण विवित्त में शासाविक रूप से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) बन्तरण में हुई किन्ती बाय की वायत, उपन अधिनियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी असर ना किसी धन ना सम्ब बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी अबोचनार्थ जन्तरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया बाना चाहिए था, छिपाने में कृतिधा समिका भी सिए;

- (1) श्रीमती संप्ला मी० जयिंश्वानी श्रौरदूसरे श्याम निवास, बाई नं०रोड बम्बई—26 (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स मौसम फायनेत्स, एन्ड इन्बेस्टमेंट (पी) लिमिटेड 1319 सप्ताहिक पूर्ण, पूना-30 (श्रन्तबिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक्त करता हुः।

व नव कम्परित के नवीर के सुबंध में काई भी बाबीप द---

- (क) इस स्थान की राजपन में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचित व्यक्तियों में में किएसी व्यक्तित द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितजहंप किसी कन्य क्यिक्त ह्यारा अभोहरताक्षरों के पास निविद्य में किए जा सकत्ये।

स्यब्दिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उपव विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में विशा भया है।

अनुसूची

जैमा की रजिस्ट्रीकृत मं० 37ईई/2270/86~87 जो माह श्रगस्त 1986 को माननिय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजैन रैंज, पूना

तारीख: 19~9~1987

प्रक्य आई .टी. एन. एस. ------बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायंकर वाय्क्त (विरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 9 सिसम्बर 1986

श्रंजनी कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधी- प्रक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- . से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-1, पहला माला हरेमेन्स ग्रेन्स हाउस नं० 1974 गफार बेग स्ट्रीट पूना-1, है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)श्रौर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1986

को पर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नित स्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक हम से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण ए॰ हैं, अवत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निकालियित कावितरों, अर्थात :--- (1) मेसर्स रमेश बिल्डर्स 618, साचापिर स्ट्रीट पूना

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० जेम्स 14, खान रोड पूना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षां , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

मिष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/9987/85-86 जो माह मई 1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 9-9-1986

गरूप नार्व . टो. रव . एव . .----

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

शहर सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना-1 पूना-1 दिनांक 6 श्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० 37ईई/9109/85-86--श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार

नायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्पात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फलैट नं० ए/22, श्राशियाना पेलेस 21/4/1—शी बंद गार्डन रोड, पूणे है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज /संब रिजस्ट्रीर में श्रायकर श्रायकर श्रीवियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का जानित बाजार अन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पामा निमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण किवित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया ग्या है के

- (क) बंदरण हे हुई किसी जाय की बावह अस्त बंदरक के बंदरक के शायत में कभी करने या उससे बंदने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एखी किसी अम वा किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ह्यारां प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

वतः राज , दश्त नीयनियम की भारा 269-ग के जनसरण के, में, दश्त नीयनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) द अभीर निम्मितिक्त स्थानितर्गं स्थित् ह— (1) ग्राशियाना बिल्डर्स डेन्हलपर्स 21/4/1/बी ग्राशियाना पैलेस बुद्ध ग्रार्डन रोड पूणे।

(अन्तरक)

(2) दिलीप कियानानी फैमिली ट्रस्ट 1ए, रेणुका श्रपार्टमेंट 6ए साधु वासवानी रोड पुणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस चूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में दिये सा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के जिल्हा एका है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/9109/85-86 जो 7-4-86 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) भ्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 6-10-1986

प्रकप् वार्च ्टी . एन . प्रस , -----

नामकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सृष्णा नारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 16 ग्रक्तूबर 1986 निर्देश स० 37ईई/3046/86-87—श्रत मुझे अंजनी

कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी मं० ग्राफिस न० 301, 302, 303, 304, नायलेट अन्तर 1324, शियाजी नगर पुणे। है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्प (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रायकर ग

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान बितिकल के लिए बन्तिरत की गई है और कृते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिका (अंतरिका) की अंतरिका (अंतरिका) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांतफल, निम्नलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तियक स्प से किया गया है है—

- (म्ड) अन्तरण स हुई किसी आय की बायर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; बीर/या
- (५) एसी किसी बाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्ति ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाम असिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

कत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) क अधीन, निभातिसित व्यक्तियों, व्यक्ति क्ष्णान (1) गणराज्य एसोसिएटस देवी भवन, पैलेस मिरज

(भ्रन्तर्∗)

(2) रापप्ल लीजिंग एण्ड काम्पयूटर लि० 38/39 राजगीर चेंबर्स फोर्ट मूबई (ग्रन्निसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की सारीकः ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इक सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य स्पत्तित द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसुभी

जैसा की रजिस्ट्रीकृत %० 37ईई/3046/86-87 जो 20-9-1986 को सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-10-1986

प्रकथ बार्ड . सी . एव . एव . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारव बड्बार

कार्यासन, सहायक नायकर आयुक्त (निरासक)

ग्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1986

निर्वेश सं० 37ईई/469/86-87:— प्रत मुझे, ग्रंजनी कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सि० स० नं० 1198/1/2 फायनल काट 551/52 भापुडी शिवाजीनगर है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज में, आयकर अधिजिनयम 1961 की धारा 269 क ख तारीख के ग्रधीन 15 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित भाजार मृत्य सं कम के अपमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने अरने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उभित वाजार भूत्य, उपके क्ष्यमान प्रतिकल सं, एसि अयमान प्रतिकल का भन्नह प्रतिकत्त सं सभिक है और संतर्क (अंतरका), बार अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्क के लिए तब पाना मना प्रतिक का निम्निसित उद्देश्य से उभत अंतर्क सिथित में भारतिक स्य से अध्यत महाँ किया भना है देनन

- (क) वस्तरण संहूर किसी बाव की वायत, अक्त सणितियस जी सभीत कर धेने के सम्बर्क नी दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, विक् मारकीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

गतः जन, उपत अधिनियम की धारा 269-भ के जन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों, अर्थात उच्चल श्री नटवरलाल हरगोबिन्द राम शाहा श्रनुग्रह विलसन स्ट्रीट, मंगल मिलन सी० पी० टैंक, मुम्बई-4।

(भ्रन्सरक)

 मैं० मधुराम एन्टर प्राइसेस
 1184 गोरखलेनगर फरम्मुमन कालेज रोड पूर्णे-5।

'श्रन्तरक)

की सह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन में लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्महित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्क हरून

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविष ना तत्त्वस्वस्थी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामीज़ से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) **१६ स्थान के राज्यक में शकावन की शारीच सं**45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दें स्थाय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विशासका है।

अन्स्ची

जैमा कि रिजस्ट्रीकृत मु० 37 \$\$/469/86-87 15-6-1986 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजैन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 15-10-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रक)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 15 अवतूबर, 1986

सं० 37ईई/466/86-87:— यत मुझे, श्रंजनी कुमार, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात जनत अधिनियम प्रहा बया हैं), की बारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उनित वाबाद मुक्य, 1.00,000/- उन्में अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या सि० स० नं० 1192/1/2 फायनल प्लाट 551/552 भांबुड़ी शिवाजीनगर पुणे है स्रौर तथा पूना में स्थित है स्रौर इससे ज्यांबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज में, स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी के स्रधीन, तारीख 25 जुन, 1986।

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यक्षान प्रतिफल को लिए बंदरित को वहाँ हैं जार बुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिक का सं, एसे स्थयमान प्रतिक का बन्दर प्रतिक का विश्वक हैं जीर बन्तरक (बन्तरकों) जीउ बंदरिती (बंदरितियाँ) के बीच एसे बंदरण के निय तय पाया बुबा प्रतिक ही निम्नलिक इन्दर्भ वंदरण करारण निज्ञित भें वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्दरभ से हुई किसी लाए की बाबूत, सबस स्वितियम के बजीव कर दने के अन्तरण के खबिरन में कनी करणे या उससे बचने में स्विधा क्ष हैंदिए। ब्रेक्ट/का
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य धास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ बन्दरिती इवारा बक्ट वहीं किया पता पा या किया चाना चार्ष्ट्र था, कियान की स्विधा के लिए;

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री मोहन लाल हरगोबिन्द दास शाह, श्रनुग्रह विल्सन स्ट्रीट मंगल भवन सी० पी० टैंक, मुम्बई-4।

(अन्तरक)

श्री मधु राम एन्टरप्राइसेस,
 1182, गोखले नगर फरामुसन कालेज रोड,
 पुणे-5।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 हिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सर्कों है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा है।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क 27ईई/466/86-87 जो 15-6-1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 15-10-1986

प्ररूप आर्च. ही. एन. एस. -----

कासकर क्रिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1986

निर्देण सं० $37 = \frac{1}{2} \frac{1}{467} \frac{1}{86-87} = \frac{1}{128}$ जारकर अधिनियम, 1961 = (1961 = 1961) का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'लक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा $269 = \frac{1}{128}$ के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- र में अधिक है

और जिसकी संख्या सि० सर्वे नं० 1194/1क/2 फायनल प्लाँट 551/552 शिवाजी नगर पृणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए वी के अधीन, तारीख 15 जून, 1986 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जैनित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल को पंदत प्राप्ति का उचित बाजार मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल के पंदत प्रतिफल से अभिद है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरित का जिल्ला से अभिद है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरित अन्तरित का जिल्ला से अभिद है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरित अन्तरित का जिल्ला से अभिद है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरित अन्तरित का जिल्ला से अभिद स्था प्राप्ति अन्तरक के प्रतिक स्था निर्मा स्था प्रतिक स्था निर्मा स्था प्रतिक स्था निर्मा स्था स्था है के स्था निर्मा स्था स्था स्था स्था स्था स्था से स्था निर्मा स्था स्था स्था है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधः के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ था या किना जाना आहिए था, लिपान मी स्विधा के सिए;

अनः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री चन्द्र वदन ब्रिज लाल गांधी 2/3 रविवार पेठ, पुणे-2।

(ग्रन्तरक)

श्री मधु राम एन्टरप्राइमेम
 1184 गोखले नगर फरग्युमन कालेज रोड,
 पुणे-5।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्पत सम्पन्ति के अर्जन के संबंध मी कोई भी आक्षेप 🗫 🗕

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स ने 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्मित्त में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि वे आ सकीं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथ्लंभ शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अभ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या

अनुसूची

जैमा कि रिजस्ट्रीकृत सं० 37ईई/67/86-87 जो 15 जून, 1986 को महायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूनान के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षमक प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 15-10-1986

प्रकृष कार्याः, क्ष्यैः, एवः, एवः ..

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 धर 43) की धररा 269-व (1) के बचीव स्थान

MINE SERVICE

व्यक्तिक प्रकृतक भावकर नामुक्त (निर्माणक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 15 अक्तूबर 1986

सं० 37ईई | 468 | 86 - 87 - अतः मुझे, श्रंजनी कुमार, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (196; का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.00.000 / रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 1194/1/2 फायनल श्रीर 551 श्रीर 552 /142 भाम्बुर्ज शिवाजी नगर पृणे है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक अयकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, में, श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी की तारीख 15 जून, 1986। को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रित्यस से सिंग वश्वीरत की गई है और गुंधे वह विश्वास करने का कारण है कि वश्यपूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य से अवस्त का प्रतिक्रत का पंद्रह प्रतिकाद से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रिक्त संस्थाविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) जन्तरक ते सुद्ध किसी नाम की बाबत, उनत बीवनियन के अभीत कर दोने के अस्तरफ के खीवरच ने कभी कड़ने वा उद्यव वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हीं भारतीय नायकर अधिनियम 1922 (1972 का 11) का अन्य अधिनियम 1922 वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के विकः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती णंकुबाई चिमण लाल णाह श्री सुन्दर लाल चिमण लाल शाह श्रनुग्रह विलयन पथ, मंगल भवन सी० पी० टैंक, मुम्बई ।

(म्रन्तरक)

 श्री मधुराम इन्टरप्राइसेस
 1184 गोखलेनगर, फरम्युसन कालेज रोड, पुणे-5।

(भ्रन्तरिती)

का बहु शृजना चारी करके वृजीवत संपत्ति के वर्जन के जिल्ह कार्यनाहियां करता हुं।

क्रमा क्रमाति में वर्षण के क्रमान में कोई भी बार्मप#--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवीध मा तत्सीवधी क्यां किया पर सूचना की ताबील से 30 दिन की नवित्र को भी अव्हेंच नव में समस्त्र होती हो, के बीतर प्रवेशिक कां किया में की किसी कां बिकारा;
- (क) इस स्वान के रावदण में प्रकाशन का शारीय से 45 दिन के मीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितवहर किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, स्थोहस्ताकरी के शब निश्चित में किस वा सकीय।

स्थ्याकिरणः :—इसमे प्रमुक्त शब्दों जौर पर्वो का, का अस्त अधिनियसः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याम में दिया प्रमाह[®]।

वग्स्की

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० $37 \frac{$}{5} \frac{$}{468} \frac{86-87}{468}$ जो 15-6-1986 को सहायक श्रायकर भायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा भवा $\frac{1}{5}$ ।

प्रंजनी कुमार, मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ब्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 15-10-1986

प्रकृषः बार्षः री. एम. युत्तः --------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक कार्यकर वायक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक ६ नवम्बर, 1986

सं० 37ईई/5321/86-87:--- यतः मुझे, अंजनी कुमार, नायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षाजार मृल्य, 1,00,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी संख्या सर्वे नं० 32 बी, हिस्सा नं० 1, सोपारा गांव, ता० बसई, जिला थाना है तथा जो सोपारा में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, में, श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी, के ऋधीन, तारीख 27-9-1986। को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य स काम के क्रयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई हैं। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मुख्य, उसके करममान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का भम्बद्ध प्रतिकत से अभिक हैं और जन्तरक (अन्तरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेंसे अंतरण के लिए नय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्टिप्प के लिए;

स्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्स जैन गृह बिल्डर्स,
 613, मेकर चेम्बर्स- ,
 नरीमन पाईट, बम्बई-21।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स श्रिरहन्द एन्टरप्राइजेस,
 वीना चेम्बर्स, 21 दलाल स्ट्रीट,
 बम्बई-23।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या इत्र करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकर स्वितियों में से किसी अवितित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में 1हत वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो सकत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० $37\$\frac{$}{5}/5321/86-87$ जो 27-9-86 को सहायक श्रायकर श्रायकत निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना को दक्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 6-11-1986

प्रक्रम भार⁸. ती एम. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना,

पूना, दिनांक 7 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० 37ईई/250/86-87- श्रतः मुझे, अंजनी कुमार, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्थे नं 117 बी, प्लाट नं 2, जेंल रोड, नासिक रोड, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबब श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, में, श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा, 269 ए बी, (के श्राधीन) तारीख 3-10-1986।

- (क) सन्तरण र हुइ किसी भागकी अध्यक्त जनक सिंपितयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कसी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों करें, जिन्हें भारतीय नाम-कर निधिनश्म, 1922 (1922 का 11) या अन्त निधिनश्म, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नाथ अन्तिरिधी इकारा अकट नहीं किया गया या या किया बाना साहिए था, क्रियल के स्विधा के लिए;

शतः अव, उक्त अंविनियम की भग्य 269-ए वाँ अनुसर्व कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1, श्री शिवाजी देव जी पटेल एण्ड कम्पनी श्रमृत नगर जेल रोड, नासिक रोड, नासिक।

(भ्रन्तरक)

डा० रे० हास्पीटल,
 पंचरत्न, कुग्रापरेटिव, हार्जिसग सोसायटी,
 जेल रोड नासिक रोड, नासिक।

(घन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र हन---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूक्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत सं० 37 ईई/250/86-87 जो 3-10-86 को सहायक भ्रायकर भ्रायकत निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्र में लिखा गया है।

अजनी कुमार, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना,

तारीख: 7-11--1986

प्रारूप बाई . टी . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेंज 3, नई विरूली

नई दिल्ली, दिनांक अ, नवम्बर 1986

निर्देश स० आई ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/4-86/3130/16---यसतः मुझे, जगवीश मित्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जो फ्लैंट नं० 115, प्रथम . खण्ड प्रवीण ग्रपार्टमेंट सुजान सिंह पार्क (साउथ) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तरीख ग्रींन, 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात् :— (1) यूनिवर्सल बिल्डिक एण्ड कन्ट्रैक्टर्स, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) उषा रणदेव पत्नी बी० एन० रणदेव
 - (2) ग्रदीश रणदेव,
 - (3) राजीव रणदेव सुपुत्र मैं० वी० एन० रणदेव बारा वी० एण्ड के० टापलाइन, 40 थामस स्ट्रीट, मांचेस्टर, एम-4, ग्राई० ई ग्रार०, इंग्लैण्ड।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सन्योत्स को मर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा नवा हैं।

वन्स्यी

प्लैट नं० 115, प्रथम खण्ड प्रवीण श्रपार्टमेंट सुजान सिंह पार्क, (साउथ) नई दिल्ली, क्षेत्रफल 1782 वर्ग फीट।

> जगदीण मित्र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 3, विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक: 3-11-1986

प्रकृष साह[्]ं टॉंग्र एन ह एक _{स्थानन}

आयकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत तरकारु

कार्यास्य, सहायक जायकार नाम्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3, नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/4-86/3131/17-श्रतः मुझे, जगदीश मित्र,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जो फ्लैट नं० 316, ए टाइप थर्ड फ्लोर प्रवीण अपार्टमेंट मुजान सिंह पार्क (साउथ) नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दस्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का कुछ प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है :----

- [क) बंग्रहण संबुद्ध किसी बाय की बाबत, उथत बाबिएयम को बधीन कोड़ दोने को अन्तरक क बाबिएय में कमी करने या उसस कचन मो सुविधा अ लिए; बोर/या
- (ब) एसी किसी बाव या किसी भन या बन्य बास्तिया की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अंगरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, खियाने में स्वैवक के लिए:

क्तंत्र बज्, उक्त विधिनियम की पास 269-गु कं अनुसरण था, थी, तक्त विधिनियम की धारा 269-थ की संपर्धारा (1) व् पथीन, निम्मिनियस व्यक्तियों सर्वाट कल्ल (1) यूनिवर्सल बिल्डिस एण्ड कन्स्ट्रैक्टरस 28. बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्सहरीम सिधाना सुपुत्र भ्रमेमी राम ए-190, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उपस स्म्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस धूचना के राजपण में मकाशन की तारील ते 45 दिश की सन्धि या एत्संबंधी स्थानत्मों पर बूखना की सामील से 30 दिन की नवचि, जो भी सविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानत्मों में से किसी स्थानत् बुवारा;
- (ल) इस सूचना को राजपन्न मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकाँगे।

त्वव्यक्तिरणः - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

वपुर्वा

फ्लैट नं० 316, ए टाईप ग्रान थर्ड फ्लोर, प्रथीण भ्रपार्ट-मेंटस, सुजान सिंह पार्क, (साउथ) नई दिल्ली, एरिया 1483 वर्ग फुट और टैरेस 272 वर्ग फुट।

> जगदीश मिश्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-11-1986

प्रकप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक <mark>मायकंर भागुक्त (निरीक्षण)</mark>

श्चर्णन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 स्वम्बर 1986

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू० 3/37ईई/4-86/3143 18--यत: मुझे, जगदीश मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या तथा जो प्रथम खण्ड हंमालय बिल्डिंग, 15, बाराखम्बा रोड में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-3, नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्री हरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986 का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के धरवमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इत्यमान प्रतिफल ਜ . इसमान प्रतिफल के पन्त्रह मधिक है प्रतिशत से कौर अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित अवृविषय से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिक रूप से कि**थित** नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई कियी बाय की वावता, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अह अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अधित :---- (1) श्री केवल सिंह परमजीत सिंह गुरजीत सिंह, एच-25, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रविनाश चन्दर, प्रकाश चन्दर (फैमिली ट्रस्ट) ए-45, मायापुरी फेज-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

श्वी यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्योर्ड भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमिन में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड हंसालय बिल्डिंग, 15, वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरिया 434 वर्ग फीट।

> जगदीश मिश्र संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -3, दिल्ली 110002

तारीख: 3-11-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3; नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 राष्ट्रकर 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/०/37ईई/4-86/ 3020/ 3134/19:--यत मुझे, जगदीश मिश्र,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिस्की संख्या तथा जो फ्लैंट नं० 1-श्रो, प्रथम खण्ड 16, बाराखम्बा रोड, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजन रेंज—3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रिस्ट्रीकरण श्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इच्चमान प्रतिफल का ग्रंह श्रितशत से अधिक है और अंतरक (ग्रंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री एस० ग्री० सेठ, निवासी 8, धर्म मार्ग, डिप्लोमेटिक एनक्लेब, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
 - (2) स्नार० एम० गुप्ता,

 मिसेस शकुन्तला गुप्ता
 विजय गुप्ता मिसेस रश्मी गुप्ता,
 स्नार० के० गुप्ता मिसेस सुनीता गुप्ता,
 निवासी 2, बाजार लेन,
 बंगाली मार्किट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिल्स में द्वितस्त्रभ किसी जन्य व्यक्ति व्वास अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

फ्लैट नं० 1 —ग्रो, प्रथम खण्ड 16, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, एरिया 370 वर्ग फीट।

> जगदीश मिस्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज -3, दिल्ली, 11000

दिनांक: 3-11-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.----आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(निरीक्षण) कार्यालय सहायक आयकर आयक्त अर्जन रेंग-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/4-86/ 3104/20-- श्रतः मुझे, जगदीण मित्रः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000//- रत. से अधिक है ग्रीर जो ग्ररूणाचल, 19, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाध्वत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोरय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कैलाश नाथ एण्ड एसोसियेट्स, 1006, कनचनजंगा 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

- (2) (1) रीता जग्गी पत्नी राज जग्गी 4, सहगल कालोनी, कोर्ट लेन, दिल्ली-54
 - (2) सिंबा बगई पत्नी ग्रनिल बगई 42, बांग्लो रोड, कमला नगर, दिल्ली-7 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहरताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कार्यालय फ्लैंट क्षेत्र 500 वर्ग फीट नं० 12. दस्त्रां खण्ड, बहुमंजिली, कर्माणयल बिल्डिंग, ग्ररूणाचल निर्माणाधीन, 19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1।

> जगदीश मिल्ल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 3-11-1986

प्रकम बाहै, टी. एत. एस. -----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत बहुकार

कार्थास्य, सहायक सायकर भागृक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1996

निर्देश सं श्राई ० ए० मी ० / एक्यू / 3 / 37ईई / 4 - 86 / 2981 / 21 -- अतः मुझे, जगदीश मिश्र,

बायकर विधिनयम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वावार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या है तथा जो स्पेश नं० 42, अप्पर गाउण्ड विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1986

को पूर्वीक्त तथ्यक्ति के उचित बाबार मृत्य से कब के ददबजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विदेवास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उभित बाबार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रविफल से, ऐसे क्स्यमान प्रतिफल का पंजाह प्रतिकात से बोधक ही भौर अन्तरक (अन्तरकों) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्त-मिबिक उद्देश्य से उक्त अंतरण सिबित में वास्तबिक रूप के कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनस्य वं हुई कि की जाय की बाबत, अक्स विधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के खिबल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से तिए; और∕वा
- (थ) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य बास्सियों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्मिरिती वृंबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिपाने में विकास स्था भी किया अस

क्रतः अव, अवत विभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक र्रं, में उक्त विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० गुजरात एस्टेट प्रा० लि०।
 17, बाराख्रम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(भन्तरक)

 श्रीमती मीनाक्षी वर्मा पत्नी ग्रशोक वर्मा ए-9, ग्रैटर कैलाश भाग-1, नई दिल्ली-110001।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सुपना जारी करके पृत्रोंक्त सन्मत्ति के वर्षन के जिस् कार्यशाहिकों कुक करता हुं।

उक्स क्ष्मित के बर्जन के क्षम्बन्ध में कीई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना श्र राजपंत्र में प्रकाशन की हारीस रं 45 दिन की संविध या तत्मच्यान्धी अविवतमां ना सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, श्री भी संविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकर स्विध्यों के से किसी स्वक्ति दुवारा;
- (ण) इस शुभाग के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध । 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पक्ति में हिस्त्वकुष दिकती अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताकरी के पास निर्माधत में किए जा सकीने।

स्वकारण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, को उनके अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिकाधिक हैं वहीं कर्ष होंगा, को उस अध्यास में दिक्स क्या हैं वि

क्रम

स्पेश नं० 42, श्रम्पर ग्राउण्ड विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली एरिया 649/81 वर्ग फीट।

जगदीभ मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नर्ष दिल्ली

विनांक: 26-9-1986

मोहर ः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-3

नई विल्ली, दिनांक 26 मितम्बर, 1986

सं अप्राई ० ए० सी ० / एक्यू / 3 / 37ईई / 4 - 86 / 3 0 56 / 2 2 ---म्रतः मुझे, जगदीश मिश्रः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00000/-रापये से अधिक ही

श्रीर जिल्हा पत्रैट नं० 709, 21, बाराखम्बा रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसने उपावद **ग्र**नुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली भ्राय हर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क्य, के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1986।

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एंसे छवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) शन्तरण से हुई किसी शाय की वावत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी अप्याया धन या अन्य आस्तियो को, जिन्ह भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भेन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जौ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

बत: अब, **उक्त अधिनियम** की धारा 269-म के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--9-396GI/86

 मिसेय पूनम गुप्ता, सी०~5/27, सफदरजंग डेवलपमेंट, नर्छ दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुदर्गन जोहर पत्नी स्वर्गीय श्राई० जे० एस० जोहर एण्ड रोहिनी सोनी बी-20, वेस्टेंड, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

न्त्रे सह सुनाना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाच में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में में किमी व्यक्ति दवारा:
- (ल) इस स्थना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबध्ध किसी बन्य स्यक्ति बुबारा अधांहस्साक्षरी के पास लिखिन में किए आ सकोंग ।

प्पक्तीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया नवा है।

शमसूची

फ्लैट नं० 709, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । एरिया 440 वर्गफीट।

> जगदीश मिश्र सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जेन रेंज 3, दिल्ली

तारीख: 26-9-1986

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मितम्बर, 1986

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/37\$\$/4-86/2956/23---- ग्रतः मुझे, जगदीण मिश्र,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 - रु. में अधिक है

स्रौर जिसका फ्लैट नं० 1003, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूत्री में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिधकारी के कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-3, आयक्तर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कज, के स्रधीन, तारीख स्रप्रैल 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक हम विश्वा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, हिम्नलिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एन० के० टण्डन,
 मिन ग्रव्का टण्डन (माइनर)
 सी०-73, एन० ग्रार्ड० मी० कालोती,
 पी० मी० नांगलोई,
 नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

 श्री ए० वी० ए, 154, जीरबाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति **के अर्जन के लिए** कायबाहियां करता **ह**ूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ श्री गविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 1003, 18, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली। 1 (श्रण्डर कंस्ट्रकणन) एरिया 740 वर्ग फीट।

> जगदीण मिश्र, मक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली

तारीब: 26-9-1986

म इर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

बायकर लिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 26 सितम्बर, 1986

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/4-86/3958/24— म्रतः मृक्ते, जगदीण मिश्र,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उन्तः अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य

1,00,000/- का मं अधिक हैं
श्रीर जिसका एक पलैट नं 603, 9, बाराखम्बा रोड, नई
बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण
क्ष्य में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक
श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज—3 अत्य हा श्रधिनियम,
1961 की धारा 269 कखा, के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान
गतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
ब्ल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का
बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिका निम्नसिवित उद्योग से इक्त बन्तरक निष्ति में बास्तिवक
स्म से कथित नहीं किया बया है ६—

- (क) अन्तरण वंहुएं किसी बाय की बाबत, अवस विधित्रक के जबीन कर दोने के जन्तरक के धावित्य में कती करने वा उससे वचने में सुविधा थी लिए; धीर/वा
- (क) ए'सी किसी बाब या किसी धन वा बन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किन्न गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 कैलाण नाथ एण्ड एसोसियेटस
 1006 कनवनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री कुलबमा मिलक एण्ड उषा मिलक द्वारा डाटामेशन सिस्टम पी ग्रो बाक्स-8040 दुबई (यू० ए० ई०)। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्ड सम्पत्ति के बर्बर के सम्बन्ध में काई भी बाकीए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिभाषित है, बही सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है.

अनुसुची

एक फ्लैट क्षेत्र 1600 वर्ग गज नं० 605, हाउसिंग स्कीम नीलगिरी श्रपार्टमेंटम, 9 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, 1 (एक कार पार्किंग स्पेण)।

> जगदीण मिश्र सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 26-9-1986

प्रकृष बाड . टी. एस. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 28 प्रक्तूबर 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/एस०-ग्रार०-3/4-86/ 1445—ग्रत:, मुझे ए० के० मनचन्दा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 1018/सी है, तथा जो धार्य समाज रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्राधिकारी के कार्याज्य, श्रायकर श्रिधिकारी के कार्याज्य, श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-5 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-4-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकं यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर्गरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण है। अन्तरण में सामक है साम का प्रतिकृत अन्तरण है। किया गया है। ----

- (क) अंतरण से इन्हें किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व भों कभी करने या उक्कर अचने में तृषिधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री खुशी राम सहगल, निवासी सी०-59, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री सत्यंपाल बन्सल, बी-15, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1018, तादादी 111 वर्ग गज, क्लाक 'सी' खसरा 1133, नं० श्रार्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28~10~1986

प्रभव संदर्भ दी एस. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 व (1) के अधीव स्थान

शहरत प्रदेशीह

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 28 श्रन्तुबर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एलय्/एस० श्रार०/3/6-86/ 5210/3--श्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

कायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

- र्द्रक) नन्तरण से हुइ किसी भाग की वायसः, उत्तर शीधनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के सावित्य को कभी करने या समस्ते वसने के सृत्या के किए; बरि√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर गाँधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किशिन्यम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किस गंधा था या किया जाना चाहिए चा, किया में स्विका वी किया

कतः जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जुगल बतरा, निवासी श्रार०-41, माडल टाउन, सोनीपन (हन्याणा)।

(भ्रन्तरक)

2. सन्वार लखजीत सिंह पुरीवेल एण्ड प्रदर्स, निवासी बी-5/197, सफदरजंग इनक्लैव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियाँ में से स्थित होती हो, के मीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियाँ में से स्थिती व्यक्ति बबारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के मीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में दितवर्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थाय, वशोहस्तावरी से पाछ निविध में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसची

प्रो० बैरिंग नं० 197, ब्लाक नं० बी-5, तादादी 243.314, वर्ग मीटर, स्थित सफदरजंग रिसिडेन्टल स्कीम, नई विरुष्टी।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-10-1986

प्ररूप आहुरे. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/5/एस ग्रार-3/7-86/5733/ 22:--ग्रतः मुझे, श्री ए० के० मनचन्दा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

अौ र जिसकी संस्या है तथा जो ए-61, हीज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वोंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया 'गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिसित व्यक्तिनयों, अर्थातु :-- सन्दार जगवीश सिंह सोढी, ए-61, हाँजखास, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

टेब गोविन,
 रीगल बिल्डग, मनाट प्लैस,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र² भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्स अन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकौं।

स्पष्टिकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कः में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

अन्सची

ए-61, होज खास, नई दिल्ली

ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-5, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-10-1984

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

ज्ञासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, दिल्ली-11002

नई विल्ली, विनांक 31 श्रक्तुश्रर 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्/5/एस श्रार-3/7/86/ 6011/15:--श्रतः मुझे, श्री ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

नौर जिसकी संख्या है तथा जो सी-21, होज खास, नई दिल्ली में (स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उरवमान प्रतिफल के लिए कस्तरित की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्ने प्रवचान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकल में क्षिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बच्चरिकका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में ज्ञास्तिक रूप स किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की बाबत, अक्त नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत: उस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ची अधीन, जिस्लोलिखत -√क्तियों, अर्थात् :— श्री जेतिन्द्र नाथ,
 763, बाबा खड़ग सिंह मार्ग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० ग्रम्बीयंन्स कंस्ट्रक्शन प्रा० लि०। 136, एस० एऊ० एस० होज खास, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त घट्यां और पदों का, ओ उक्त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

्नमुची

सी०-21, होज खास, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, नई विल्ली-110002

तारीख: 31-10-1986

प्रसम बाइ'. टी. एन. एस. ----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के बधीन स्वना

बारत सरकार

कार्बानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन-रेंज 5, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 प्रक्तूबर, 1986

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/5/एस ग्रार-3/7/86-6320/ 10--श्रत: मुझे, ए० के० मनचन्दा,

ायकर की धीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि शवर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

,00,000/- एउ. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या 12/बी, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली मैं स्थित है (और इस उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज-5 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 86

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किशत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिवित्यम के जबीन कर दोने के बंतरक के रावित्य में कंची वंजने में तम्में रचने में मुक्तिप करित्तर कैंदिया
- (म) एंसी किसी बाब वा किसी धन या बाख बास्तियां की, जिन्हें भारतीय बाबकार अधिनियसं, 192? (1922 की 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बाहिए था, खिपाने में मुविधा की लिए:

अतः अत्र उत्त अधिनियम की भारा 269-घ को, अन्सरण मों, मों, उदत अधिनियम को भारा 269-घ की उपभारा (1) इ अभीः निम्निलिह्न को क्लाबों सम्बद्धाः — श्रीमती तेज खोसला,
 82, उदय पार्क, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता एण्ड ब्रदर्स,
 207, हेमकुन्ट टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

हक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण !--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद विश्वित में किए वा सकेंगे।

स्पत्किरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों तौर पद्धे का, जो उन्ह शीधनियम, के बंध्याय 20-क में परिभाविद गया है।

धनुसूची

5/10, भाग, प्रो० नं० 12, ब्लाक नं० बी, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

> ए० के० मसचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 5, नई दिल्ली

तारीख: 11-10-1986

प्र**रम नार्ष**ः **टी**् एम_ा एव_ं प्रस्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) वं अधीन सुचना

भारत बहुकार

काश्रीमय, सङ्ग्यक वाधवाद्र वाष्ट्रका (निज्ञीक्षाक)

बायक र जिथितियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त विधिवयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-तः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7-बी, है तथा जो पूसा रोड, नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावज अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रायकर श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजैन रें ज-5, नई बिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार जुन्य से कम के अस्यान प्रतिफान के सिए अंतरित की गई हैं और मुक्के यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त स्म्यत्ति को उपित बाजार पूक्के, जसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे नक शान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिचत से विक्क हैं और बंदा क (वां रक्तों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के किए तस पाना नमा क्या प्रतिचक निम्नतिचित स्वारंध ने उच्य बंतरण विचित में वास्तिचक क्य ने किचन वहाँ किया गुका है अ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् ७— 10—396GI/86 (1) श्री केवल कृष्णा श्ररोडा, बाल कृष्णा श्ररोडा, राज-कृमार अयोज, श्रीर राजेन्द्र नाथ श्ररोडा, निवासी---35, डी॰एल॰एफ॰, इन्डी॰ एरिया, नीफगढ़ रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० कोलनेट बिल्डर्स, 19, दीपक, 13, नेहरू-प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ल सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहिमां करता ្ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेय---

- (क) इस बुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तार्धन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पन्धितरण :---इसमें प्रमुक्त सन्धां और पदा का, जो उनक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष ह ना वो उस कथ्याय में दिया पदा हैं।

अनुसूची

प्रौ० बैरिंग नं० -7, बी, तादादी 824, वर्ग गज, पूसा रोड, नई दिल्ली।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-5, नई दिल्ली

तारीख: 28-10-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/5/एस०श्रार०-3/ 8-86/6883/27— श्रत: मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है). की धारी 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए-15/ए, हौज खास, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के का जिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख अगस्त,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एष्यमान प्रितिक के लिए अस्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रितिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डा॰ रमेश कुमार गुप्ता, ए-15/ए, **हौजखा**स, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) चन्द्रा एसोसिएट्स प्रा० लि०, एन-25, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उनिभ, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूनों कर विकता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिकासित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन के की

पोरणन श्राफ मकान नं० ए-15/ए, हौजखास, नई दिल्ली तादादी 359.08 वर्ग गज, (300.35 मीटर्स) ।

ए०के० मनधन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-5, नई दिल्ली

तारी**का**: 14-11-1986

प्रारूप आर्घं टी एन एस

नायंकर कॅपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वसीन सूर्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1986

निदेश सं० भाई० ए० सी० /एक्यू०/5/एस०भार०-3/ 8-86/6982/36—भतः मुझे, ए०के० मनचन्दा,

श्रमणकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विव इवर्ष इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गवा हु"). ध्वी चारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह

भौर जिसकी सं० जी-5 है तथा जो ग्रीमन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-5, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 - (1908 का 16) के अभीन तारीख श्रास्त, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान विश्वस के लिए बंतरित की नई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का तारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफक्त से, एसे दश्यमान प्रतिफक्त को मन्द्रह प्रतिकत से अभिक है बार अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया नमा परिफक्त, निस्मीसवित उद्योक्य से उक्त अंतरण मिचित में सन्दर्भिक रूप वे कांग्य नहीं किया यथा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कनी करने ना इक्कं बचने में बृनिधा को किए; और√वा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय संस्थान विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया प्रवा था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अशीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सूरेन्द्र सिंह सन्धू, जी-5, ग्रीम पार्क, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) में ० सौरभ एण्ड संजय प्रोपर्टीज प्रा० लि०, दंबारी डायरेक्टर, श्री प्रकाश चन्द जैन, वाई-11, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कों **रह स्थान जारी करके प्वाँक्त सम्मित के स्थान के जिल्** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पष्ट स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि अर्थ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति क्याण,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में दिलवपुर किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमं प्रमृक्त कन्ना और गर्डी का, जो उच्छ अधिनिवस के अध्याम 20-क में एरिभाधिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पदा है।

ग्रनुसूची

प्रौ ०--नं० जी-5, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

ए०के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरें ज-5, नई दिल्ली

तारीख: 4-11-1986

হত্য লাহতি মীত্র **ইন্**তু হুৱাত্র- - স মনক

बान्धकः वृधिनिक्त, 1961 (1961 का 43) की याच 269-व (1) ने वृधीन वृध्या

बाउट रहन्।

नायांत्रय, सहायक गायकर जायुक्त (निरीक्रण)

म्रजेंन रें ज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी / एक्यू०/5/एस०भार०-3/9-86/ 8303/64—श्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत विधानयम' नहा नया हैं), की पार्ध 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, विसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 21 है तथा जो धानन्य लोक, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अभगस्त, 1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अस्तर्भ व्याप्तर्भ स्थित्या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, 1957 का 27) वी प्रशोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया वया या विकास वाना चाहिए था, जियाने में स्विधा वे विद्याः

ततः वय उक्त अभिनियम की भार 269-ग के अनुसरक मं, भें, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) वो सभीन, निम्म्हनिविध व्यक्तियों, वर्षाय क

- (1) भारती एस ० चौधरी, ई-15, गीनांजली, नई विल्ली। (मन्तरक)
- (2) श्री विठ्ल 182-ए, स्कार्ड स्केपर, वार्डन, रोड, नर्ड दिल्ली।

(मन्तरिती)

को सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्धन के सिह कार्यगढ़ियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालीप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकशन की तारीख हैं 45 दिन की व्यविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी बंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किमी ब्यक्ति बुवस्य;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उच्या स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध स्थानित बूबारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेगें।

स्वध्वीकरण .---इसमे प्रमुख्त खब्दों और पदौं का. था उक्तर विधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाविक हैं, बही अर्थ होगा के बस अध्याद में विका गया है।

मन्सूची

प्लाट नं० 21, श्रानन्द लोक, नई विल्ली।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीखा: 14-11-1986

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्राई० /ए० सी० /एक्यू० /5/एस०श्रा र०-3/ 9-86/7595/55—श्रत: मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० के-55 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची मे और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1986

का पृथिकत सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य से कम के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्वामान प्रतिफल से, एंस इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरिका (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल ता निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त बंतरण सिचित में बास्तिविद्या रूप से कांशत नहा । किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की वाब्त, उक्त जिम्मियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दार्थित्व मो कभी करने या उत्तर वचने में सुविधा के किए; बार्ड/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या नक्तर मधिनियम, या नक्तर मधिनियम, या नक्तर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. कियाने में सृविधा भे लिए;

मतः; जन, उनतः जीभीनयम की भारा 269-ग जी जनुसरण मो, मों उनते अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जधीत, निस्तिसिवित व्यक्तियों, वश्कि क—— (1) सरदार कुलवीप सिंह एण्ड ब्रादर्स के-58, ग्रीन-पार्क, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विवेक पुरी,

(ग्रन्तिरती)

का यह सुचना जाएं। करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

स्वयाच्<u>र</u>ी

के-58, तादादी 224, वर्ग गज, ग्रीन तार्क, नई विल्ली।

ए०के० मन**घन्दा** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-*5,* न**ई दि**ल्ली

तारी**न्द्र** : 10-11-1986

प्रकल बाह्".टी.एन:एस:-----

नायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत कुरकार

died Manie

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'ज्यत अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हुँ

और जिसकी संव 103, है तथा जो प्लाट नंव 17, युसुफ सराय कम्युनिटी संटण, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब द अनुसूची में और पूर्णरूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1986

को पूर्वोक्त सम्पर्शिक शास्त्रिक शासार पूज्य न कर सावस्थान म प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो

कि यथा पूजोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बन्यमान प्रतिफल से, एसे बन्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेच्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक कप से किथत महीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उमत अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों को, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया आहा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) मैं॰ भनोट प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज लि॰, 102, 103, राजा हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस, नई दिस्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं ॰ इन्दरजीत सिंह एण्ड कम्पनी, 2, और जोर बाग, नई दिल्ली-3

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी अध्रक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोध :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश हो 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन अर्थ अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो . के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः—हसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, बहुँ। अर्थ हांगा भा उस अध्याय मी दिया एया हैं।

ननुसूची

फ्लेट नं० 103, नाबाबी-418 व फिट, 1ली मजिल, प्लाट नं० 17, कम्युनिटी सेंटर, युसुफ सराय, नई दिल्ली।

> ए० के० मनवन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरें ज,5, नई दिल्ली

नारीख: 14-11-1986

मो**इ**र:

प्रकार बाही, डी. एन. एस. ------

साधकण किथिनियम . 1961 (1961 क्य 43) की भारा 269-च (1) के कथीन स्वतः

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रें ज-5, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 14 नवम्बर, 1986

निवेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू० /5/37ईई/4-86/ 2076——ग्रत: मुझे, ए० के० मनचन्दा,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर अध्यक्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० 102 है तथा जो प्लाट नं० 17 युसुफ सराय, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रिप्रैल, 1986,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित भाषार मृस्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें., एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्यक्ष प्रतिफल का वृत्यक्ष प्रतिफल के वृत्यक्ष प्रतिकार से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितिसों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पासा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कंप्य झास्तियों नेते. विवह भारतीय कायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या भन-राज अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भन का का किया काना का इस हुए था, क्रियाने में मृतिसर के लिए;

नतः बन, उक्त निधिनियमं की धारा 269-गं की, वेन्सरण ये, मी, उक्त निधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) की नभीन, निस्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं० भनोट प्रापरटीज एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०, 102-103, राजा हाउम, 30-31, नेहरू प्लेम, मई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मै॰ इन्दरजीत सिंह एण्ड कम्पनी, 2 जौर बाग, नई दिल्ली-3

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :----

- (क) इस स्वना ले राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की व्यक्तियों थो बी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताहरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिनित में किए का सकेंगे।

स्वध्यक्रिरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उपके विभिन्नम के अध्याय 20 क में प्रीरभावित हैं, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 102, तादादी 418 वर्ग फिट, 1ली मंजिल, प्लाट नं० 17, युसुफ सराय, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-5, नई दिल्ली

तारीख: 14-11-1986

बंक्प बाइ'. टी. एन्. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

नारत चन्नार

कार्यांक्य, सहायक बायकर बाय्व्य (विरीक्षण) ग्रर्जंन रें ज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 ग्रक्तूबर, 1986

निवेश सं० माई० ए० सी० /एक्यू० /5/37ईई/85-86/ 24-ए----भ्रत: मुझे, ए० के० मनचन्दा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करकात 'उक्त अधिनियम' सब्दा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/⊢रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1/46, है तथा जो सफदरजंग इन्क्लेब, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब द अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिक त्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया रितफल, निम्मलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण जिल्ला के बिल तय पाया गया रितफल, निम्मलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण जिल्ला के बिल के कि कि का स्थान के कि का स्थान का स्थान के कि का स्थान स्थान का स्थान का

- (क) अन्तरण ते हुद्दं किसी जान की नागत, अन्त विभिन्निम के सभीन कर दोने के बन्तरक के समित्व में अभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; जीव/वा
- कि लेमी किमी जाय या किमी धन या बल्य जान्तिकों की जिन्हों भारतीय आयं-अर अधिनिधम, 1922। (1922 को 11) या उक्त अधिनिधम, या धन कि बिन्सम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयाजनार्थ जन्तिर्दाती द्वार प्रकः, नहीं किया गया धा या विध्या जाना धाहिए था। खिथाने में स्थिभा के लिए;

अखः बंब, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बमुसरण कें, में: उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) कें मंधीय, निस्तनिधित व्यक्तिकों स्वाचित कर्मन (1) श्री जोगा त्सह, निवासी--5469, क्लाक टावर, चांदनी चौक, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित रिष्मि ग्रग्नवाल, बी-1/13, सफदरजंग, इन्क्लेल, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाद निवित में किए का सकींगे।

अपक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वां उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गयः हैं।

अनसची

बी-1/46, सफदरजंग, इन्क्लेब, दिल्ली ।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-5, नई दिल्ली

तारीख: 28-10-1986

अचन आर्च । दी , पून , पून् - वानवारना वान

नानकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्दाक्रण)

म्रर्जन रेंज 5 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 नवम्बर 1986

निर्देश सं० भ्राई0 ए० सी० |एक्यू|5|37ईई|9-86|55--श्रतः मुझे ए० के० मनचन्दा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मध्य

।.00,000/- रु. से अधिक **ह**ै।

और जिसकी सं० ए-54 है ता जो हौज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उच्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिला।

जह अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण भो, मौ, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अभीत्:—— 11—396QI/86 (1) श्रीमित एस० भल्ला, पत्नि स्व० भद्रिम ना भल्ला, ए-54, हौज खास, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं शिष पार्वती एजेन्सीज प्रा० लि०, ए-54, होज खास, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी स्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त जिभीनयम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया. है।

अनुसूधीं

ए-54, हीज खास, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रें ज,5, नई दिल्ली

तारीख: 12-11-1986

प्रक्ष भार् .टी.श्न.एव. -------

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयंकर काम्यूक्त (निशीक्षण)

म्प्रर्जन रें ज-5 , नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निवेश सं० भाई० ए० सी० /एक्यू० /5/37ईई/9-87/59 श्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

औं जिसग्री सं० प्लाट नं० 6 है ता जो भालवीया नगर, कम्यु-निटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औं पूर्णेष्ट्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

है। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दश्यमान गीतफल के खिए अन्तरित की गई ही और मृक्षे यह विद्यास

कारण हो कि स्थापयोंक्त संपरित का उचित बाबार मुल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से एसे हिन्यमान प्रतिफाल का । इह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बावत कवत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या जन्य आस्तिकों का जिल्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य के लिए;

ज्या जैव, उन्नेत विविन्तिक की भारा 269-म की, अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकीट व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के॰ एल॰ सुनेषा, और श्रीमित कैलाश सुनेजा, निवासी---सी-538, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) भ्रसमान इन्वेस्टमेंट लि०, ग्ररिवन्द मिल्स प्रेमिस, नारोडो रोड, ग्रहमदाबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन की विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में काईर भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाडा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्त किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्षश्राचित्रणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिक नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा हो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्ग्भी

प्लाट नं० 8, मालः वया नगर, एक्सटेंशन (साकेत), कम्यु-निटी सेंटर नई दिल्ली।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज-5, नई विल्ली

तारीख: 3-11-1986

प्रका बाई.डी.एन.एच.------

कायकड वीधीनवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) वे अधीन सूक्रना

नारत सरकार

भन्नर्यासने, सहायक सायकर जागुक्त (निरीक्षक)

मर्जन रें ज-5, नई विल्ली

नशई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० एक्यू०/ 5/37ईई/ईई/9-86/87--- म्रत: मुझे ए० के० मनचन्दा,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसगी सं० एन-24 है तथा जो पंचशील पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारख सितम्बर, 1986

को प्यांक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के क्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वांक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंशरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निकिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक क्रय से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) कन्तरण तं हुइ किसी बाय की बाबता, **स्वत्रक्ष** अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तस क्याने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) वा उच्चेत अधिकियम, या धनकर अधिकियम, या धनकर अधिकियम, या धनकर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा खें निए;

(1) श्री जगमोहन कपूर, श्रीमित शिश कपूर, एन-24, पंचशील, पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जी० वासन, 2. श्रीमित गीता वासन, निवासी—-एफ-208, न्यू० राजेन्द्रा नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन 🕏 संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारी चारी विकास की स्वित मां पर 45 दिन की सविध या तत्सनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो तो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी पत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्थाप स 45 दिन के भातर उक्त स्थापर सपित में द्वित द्वा किसी अन्य व्यक्ति स्वारा व भांहस्ताक्षरी के जक लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:---इसके प्रयुक्त कच्चों कीर पदों का, दः उक्क किंभिनियम, के कध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

एन-24, पंचशील, पार्क, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (रिक्षिण) श्रजैन रें ज-5, नई दिल्ली

सत् वन, उपल कांधनियम, की वारा 269-व के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिविद्य व्यक्तियों, जर्थात् :----

तारीख: 30-10-1986

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेनरें ज-5, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 3 0 श्रक्तूबर, 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /एक्यू० /5/37ईई/9-86/ 58---भ्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं 2 फ्लेट नं० 201, प्लाट नं० 17 है तथा जो युसुफ-साय नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1986

को प्वाक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सूत्रिका के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निशिषित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) भनोट प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज लि॰, 101-102, राजा हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (ध्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाव जैन, बी-20, साउथ एक्सटेंशन 1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसची

क्लेट नं० 201, तादाबी 655 वर्ग फिट, भनोट हाउस, प्लाट नं० 17, युसुफ सराय, नई दिल्ली ।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख: 30-10-1986

प्रक्य बाइ . ही . एन . एस . -----

नायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, संज्ञायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जेन रेंज-5, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1986 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/5/37ईई/9-86/57— ग्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। तथा जो ग्रीन पार्क नई

दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री स्ति अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितस्बर 1986

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य सं कम के धरयमान शिकल को लिए अन्तरित को गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के जीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिविक रूप से कथित नहीं कियन गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्लासम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बजाने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सर्वन लता एन्ड ग्रदसं, निवासी-225, ग्राम हौस-खास रानी, मालविया नगर, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्दर मोह्ननी खन्ना, ए-31, हौस-खास, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तरसंबंधीं व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरें भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोदर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अगर्यक

प्रौ० नं० जी-18, ग्रीन पार्क, नई विल्ली। ए० के० सम्बन्धा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-5, नई विल्ली

तारीख: 3-11-1986

जोकर ह

प्ररूप काइ¹, टी. एवं , एकं , क्लान्स्वासम्बद्ध

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्पना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दितांक 14 नवम्बर 1986

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू/5/37ईई/10-86/ 73-- म्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 169-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित वाजांद भूका 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बी-6/14 है तथा जो सफदरजंग डिब्हेलपमेंटे हिायणी एिया, नई दिल्ली में स्थित है (औ: इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सहायक श्रायकर

श्रायुक्त (निक्षिण) रेंज 5 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीखं भ्रमतूबर 1986

मां वर्गेक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मृत्य असके क्ष्म्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्म्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के निए देन बाबा बना प्रति-कल जिल्लीबिक्ट बहुदोस्त से क्ष्मु बन्दरण विक्रिय के वास्त्रिक का एक से कवित नहीं किया बना है हिन्स

- (क्स) बन्धरण सं हुई किसी बाब की बाजत, सक्त अभिनियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के बाविस्त में कसी करने वा उसने बनने में सुविक् के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती बुनारा प्रकट नहीं किया जिया बात की बार की बिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण है. मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-ए की उपभार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ए० एन० सेन फ्लेट नं० 3 सी, पुष्पा श्रपार्टमेंट, 63ए, वरिगत गली, कलकत्ता

(भन्तरक)

(2) श्री टी॰बी॰ बन्सल डायरेक्टर एण्ड भैयरमैन, मै॰बैस्ट लिक्वीफोबल गैस लि॰ तीसरी मंजिल कमरा नं॰ 9, 29-एरबिन्द्रा सारामी कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को का सुन्ना आर्थ करने पूर्वोक्त कर्नाटक से वर्षक के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत सन्दर्शित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांत्र :~-

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो विश्व की साथ में समाप्त होती हो, के भीरार पृयों विश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस्तवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए वा सकति।

स्थविकरणः----इसमें प्रयुक्त कर्म्यां बीर पर्यो का, वो अवस् वीधीनयम से नध्याग 20-के में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्वाः विश्वा हैं॥

अनुसूची

प्लाट नं० 14, ब्लाक नं० बी/6, सफदराजंग डिक्हलप-मेंट रिहायशी एरिया, नई दिल्ली ।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

तारीख: 14-11-1986

श्रास्प बार्ड.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां बच, सहायक जायकर वाय्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/11225/86-87--श्रतः मुझे, निसार महमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-ख के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक हैं
और जिसकी सं० कार्यालय नं० 58, जो पांचवीं मंजिल,
मेकरटावर-एफ, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की
धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई, स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-4-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान
अतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्थकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्मलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण सिवित में

- (क) वितरण से शुद्र किसी बाब की बाबत, बक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के किस; बॉर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिद्ध;

अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की की धारा 269-घ की उपधार (1) फे अधीन, निम्निसिंहत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स डेव्हलोपमेंट सर्विसेस प्रायवैट लि०। (ग्रन्त क)
- (2) प्रतिजीत इन्बेस्टमेंट प्रायवेट लि०, लिसकॉम इनवेस्टमेंट प्रायवेट लि०, सीपारीख इन्वेस्टमेंट प्रायवेट लि०, और विपारीख इन्वेस्टमेंट प्रायवेट लि०।

(श्रन्तिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बरूपीत के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षीय .~

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 58, जो पांचवीं मंजिल, मेकर टावर– एफ, कफ परेड, बम्बई–5 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० धर्द-1/37ईई/10288/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, बस्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्ररूप आहूर. टी.एन.एस.----

बायकर अधिनिस, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 20 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/11248/85-86—श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उितः बाजार मूल्य 1,00,000/। रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट तं० 141, और 202, जो 14वीं और 20वीं मंजिल, फाल्काँन्स केस्ट, प्लाट नं० सी० टी० एस० 1/202, जी० डी० श्रांबेंकर मार्ग, परेल टैन्क रोड सम्बई—12 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा भायकर भिंधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं सारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूत्रिथा के लिए; और/मा
- (क) एने किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनयमों, अर्थात् :--

- (1) टाटा हाउसिंग डेव्हर्ल पमेंट कम्पनी लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) गुडलासक नेरोलेक पेम्टस लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकर्ग।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अम्सूची

फ्लैंट नं० 141 और 202, जो 14वीं और 20वीं मंजिल, फाल्कौंन्स ऋेस्ट, प्लाट नं० सी० टी० एस०1/202, जी० डी० भ्राबेंकर मार्ग परेल टॅंन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की कि सं० ध्रई-1/37ईई/10282/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

विनांक: 20-11-1986

प्रकल बार् . टी . एन . एन . -----

बायकर बीधीनग्रम, 1961 (1985 का उसे औं भार भारा 269-व (1) ये जरील संक्रा

men acer

कार्यातय, सञ्चायक सावकर जायकर (निराक्तण)
प्रार्जन रेंज-1, बम्बई
वम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/11249/85-86-- ग्रतः मुझे,

निसार ग्रहमद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट्स नं० 12, ए/4 और 263, जो, 12-ए, श्रौर 26 वीं मंजिल, फाल्कॉनस कैंस्ट, प्लाट नं० सी० टी० एस० 1/202, जी० डी० श्रांबेकर, मार्ग, परेल, टन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनाया श्रायकर श्रिक्तियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रश्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1986

का पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मून्य से कम के दश्यमान अर्गतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कालों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल खे, एमि दश्यमान प्रतिफल खे, एमि दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के सिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12 --396GI/86

- टाटा हार्जीसग डेवलोपमेंट कम्पनी लि॰। (ग्रन्तरक)
- दि टाटा हैड्रो इलैक्ट्रीक पाँवर सप्लाय कम्पनी लि०, दि म्रान्ध्र वाल्लेट पाँवर सप्लाई कम्पनी लि० म्रौर दि टाटा पाँवर कम्पनी लि०।

(ग्रन्तरिती)

ंको यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अ**र्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

तकत् संपत्ति के अर्बन के एंडंम में आहे भी बालप :--

- (क) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारीस छैं
 45 दिन की जनींघ या तत्त्र जन्मी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 दायित में कभी करने वा उसने वसने में सुविधा
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुयाराः
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन को भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में क्ति-45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र पास तिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उनत विध-नियम के अध्याय 20-क में परिशामित है, वहाँ अर्थ होता, जो उम अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट न० 12 ए 4 श्रीर 263, जो, 12 वी † ए मंजिल श्रीर 26 वीं मंजिल, फाल्कॉनस केस्ट, प्लाट नं० सी० टी० एस० 1/202, जी० डी० श्रांबेकर मार्ग, परेल टॅन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुपूची जैसािक क० स० ग्रई-1/37ईई/10283/85-85 ग्रौर जो सक्षम प्राक्षिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-1,बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्रकृष अर्थ हो एन एस -----

त्रायुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालक मक्षाणक कार्यपत्र कार्यक्रम (निरक्तिक) श्राणीन रें:-1, बम्बई क्रमबई, दिसांक 20 नदग्बर 1986

निदेश सं० ग्रर्ई-1/37ईई/11250/85-86- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

शबका ब्रोधिनियम (०६) (196) का 43) (जिसे इसमें सके (इचात 'तका ब्रिधिनियम' कहा गया है), की धार १६९-स के अधीर सक्ष्म शांधितारी को यह विख्यास करते का धारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित शांबार भाव्य । ००,०००/- राजसे अधिक है

भीर िसकी संख्या फ्लैट नं० 12 ए 1, 12 ए 2, 164, भीर 191 भीर 12 ए वी, 12 ए वीं, 16 वीं भीर 19 बीं मं िल, फाल्क न्स क्रेस्ट, प्लाट नं० सी० टी० एस० 1/202, जी \circ डी \circ श्रांबेकर मार्ग, 'रेल टॅ क रोड, बम्बई-12में स्थित है (ग्रीर इसरे उपबद्ध श्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर िसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है तारीख 1-4-1986 ा विकित रक्यांसि के रिक्त नरकार वाक्स में क्रम के क्षणणान प्रतिकत के लिए अंटरित की एड ही और मफ्रेयह विद्यास करनेका कारण है कि यथापुर्वीकल सम्पत्ति का उचित । बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे व्ययमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निक्निनिधन नहस्रोहरू में उक्त अन्तरण लिखिन में गस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- का एमी जिल्हा गण गा गिल्ही पत्न या बक्क आहित्या को, जिल्हा भागतीय आधारण अधिनियम, 1922 १००० जा १६९ अ. राउन वोश्यीस्थल का उट अप अभिनियम, 1957 (1957 को 27) को अभिजियमें अस्तियम अकट नहीं किया बंदा भाग किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

कत अब तकत अभिनियम की भाग 260-म के असकरक मो, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- टाटा हार्जीसः डेंं लोः भेंट कमः ती लि०।
 (ग्रन्तरक)
- 2. वि एसोतियेटङ लिमेंट कम्यनी लि॰। (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्षित्रमा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध हो कांड भी आक्रंप .---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बत्धी व्यक्तियों पर मूचना की टामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया मा स विसी ट्यंक्त सूवारा:
- (ख) इस स्वता के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम विश्वत में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमाँ प्रयूक्त शब्दों आर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

परैडन नंग 12 ए 1, 12 ए 2, 164 स्रीर 191, जो, 12 ए 9 12 एवं 16वीं स्रीर 19 वीं मंतिल, फालकाँत्य केस्ट, प्लाट नंग सीग टीग एसन 1/202, जीव डीन आंबेकर मार्ग, परेल टंन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रापुर्वी जैंसा कि ऋ०सं० श्रई-1/37ईई/10292/85-86 और जो सक्षत्र प्राश्किरी, बम्बई द्वारा विनांक 1-4-1986 को रिस्टिंड किया गया है।

> निसार श्रहमक्ष सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

विनांक: 20-11-1986

मोहर 🖫

प्रस्थ जाई टी एन एस ------

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्राजीन रें न-1, बस्बई
बस्बई, दिनांक 20 नवस्बर, 1986

निदशसं० ग्रई-1/37ईई/11251/85-86:- ग्रतः मुझे, निसार भन्नमव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कशी करने या उखन वचन में सुविधा देलिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था को लिए;

क्तः कथ उक्त किपिनियम की धारा 269-ग की जन्सरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. टाटा हाउसिंग डेवनो मेंट कमाति लि०। (भन्तरक)
- 2. फोर्बेस फोर्बेस कम्प्बेल एण्ड कमानी लिए। (अन्तरिती)

का थष्ट सुचना वारी करके पृथींकत सम्परित के बर्चन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितियों में के किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबस्थ किसी मन्स् व्यक्ति इवारा सभाइस्ताशारी से शास 'आकृत में किए या सकेंचे के

श्यक्कीकरणः -- इसयो प्रयुक्त करूरों और वर्ध का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, व्हा कर्च हाना का उस कथ्याठ में विकासका है।

जन्सू भी

पलैट नं० 181 श्रौर 263, जो, 18 वीं श्रौर 25ज बीं मंजिल, फाल्कॉन्सज ऋेल्ट, नियोित इमारत में, प्लाट नं० सी० टी० एस० 1/202, जी० छी० श्रांबेकर मार्ग, परेल टॅन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-1/37ईई/10285/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 जो रिस्टर्ड किया जया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नामकर भीथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंःन-1, बम्बई बम्बई.दिनांक 20 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/11274/85-86: मत मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं 1, जो, 2री मंदिल, समुद्र गौरव, अपार्टमेंट, 6 ए, करली सिफेस, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुपूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आवकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है, तारीख 1-4-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य संकाम के एवर सान प्रितिफल के लिए अर्तारत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यावेसं सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, इसके दश्यगान प्रतिफल से ऐसे छ्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अने, उक्त अभिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री करिं। करिं। डी० भोमायत भीर श्रीवती इन्दिरा एस० भोबामत ।

(ग्रस्तरक)

2. श्रीमती जयाबेन टी० विरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तं सम्पत्ति **के अर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस तै 45 दिन को अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी किन्दि यह के स्वान्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यवित द्वारा;
- (ख) एषा पुरस्य को पानगत मो प्रका**शन की सारीख से** 45 रेन को नेतर उर्देश स्थावर सम्पत्ति मों हिसब**र्भ** विद्या का व्यक्ति कुसरा अ**थोहस्ताक्षरी के पास** सिन्दित भी किए जा वैकीगे।

स्पष्टिकरण :--नामको प्रथुवत सन्तो और पदो का, जो उसस का तमित्रम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, बहुविधको होगा जो उसं अध्याय मी दिया गया हो।

अनुसूची

पलीट गं० 1. जो, 2री मंजिल, समुद्र गौरव श्रपार्टमेंट, 6प्, वरली जिकेस, बम्बई-25 में स्थित है।

यनुक्षची जैसा कि कि॰ सं॰ ग्रई-1/37ईई/10287/85-86 और जो अजन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1986 को रिजस्टिंड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽1, बम्बई

दिनांक : 20-11-1986

गोहर:

प्रकृष बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यानव, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

निर्देश सं॰ ग्रई-1/37ईई/11276/85-86- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7 ए, जो, श्रब्दुल गफ़ार रोड, बच्चन लाज, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विधित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिन्कि निवाद सक्ते के उच्त अंतरण जिल्बा में पास्कृतिक रूप से का पुरु किया गया हैं:—

- (क) जंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दाधित्व में अभी करने सा उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया प्राना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बसः: जब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) से अधीन क निकासिक व्यक्तियों, अधीद क्र-ा॰ 1. मोहम्मद युसूफ झब्दुल्ला पेटल।

(भ्रन्तरक)

2. स्काय बिल्ड प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

श्री ग्रहमद ग्रबुबकर,
 श्री मोहम्मद ग्रबुबकर,
 श्री दिनेश डी गांधी ग्रौर
 श्री गिरीश एन० मेहता।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्जीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्तावारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम, के बब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 7 ए, जो, श्रब्दुल गफार खान रोड, बच्चन लांज, वरली, बम्बई-18, सी० एउ० नं० 732, वरली डिविजन, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/10289/85- 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-4- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

अक्ष जार'. टी. एवं . एस . -----

बायकर क्रिंधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-के (1) के बधीन सुचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

निर्देशसं० ग्रई-1/37ईई/11287/85-86- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या पर्तट नं 14, जो, 2 री मंजिल, साधना इमारत, हिलवे राजना को ग्राप० हाउसिंग सोजायटी, लि०, एन० गमाडिया रोड, बम्बई—36 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा प्रायकर श्रिवियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-4-1986

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दक्यमान प्रतिफल को लिए अस्टरित की पद्दं है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह्भप्रतिश्चत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बांच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखिल उद्देश्य से उनत अंतरण विवित्त बें बास्तविक रून से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत , उक्त बाधिनियम के संभीत कर दने के जन्तरक बी दास्थल में राजी करते या उससे बचने में सुविधा के जिल्हा और/जा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की किसी कारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री चरन एल० सदारंगानी श्रौर श्रीमती मोहिनी एल० स्दारंगानी

(अन्तरक)

2. डा॰ (श्रीमती) ज्योत्स्ना ए गांधी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समस्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वाप;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होना यो उस प्रध्याय में दिका ग्या हैं॥

अनुसूची

प्लैंट नं० 14, जो, 2 री मंजिल, साधना इमारत, हिलवे साधना को-म्राप० हार्डीहम सोझायटी लि०, एन० गमाक्षा रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ ग्रई-1/37ईई/10292/85–86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 20-11-1986

इक्य बार्ष हो. एवं. एडं.-----

कामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवसा

जारत तरकार

भाषांत्र, सहायक शायकर आयवत (निरीक्षण) अर्जन रेंं-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

सं० ग्रई-1/1/37ईई/11290/85-86— ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिरियम, 1961 , 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास सरने का कारण हैं कि स्थाय काणित जिसका हिस्स सामार मृत्य 1.00.000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिल्लं संख्या कार्यालय नं० 306, जो 3री मंजिल दालामल टावर, प्लाट नं० 211, नरीमन पाइण्ट, बम्बई—21 में स्थिए है (शौर इ से उपाबद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विति हैं) बीर जि का करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1986 को पूर्वोदल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितयार्ग) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत के बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से तु**र्व किसी काथ की बाबत, उक्त** अभिनियम के अभीन कात दोने **के अंतरक के** राधित्य से जासी कारने या उससे क्याने से सक्तिशा के किस कार देश
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1002 जा 11) हा उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 था 27) की प्रकार मंद्र अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा की लिए:

अत: इन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० पी० विजयहुआर

(ग्रन्तरक)

2. शरन पी खन्ना (हिं० अ० कु०)।

(अन्तरिती)

को वह व्यवा चारी करके पूर्वोचल सञ्चलि के अर्जन के निर्ध कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उस्त तम्बीत के अर्जन के सम्बन्ध हो कोई भी वास्रेष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिय या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि रूप में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति एकारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त बाधिनयम के अध्याप्र 20 के मा पारभग्ने खत हैं, वहीं अर्थ होंगा, अर्थ प्रश्न बच्चाय कें दिया गया हैं।

वन्स्ची

कार्यालय नं० 306, जो, 3री मंजिल, दालामल टावर, प्लाट नं० 211, नरीमन पाइण्ट, वस्ट्रई-21 में स्थित है। अनुसूची जैहा कि क सं० छई-1/37ईई/10291/85-86 श्रीर जो प्रक्षम प्राधिकारो, बस्वई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,**बम्बई**

दिनांक: 20-11-1986

प्ररूप आइ तो . एन . एस . -----

सायकर अधिनिधन , 1961 (1961 का 43) की

· PRESTATE

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, बिनांक 20 नवम्बर, 1986

सं॰ ऋई-1/37ईई/11293/85-86— ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके प्रश्वान् 'उन्ने जिल्ला कि जिस्सा' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सकत प्रतिकारी को यह विद्यास करने का बारक है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका विस्त बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिलकी संख्या फ्लैट नं० 303, जो, उद्यान दर्शन इमारत, संयानी रोड, बाबर, बम्बई में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में शौर पूर्व रूप से बिंदत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उन्ति बाजार मृत्या, उसके क्ष्यमान अतिकाल से. एमे उश्यमान प्रतिकाल कर भन्तह प्रतिकात से जिथाक है और बंतरक (अंतरकार) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीध एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- हैंकों बन्ताहर से हुई जिल्ली बाय की बाबत क्यल अधिनियम के श्रभीन कर दोने के सन्तरक के शाधित में फनी करने मा उससे बचने ने सुविधा से निष्ण संतर्भमा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा धी किए;
- •तः वर्ष वर्ष वर्षात्म की थारा 260-4 के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैदर्स फैरानी डेवलपर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रंजीत जयानन्द राजाध्यक्ष।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्मीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से की दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

फ्लैट नं० 403, जो, उद्यान दर्शन इमारत, स्वानी रोड, दादर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैदा कि क सं० श्रई-1/37ईई/10293/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्रकथ बाई.टी.एन.एस.-----

वायकर विधितियत, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन बुबना

भारत सरस्वर

क्षप्रचारम, बह्मयक वायकर वाय्क्स (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

सं॰ **ग्रई**-1/37ईई/11296/85-86-- म्रतः मुझे, निसार म्रहमद,

बावकर नीपन्तिन, 1961 (1961 का 43) (विवे इवने इवके बरवात् 'अक्त नीपनिनन' कहा नदा हैं), की बाह्र 269-व के बधीन बस्त प्राधिकारी को नह निरमान करने का कारण हैं कि स्थावर तस्थीत्त, विवका उचित बाबार नृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 6, जो, 65ी मंजिल, वरली हिमालय सोसायटी, सिफेस वरली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1986

से प्वांक्त कम्पीरत के तियत बाबार मूल वे कन के क्यानान प्रतिक्षण के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित नाजार मूल्य इसके क्ष्मश्चान प्रतिकृत है, एवे क्यानान प्रतिकृत्य का बनाइ विश्वास के निथक है और जन्तरक (बंतरकों) और बंबरिती (अन्तरित्वों) के नीच देवे जन्तरम के लिए यह बाबा नवा प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिकृत कर से क्षित महीं किया नवा है:——

- (क) अन्सरण से हुई किती जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी तम या जन्य झास्तिकों को जिन्हें भारतीय जासकर लिधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियस, या धन-कर लिधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थ्या ना या किया बाना चाहिए था, क्थिएन में सक्थिय वे सिक्या?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में.. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसल व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती लिखिया बेगम।

(ग्रन्तरक)

 श्री एन० बी० मर्चेन्ट ग्रौर श्रीमती के० एन० मर्चेन्ट।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता 💇।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्तित ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम विविद्य में किए जा सकोंने।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं जर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 6, जो, 6ठी मंजिल, वरली हिमालय सोमायटी, सिफेस, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-1/37ईई/10294/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

मोहरः

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांकं 20 नवम्बर, 1986

सं० ग्रई-1/37ईई/11299/85-86—-ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 63, जो, सोनारिका इमारत, 33-ए, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 4-4-1986

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कार्ण है कि सभाप्वों कर सम्पत्ति का उचित बाबार मृन्य, उसके उपमान प्रतिफल से एसे उपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितशों) के बीच एसे बन्तरच के बिए तब पाचा बचा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वायल, उक्त अर्थ-नियम के अभीन कर बोने के अंतरक के वायिक्त के अभी करने वा उससे वपने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या जन्म बास्सियों का जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उस्क विधिनियस, वा धन-* अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था. जियाने में बृधिका के लिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण बें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधग्रा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा—- 1. युनाइटेड ब्रेबेरिज लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

- 2. एशियन फ्लावर्स एण्ड फ्रेग्रान्सीम (बाम्बे) प्राइवेट लि० (ग्रम्तरिती)
- 3. ग्रन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ग्रन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राष्ट्रपत्र में प्रकाषन की तारीय के 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्ट्रना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासक स्विक्तयों में से किसी स्विक्त द्वारा
- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोंने।

लच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्वों का, वी जक्त विधिनियम के कथ्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विवा ववा हैं।।

अन्सूची

फ्लैंट नं० 63, जो, सोनारिका, को-ग्राप० हाउर्सिंग सोमायटी लि०, 33–ए, पेडर रोड, बम्बई–26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-1/37ईई/10295/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनांक: 20-11-1986

प्रकृष वार्षः, दौ_श पुत्त_{ः प्रस_{्या}न्तर-राज्याः।}

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) में अभीन सूचना सारत सरकाष्ट्र

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) श्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

सं० श्रई-1/37ईई/11320/85-86— श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें प्रकार प्रकार किसा अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269- है के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 82, जो, 8वीं मंजिल, लवली होम इमारत, 9 कफ परेड, बम्बई—5 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 4-4-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल्ल से एसे एसे एसे स्थ्यमान प्रतिफल्ल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत. उक्त विधिनियम के वधीन कर बेने के जन्तरक क्षे ग्रामित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा की सिए; जीट/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, विन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

बतः अव, उस्त विधिनयम की धारा 269-न की बनुसरण में, में अक्त विधिनयम की धारा 269-न की सपधारा (1) के विधिन, िस्त्रसिचिक व्यक्तियों, वर्षात् अ--- श्रीमती दुरूपदी डी० नरवानी।

(भ्रन्तरक)

श्री राम सखरानी श्रौर
 श्रीमती गिता श्रार० सखरानी।

(ग्रन्तरिती)

का वह स्थान जारी कहके प्रांचित संपरित से वर्षक से हिस्सू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस नुषना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी वो पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकर्णः ---- इसमें प्रमृक्त शब्दों जीर पदों का, जो सक्त जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया नवा है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 82, जो, 8वीं मंजिल, "लवली होम" **इमारत,** 9, कफ परेड, बम्ब $\mathbf{\xi}$ —5 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/10299/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्रकृत बाह् े हो । १व ् एव ् -----

जायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-भ (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

सं० श्र $\xi-1/37\xi\xi/11324/85-86:$ —-श्रत मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस तं० 604 जो, रहेजा सेंटर, 65ी मंजिल, 214 नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4~1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त विधिनयम के जभीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसं किसी बाय या किसी भन या कस्य बास्तिओं को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा गा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा सी जिए;

करः सम, उक्त अभिनियम की भारा 269-त के बन्तरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के क्भीन, निम्नसिविष्ठ व्यक्तियों, अर्थांक् ह— 1. श्री ग्रनिल लेखा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दीपक श्रॉफ (मालिक-कविम रिम्नल इस्टेंट्स) (म्रन्तरिती)

को बहु शुक्ता कारी करके पृत्रोंकत संस्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

दक्त सम्मतित के नर्पन के तम्मन्य में कोई भी मार्शन ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक वृथ किसी अन्य व्यक्ति वृक्षारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किसे का सकी।

स्वक्रीक्ररणः -- इतमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, अने उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नदा है।

बन्दकी

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 604, जो, रहेजा सेंटर, 6ठी मंजिल, 214, नरीमन पाइण्ट, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ मं० अई-1/37ईई/10298/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 20-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/11333/85-86-श्रतः मुक्षे, निसार श्रहमद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक ह[®] श्रौर जिसकी सं० फलैट नं० 3, जो 13वीं मंजिल, "यूड लैन्ड'', न्यू बुड लैन्ड को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जी० देशमुख मार्ग, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध-श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम 1961, की धारा 269 क, ख, के म्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है तारीख 4-4-1986 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसको उद्यमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिकेल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री यंगवत वासा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लालचंद चर्तुभुजदास भाटिया, श्री तुलसीदास लालचंद भाटिया, श्रीर श्री जंयतलाल चंद भाटिया। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवस्त्री

फलैट नं० 3, जो 13वीं मंजिल बूडलैन्ड इमारत, न्यू बूडलैन्ड को- ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जी० देश मुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10297/85-86 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार स्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

म**क्त बार्ड**्ड **बॉ**ड **पुर्व** ु पु**र्व** तुन्त्वनन्द्रन्तवस्थ

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) वें वर्धीय वृज्या वाद्य संख्या

कार्याभव, सहायक भायक र नायुक्त (निर्दालभ)

भ्रजीन रेंज-1, बम्बई सम्बई, दिनांक 20 नयम्बर 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/11338/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की वाय 269-स के निधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से सिधक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 33, जो तीसरी मंजिल, जमासजी ग्रपार्टमेंटस, 32, स्लेटर रोड, बस्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-4-1986 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित माजार मृत्य से कब के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुरूप, उशके व्ययमान प्रतिफल सं, एसे व्ययमान प्रतिफल का विकाह प्रतिखत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के लिए तब पासा जबा प्रति-क्य विम्मनिष्ठ बहुबोस्य से उपन शुन्तुरम विविध में शास्त्रीयुक्त क्य वे क्यिय वहीं किया प्रसाह 🗗 🖦

- (क) अन्तरण से हुई किसीं भाव की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे यचने में सविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जर नव, उक्त निर्मिगयम की भारा 269-ग वी बनुबरन में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वो क्योन. निम्नसिन्वित व्यक्तियां क्या क्या क्या

- (1) श्रीमती नेरगेश हिरजी पारेख, श्री० एस० मिस्त्री,, श्री एच० एस० पारीख, श्री एच० बी० मिस्त्री, श्री बी० एस० मिस्त्री, एक्सीक्यूटर्स श्राफ दी इस्टेट श्राफ लेट श्री सारावणी जे० मिस्त्री। (श्रन्तरक)
- (2) डॉ॰ दिलीप राजा।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षक् के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरवर्धी

फलैट नं० 33, जो तीसरी मंजिल जमासजी श्रपार्टमेंटस 32, स्लेटर रोड, बम्बई-7 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10300/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 20-11-1986

भक्त बहु हो हो एक हुन हुन स्टब्स

भावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नेपीन स्थाया

तारत वरकार

कार्यातय, सहायक भावकर बाब्व्य (निर्देशक)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 20 नवम्बर 1986 निर्देश सं॰ ग्रई-1/37ईई/11348/85-86—ग्रतः

मुझे, निसार ग्रहमव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्त्रे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य

1,00,000/- रु से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० फलैट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, फाल्कान्स क्रेस्ट, प्लॉट नं० सीटी एस 1/202, जी० डी० ग्रांबेकर मार्ग, परल टन्करोड, बम्बई-12 में स्थित हैं (शौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) शौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांलय में रजिस्ट्री है तारीख 4~4~1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात की उपात बाजार कृष्य में कम ने प्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रम्यमान प्रतिफल से एसे द्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए स्थापाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत , खबर अधिनियम के अधीन कर वेने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप न अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व चिन्हों

बतः वन उस्त विधिनियम की पारा 269-न व बनुसरम में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थातः ----

- (1) टाटा हार्जिसग डेन्बलमेंट कम्पनी लि०। (श्रन्तरक)
- (2) महेंन्द्र युजिन स्टील कम्पनी लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्षेत्र सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बच्छ बच्चरिष्ठ के वर्षन के संबंध हो कोई श्री धार्मण ह---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की वनिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी? से 30 दिन की अवधि, को भी जनकि बाद रं समाप्त होती हो, से भीता पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूराए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण:—इसमें प्रवृक्त शब्दों और पड़ाँ का, जो उक्त जीभीनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उन्न अभ्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

फलैंट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, फाल्कान्स क्रेस्ट, प्लाट नं० सीटी एस 1/202, जी डी श्रांबेकर मार्ग, पारेल टुंन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की फ्र॰ सं॰ श्रई-1/37ईई/10303/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा बम्बई दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-1; बम्बई

वनांक: 20-11-1986

मक्त नार्ं,टी.एन.एस..=======

नामकड निर्मित्वम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-न (1) से नधीन स्चना

भारत सम्बाह

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/11350/85-86---ग्रतः

मुझे, निसार श्रहमद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अभीव सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं फलैंट नं ० ए-6 जो दूसरी मंजिल खुला गैरेज नं ० 5 के साथ, कामदा पार्क, गोखलेरोड (दक्षिण दादर, बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्ममाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का स्वाह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (जंतरकों) जौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल कम निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से किथत नहीं किया गया है है—

- (का) बन्धरण में हुई किसीं बाय की बाब्द बन्ध विधिययम के जभीन कर में के बन्धरक के बायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; धरि/या
- (क) इंडी जिसी नान् वा किसी धन या करूप नास्तियों को, विन्हीं भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तिरती व्यास्त प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, जियाने में वृत्तिका के विद्य:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती ग्राशा मुलगांवकार।

(भ्रन्तरक)

(2) लार्सन एण्ड दुब्रो लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है) को यह स्कुना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां वृक्ष करता हुं।

उन्त क्यांति के बर्जन के बंबंध में कोई भी बालंब ह---

- (क) इस बुक्ता के प्रवर्ग में प्रकाशन की तारीश वे 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी न्यविक्यों पर सूक्ता की तामील से 30 दिन की नवींथ, को भी सबींथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वास्य;
- (क) इत त्वना के श्वपन में प्रकाशन की दारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्त में हितबहुध किसी अन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिचित में किए वा सकीने ।

त्वस्वीकरण:----इसमें प्रयूक्त बन्दी वर्ष पर्वो का, श्री सवस्य निवित्तवस्य, के नध्याय 20-क में परिशतिषत ही, यही नर्य होता यो उस मध्याय में दिवा नका ही।

अनुसूची

फलैंट नं० ए-6, जो दूसरो मंजिल खुला गैरेज नं० 5 के साथ कामदार पार्क, गोखले रोड (दक्षिणी), दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की कि० सं. प्रर्द-1/37 ६६/10304/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

घिनां: 20-11-1986

मोहरः

४६५ वार्ड्ःही, हुन्एस_् ००००००००

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

सारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर नायुक्त ([नरीकाण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निदेण सं० ग्रई-1/337ईई/11352/85-86:-- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृस्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

और जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस न० 1012 जो, 10 वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर, प्लॉट नं० 207, नरीमन पाइण्ट, बम्बई—21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पावा गया प्रतिफल, निम्नितिवित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (%) बन्तरण से हुद्दे किसी बाय की बाबत, उपल बिधीनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक अर्थ दावित्य में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य क्यांसितयों की जिन्ही भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. मैसर्स 4 डी का गोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. रनूट्रोल प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई शक्कोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिनयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिसं में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपीत्त में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार जिल्हा में किया जा मकरें।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर बिधनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा सवा हैं।

अनुसूची

कार्यालय ने० 1012, जो, 10 वीं मंजिल, एम्बेसी, सेंटर, प्लाट नं० 207, नरीमन पाइण्ट, बम्बई--21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ई/10310/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-4–1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-1,**बम्बई**

दिनांक: 20-11-1986

प्रथम नाष्ट्री, सी. एन . एस

भावधार व्यक्तिमानमः, 1981 (1981 का 43) की वाच 250-च (1) के क्योंन सुमना

बाह्य सहस्रार

कार्याज्ञय, सहायक भायकर वाम्बत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नयम्बर 1986 सं० श्रई-1/37ईई/11353/85-86:-- श्रत मुझे,यनसार श्रहमद,

बक्रमकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्ते प्रचर्ने इसके पक्कारा, 'जबत विभिन्नियम' काहा गया है'), की पारा 269-क के अधीन संसाम प्राधिकारी की मह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पह्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 11-सी, जो 11वीं मंजिल श्रमेय म्रपार्टमेंटम, काशिनाथ धुरू रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, तारीख 28-4-1986 क्षो क्षोंक्श सम्बक्ति के खीचस बाजार मृत्य ते कम के दरमयान प्रक्रिकाल की लिए जन्दिरियों की यहाँ कौर मुक्ते यह विश्वास कारने का काश्य है कि दथाप्योंका सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, असके प्रथमान प्रतिकास है, ध्रेसे प्रथमान प्रतिकास का क्याह प्रशिवास से अधिक हैं और करतरक (कस्तरकों) और क्रमारवी (क्रम्सरिक्यों) के कीच एके क्रम्बुइन की सिए क्र क्तका थवा प्रतिपास विकासिकीच्या प्रमुखंस्य से सक्ता अस्तरण

सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (ध) मन्दारम सं हुन्द्र किसी माच की सबस्त, बक्त धीभिमियत्र से वधीम फर दोने के लव्यारक की अधिकाम मो कासी कारमें का ससमें क्याने भी अधीमध्य भी निकार मोंप्/बा
- (ख) एसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रबाण-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा की भिन्न

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती लिना सागी।

(भ्रन्तरक)

 श्री ग्रशोक सरीन और श्रीमती माला सरीन।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उच्य सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस की अभीष था तरखम्बन्धी व्यक्तियाँ पप्र सूचना की तानीक से 30 वित की अविष, जो भी कथीं पार में सजान्त होती हो, के भीतर प्रवेषिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में विशववृष्ध भिन्नी सन्य स्थापन क्यांक अधाहत्तावारी के पाड सिसिस में किए का सर्वों ।

स्पन्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त खन्दों और पक्षों का, आ सकत जिल्लीकर्य के सम्भाव 20-क में परिधायित ही, वहीं अर्थ होता, को उस अध्याय में विया नवा ही।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 11-सी, जो, 11 वीं मंजिल, श्रमेय ग्रपार्टमेंटस, काशीनाथ, धुरू रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/10307/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

The same of the sa

भायकर विधिनियम, 1961 (१961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सुख्या

RIES STATE

कार्यालय, सङ्घायक बायकर आयुक्त (निराक्षक) श्रर्जन रेंज--1, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई-1-37ईई/11355/85-86:— श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

जासकार अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसको परणात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास कारने का कारभ है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वासार सुम्प 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कार्यालय नं० 38, जो, 3 री मंजिल, मेकर टावर एफ, प्लाट नं० 73 ए, 74, 84, और 85 ब्लाक 5, बेकवे िक्लमेणन, कफ परेड बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके श्रवसाय प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित में वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:——

1. मैसर्स में ६र्स डेवलपमेंट सर्विसेस ।

(भ्रन्तरक)

- 2. मैंसर्स लोहिया मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लि०। (अन्तरिती)
- अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

स्त्री सह स्वामा भारी करकं वृत्तीं कर सम्पत्ति के बर्धन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

अवत सम्मतिक के सर्वन के सम्बन्ध में कोहा भी भारतर हरन

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों धव सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स रुपेंक्तकों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) १स सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हित्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शब सिक्षित में किए जा सकोंगे।

पद्यक्तिकश्याक्त कर्मा प्रयुक्त अल्दा आदि पद्यों का, जो उक्द, अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिक भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भाषित हैं।

अनुसूची

कार्यालय नं० 38, जो, 3री मजिल, मेकर टावर एफ०, प्लाट नं० 73 ए, 74, 83, 84 और 85, ब्लाक-5, बकवे रेक्लमेशन, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-1/37ईई/10308/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनाक <math>28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

विनांक: 20-11-1986

प्रकृप वार्ड . टी . एव . एव . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बरम्र 1986 सं० भ्रई-1/37ईई/11364/85-86:-- श्रत मुझे, निसार झहमद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सुस्व 1,00,000/-सः. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कार्यालय प्रिमायसेस नं० 1012, जो, 10 वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर, प्लाट नं० 207, नारीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रशासकर के लिए उन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रशासकर के लिए ते क्विस्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिए तर निस्तरित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) कन्तरण से हुई किसी जाय की, बाबत, खबत किमियम के खधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविका के जिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. 4-डी कारपोरेशन।

(भन्तरक)

2. रनूट्रोल प्रोइवेट लि०।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्बक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई की बार्कप ५---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सक्की.

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राविध है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवर नथा है:

नन्स्ची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 1012, जो, 10वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर, प्लाट नं० 207, नरीमन माइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० प्रई-1/37ईई/10309/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है!

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज−1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नधम्बर 1986

निवेश सं० श्रई-1/37ईई/11365/85-86.— श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कार्यालय नं० 68 बी, जो, 6वीं मंजिल, नरीमन भवन को-आप सोसायटी लि०, नरीमन पाइण्ट, जम्बई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 28-4-1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वीयित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-सर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्तत अधिनियम क्षे धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री वी० डी० मारकर।

(भ्रन्तरक)

2. डी० एस० मानव विकास फाउण्डेशन।

(ग्रन्तरिती)

3. भन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री ए० टी० पिकडिो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विकरणों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विशन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उसं अध्याय में दिया गया ही।

धन्स्ची

कार्यालय नं 68 बी, जो 6 ठी, मंजिल, नरीमन भवन प्रिमायसेस को-प्राप सोसायटी लि०, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि कं मई-1/37ईई/10317/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

दिनांक **।** 20-11-1986

इक्ष्म् आहें .टी. ह्यू. एच . क्ष्माना क्ष्माना

बारकार काँचिववच, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक भाषकाः, भागुकाः (विराजिकाः)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निवेश सं ॰ मई-1/37ईई/11366/85-86 — मत: मुझे, निसार भहमव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

और जिसकी संख्या 50 प्रतिशत श्रविभक्त इन्टरेस्ट 5 भाग में, जो नरीमन भवन प्रिमायसेस को० भाप० सोसायटी लिमिटेड में, कार्यालय नं० 688, 6ठीं मंजिल, नरीमन भवन, नरीमन पाइण्ट, बम्बई—21 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा भाय कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 28-4-1986

को प्रजित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के क्षवाल प्रतिपत्त की गई है और मुख्ये वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्थ्ये, उसके क्ष्यमान प्रतिपत्त हो, एवे व्यवमान प्रतिपत्त का स्थाप्य करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्थ्ये, उसके क्ष्यमान प्रतिपत्ति है, एवे व्यवमान प्रतिपत्ति (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य है कि स्थाप्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य प्रति कि से वास्तिक क्ष्य से क्ष्य क्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बागत, उक्त मृतिहित्वक की श्रीय कड़ वीचे के बन्दाइक के बाहित्य में कबी करवें वा क्यूबे व्यूवे में सुविधा के हिन्दु; ब्रीडि/याः
- ्त) ए'ती किसी बाब वा किसी धन वा करा नास्तियों को बिन्हों भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम के प्रवीतियम वा प्रवास प्रवास के प्रवीतियम वा धनकर वा धनकर

ः अप्तः ख़ब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः∽-- 1. श्री ए० टी० पिकाडों।

(अन्सरक)

डी० एस० मानव विकास फाउण्डेमान।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(वह क्यक्ति, जिसके ऋ<mark>धिभोग</mark> में सम्पत्ति है)।

3. श्री वी० डी० मारकर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्जुप क्ष--

- (क) इस इसमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीं ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नवीं में, जो भी वनीं नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब स्थना के राजपत में त्रकातन की तारीच थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तबद्ध किसी कम्म स्थानत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास विचित में किए वा सकोगें।

वन्स्ची

50 प्रतिशत, श्रविभक्त इन्टरेस्ट 5 भाग में, जो, नरीमन भवन प्रिमायसेस को० श्राप० सोसायटी लि० में, कार्यालय नं० 688, 6ठीं मंजिल. नरीमन भवन, नरीमन पाइण्ट, बम्बई 21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ०सं० ग्रई-1/37ईई/10316/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनांक: 20-11-1986

मोहर 🛭

प्रकप बार्ष. टी. एश., एस.

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउर 269 ज (1) के अभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक बायकर बायक्त (तिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नयम्बर 1986

सं ॰ श्रई-1/37-ईई/11372/85-86 -- श्रतः मझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 904, जो, 9वीं मंजिल, राज माला इमारत, 87-बी, नेपियन सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्षर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रथ के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से ऐसे ब्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्तत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्त, निम्निलिचित उच्चेद्रय से उक्त अन्तरण निविक्ष में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्स अभिनियम जी नधीन कार दोने जी अन्तरक औ वाक्रिक में कभी कहने या अससे अकने में सुविधा क निक्त, करिता
- ्क) एस किसी बाय या श्रिक्सी धन मा खन्य आरिशयों की, जिन्हें भारतीय आयकार ग्रिक्सिम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गना चाहिए था, छिपाने में सुविधा भें लिए:

अतः अबः, उप्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री स्वामी महन्त लक्ष्मण दास जी महाराज (महाराज लक्ष्मण दास गोकुल दास)।

(भन्तरक)

 श्री विवेक बनारसी लाल गुलाटी धौर श्रीमती ग्राशा विवेक गुलाटी

. (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी लाक्षीप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामीश से 30 दिन की जबिंध, जो भी संबंधि या में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) धस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर खनत स्थावर सम्मत्ति में हित- वस्थ किसी व्यक्ति स्थाय, अभोहस्ताक्ष्री के शास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिते हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

जन रहिची

प्लैट नं० 904, जो 9वीं मंजिल, राजमाला, इमारत, 87 बी, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/10315/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1, **बम्बर्ड**

विनांक: 20-11-1986

प्ररूप आहूर.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निवेश सं० श्रर्ध-1/37ईई/11373/85-86 — श्रतः मझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या कार्यालय नं० 517, 5 वीं मंजिल, प्लाट नं० 211, दालामल टावर, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-4-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं निकया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. मैसर्स दीपक इन्टरप्राइसेस।

(भन्तरक)

- 2. मैंसर्स स्प्रिन्ट लेलिंग कम्पनी प्राइवेट लि०। (मन्तरिती)
- मैंसर्स स्प्रिन्ट लेसिंग कम्पनी प्राइवेट लि०।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 517, जो, 5 वीं मंजिल, बालामल टावर, प्लाट नं० 211, नरोमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि क सं० भई-1/37ईई/10314/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निर्देश सं० भ्रई 1/37ईई/11374/85-86--भ्रतः मुझे निसार श्रहभद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फलै नं० 501, जो निशांत, 16 प्रस्टामाउट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 28-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तौरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे हरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अगय की नामत उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

बत: अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
15 ~396GI/86

(1) नारायणदास मुलचंत नेभनानी और श्रीमती नीमा नारायणदास नेभनानी।

(अन्सरक)

- (2) चंद्रसी सी० उदासी और वाय० एम० लायजावाला। (म्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरको।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) सिर्फ ग्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्सूची

फलैंट नं॰ 501, जो निशांत, 16, श्रल्टामाउट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्र $\frac{1}{37}$ $\frac{1}$

निसार भ्रहामद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनोक: 20-11-1986

प्ररूप आई.टी:एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सङ्घायकः बायकर जाद्कतः (निरोक्षणः) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बंग, 1986 निदेश सं० श्रई-1/37ईई/11375/85-86:—- अतः मुझे,

निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें एसके परवास् (उक्त अधिनियम) कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 93, जो, तल माला, ग्राणोका शापिंग सेंटर, जी. टी० हास्पीटल काम्पलेक्स, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबव अनुसूची में और पूर्ण रूत से बाणत है) और जिसका करायनामा श्रायकर श्रिष्ठनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28-4-1986 को पूर्विका सम्पत्ति के जिंचत बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जारे मुक्ते यह विष्याम करने है। अन्तरण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उत्पन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्याम करने है। अन्तरण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उत्पन्न है की प्रधान में एसे हहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिकां है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरित हैं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया कथा प्रतिफल, निम्तिचित्ति उद्योध्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से तिथा के लिए;

बर्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्छरण सें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :----

- पूरी कन्स्ट्रक्शन (बाम्बे) प्राइवेट लि०। (श्रन्त२क)
- 2. श्री कनुभाई बी० शाहा, धिरूभाई के शाहा (हि० ग्र० कु०), उमिला बेन डी० शाहा, ललित भाई के० शाहा, (हि० ग्र०कु०) अमोलाबेन एल० शाहा जगदीश के० शाहा (हि० ग्र० कु०), पेतन के० शहा और जगदीश कांतीलाल शाह (हि० ग्र० कु०)। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के संबंध में करेक् भी खाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत काक्तियों में संकिसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितकद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्चो

दुकान नं० 93, जो, तल माला, ग्रशोका शापिंग सेंटर, जी० टी० हास्पीटल, काम्पलेक्स, लोकमान्य तिलक मार्ग, बम्बई—1 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-1/37ईई/10312/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ¦ श्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

भक्त. **भार्च**. डी. एक. एक. -----

जाथकार अधिनिकन, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्त्र)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/11376/85-86:--- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 196. (1931 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उनत अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी संख्या दुकान नं 17, जो, तल माला, प्रशोका गापिंग सेंटर, जी टी हास्पीटल, काम्पलेक्स, लोकमान्य तिलक रोड, बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में जिस्ट्री है, तारीख 28-4-1986

की प्रोक्त सम्मित के उपित काबार मृत्य से कम के द्रश्यमान शितक के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मित का उजित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत के स्थमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और बंदरक (अंतरकों) बौर बंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पावा गया अतिकस, विम्तनिश्वित उक्षक्य से क्वत बन्तरण सिवित में आस्तिवक क्य से कवित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्धरम से हुई किसी बाग की बावत समस् मिन निवस में नपीन कर दोने के बन्धरक के दायित्य में कनी करने के उपने पे बुधिशा के सिछ. मीर/पा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन या बन्य वास्तियों की, चिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, वा धन-कर विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्दौरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया वाना करितृए था कियाने में सुविधा वे किया

बत: अब, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, अबस अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. पूरी कन्स्ट्रक्शन (बाम्बे) प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

2. म्रमरत लाल पोपट लाल मणियार (हिं० म्र० कु) और मन्य।

(भ्रन्तरिती)

क्रो यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

बज्ज सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध भे कोई। भी वासीत 🚎

- (क) इस त्यमा के राजपण में शंकाबण की स्मर्थक से 45 दिन की बदिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषणा की तामीस से 30 दिन की नवीं में भी संबंधि वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में त्रकासन की सार्थित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी मन्य स्थानत क्षारा नथोहस्ताकारी से पास निकास में किए आ सकोंगे।

स्थ्या कर्यः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यां और पदों का, को कक्क विभिन्नमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहें अर्थ होना, को उक अध्याय में दिवल क्या है।

नगृजुची

दुकान नं० 17, जो, तल माला, ग्रशोका शापिंग सेंटर, जी० टी० हापीटल काम्पलेक्स, लोकमान्य, तिलक रोड, अम्बई— 1 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/10311/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्रक्म आहु . टी. एम. एस. -----

भागकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा) 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986 सं० ग्रई-1/37ईई/11378/85-86-- ध्रतः मुझे निसार ग्रह्मद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रतः से मिथक 💕

और जिसकी संख्या कार्यालय नं० 93, जो, 9वीं मंजिल, बजाज भवन, प्लाट नं० 226, नरीमन पाइण्ट, बम्बई—21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-4-86 बने पूर्वेक्टर संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफन के लिए बतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्टत संपत्ति का उचित बाजार क्यमान प्रतिफन का प्रमुख क्यमान प्रतिफल का प्रमुख, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का प्रमुख, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एचे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्विय से उक्त अन्तरण कि बिचर में बास्तिक रूप से कि विद्या नहीं किया गया है ■—

- (क) नंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त विश्वनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उच्च वचने में सूविधा के लिए; नरि/या
- (ब) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के समोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुकिया के निए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित्त व्यक्तियों, अधितु ा—ा 1. भा॰ एक्सपोर्टस प्राइवेट लि॰।

(भ्रन्तरक)

2. शरन पुरूषोतम लाल खन्ना ।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरकों

.(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करले पूर्वीक्त संवीत के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच तें 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भा अविध बाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिले वद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्थाप, अपोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनु सूची

कार्यालय प्रिमायसेस नीबजाज भवन में, प्लाट नं० 226, कार्यालय नं० 93, 9वीं मंजिल, नरीमन पाइण्ट, यम्बई-21 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं धई-1/37ईई/10318/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनांक: 20-11-1986

प्ररूप बार्षः टी. एन . एस .---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 20 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/11382/85-86--श्रनः मुझे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

म्रीर जिसगी सं० फ्लैट नं० 19, जो 7थीं मंजिल कला-निकेतन को०-म्राप हाउसिंग सोसायटी लि० 47सी भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिट्टी है तारीख 29-4-1986

को पूर्वा कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को इहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीध को एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती मोहनी लालचंद थडानी।

(मन्तरक)

- (2) मेसर्स युनियन कार्बाइड इंडिया लि०। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति संपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 19, जो 7वीं मंजिल कलानिकेतन, कला निकेतन को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० 47 सी भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई 1/37ईई/10319/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 20-11-1985

प्ररूप आहु^रंटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्र $\xi-1/37\xi\xi/11390/85-86$ —श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्य से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संव पलैट नंव 124, जो 12वी मंजिल, मेकर टावर—जे, ब्लाक—5, वक्बे रेक्लमेशन, कफ परेट, बम्बई—5, में स्थित है (ग्रौर इससे उपबाद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है। तारीख 29—4—1986

को पूर्वोक्त रुम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मेसर्स मेकर्स डेव्हलपमेंट सर्विसेस प्रायवेट लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स वेरनॉन ट्रेडर्स प्रायवेट लि०। (भन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरितियों। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की लारांख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दीं और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया हैं।

अन्स्ची

फलैंट नं ० 124, जो 12 वी मंजिल, मेकर टावर— जे, ब्लाक 5, बकबे रेक्लमेशन कफ परेड, वम्बई—5 में स्थित है।

ग्रमुसूची जैसा की कि सं ग्रई-1/31ईई/10320/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-1 बम्बई

दिनांक: 20-11-1986

प्ररूप आइ¹.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986 निर्देश सं० म्रई-1/37ईई/11391/85-86--म्रतः सुझे, निसार मस्मद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संज कार्यालय प्रिमायसेम नंज 120, पहली मंजिल, मेकर वेंबर्स नंज 5, प्लाट 221, नरीमन पाईंट, बम्बई-21 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29-4-1986

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ज) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नेलियित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती कमला जी वासवानी ग्रौर श्रीमती ग्रनीता एम० मिरचंदानी।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स मिल्वर लाईन इंडस्ट्रीज। (ग्रस्तरिती)
- (3) श्रन्तरकों। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्थव्यकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 120, जो पहली मंजिल, मेकर चेंबर्स-5, प्लाट नं० 221, नरीमन पाईंट, बम्बई-21 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-1/37ईई/10321-85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांके: 20-11-1986

प्ररूप सार्इ.टी. एन . एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्वे इसके परचात् 'स्कत् विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 14, जो ब्लाक नं० 5-बी पहली मंजिल, श्याम निवास भुलाभाई देसाई रोड बम्बई-26, में स्थित है (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 30-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के क्यामाध्य प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार शुन्य उसके क्यामान प्रतिकल से, एसे क्यामान प्रतिकल का रुख्य प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर विद्या प्रतिकल के लिए तम पाना गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत से बास्तिवक कर से क्याय नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की बाबया, उच्या बिपिनियम के अभीत कर धीने के अंभरक के बामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'ली किसी नाय या किसी धन या नम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त की धित्रयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना बाहिए था, छिवाने में श्रीका की किया;

शतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) काउक्तेय, निम्नितिसित व्यक्तियों, समोंख हु--- (1) श्री शोजराज के० वासवानी और कुमारी कलावती के० वासवानी।

A STATE OF THE STA

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्दरी के० कृपलानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्वतित्यों में से किसी क्यक्ति इवाहा;
- (अ) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य मान्ति ब्राया, जनाहस्ताकरी के पास निश्चित में किसे का क्केंगे.

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उक्क कृष्याय में विशा क्या हैं।

वरवर्षा

फ्लैट नं० 14, जो ब्लाक -5धी, पहली मंजिल, श्याम निवास, भुलाभाई वेसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कै० सं० ई-1/37ईई/10323/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रस्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक. 20-11-1986

मोहरः

प्ररूप नाह<u>ै, टी. एन . एस ..</u> -------

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 20 नवम्बर, 1986 निदेश सं० अई-1/37ईई/11404/85-86—श्रत: मझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव प्लेट नंव 1, जो तलमाला, जय महल, ए-रोड, चर्च गेट, बम्चई-20 में स्थित से (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 30-4-86 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इदयमान प्रतिफल में, एसे इदयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रीतफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) कन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिरुक में करी करने या एससे भूमा में सुनिया के लिए: और/मा
- (क) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों सरे, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरप्टा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को पण्डेकनार्थ जन्तिरिती द्वारा अक्ट नहीं किया गया भा मा निया जाना चाहिए था, छिपाने में सचिया अं किया:

- (1) श्री रिव पोदार और श्रीमिति उमादेशी पोदार। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री थल्काशम्राङ्य ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत संपत्ति को अर्ज्यन को संबंध में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगरा भी

फ्लेट नं रा, जो, तल माला, जय महल, ए रोड, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10322/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 30-4-86 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई**

तारीख: 20-11-1986

प्रक्ष बाह् <u>टी. एन . एव</u>

शायकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा भारा 269-व (1) में स्पीन स्पना

ALC: STAIR

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1986

बस्बर्ध, दिनाक 28 नवस्बर, 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे डगमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका छिषत बाबार भूक्ष्म 100000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तलमाला, श्रीर बेसमेंट, जो, "श्रंजली" इमारत में, फ़ेंच ब्रीज, श्रापेरा हाउस, बम्बई-7 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रंधिनियम, 1961 की थारा 269 कख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिपत्त को निए अन्तरित की नार है सौर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्या, उत्तक दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल सा पत्सह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए सब बाबा पया प्रतिफाल, निम्मीसिंख समूख्य से उज्ज अन्तर्क्ष निस्ति में वास्तियक क्षा से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी नाय की बानवा, उक्त अधिनिवृद्ध के सुर्वीय सक्क बने में श्राम्यक की वाजिएन के कानी किसने वा बन्नते बन्नते में हुँचिका के लिए; और/या
- (ल) एंगी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें सारतीय नाव-कार निविधित्र , 1922 (1922 का 11) वा उन्तर विविधित्र , वा धन-कार विविधित्र , 1957 (1957 का 27) के प्रवोदानार्थ कर्तीहरू वृद्धार प्रकट नहीं किया गया था वा किया गांगा माहिए था, किया में स्विधि के लिए;

वृत: सम, सम्मत नरिभनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेमर्म राजा बिल्डर्स एण्ड इन्वेस्टमेंट्स प्रा० लि० । (ग्रन्तरक)
- (2) मेमर्स छोखी इन्डस्ट्रियल प्रा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके प्रदेवित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

बाबत हंगीरत के मर्कन के हंगंप में कार्य भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की संविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिए, जो भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध कियी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः —-इसमी प्रयाक्त शब्दौं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मीं दिया गया हौ।

मगभ भी

तल माला और वेसमेंट जो ''ग्रंजनी'' ग्रमीरात में, फ़ेंच ब्रिज, भ्रागरा हाउस, वस्बई-७ में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-1/37ईई/10336/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 को रिजस्टई या गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राथिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

नारीमा: 20-11-1986

मुख्य कार्याः स्टीन पुर्वे । पुर्वे श्रमनावनसम्बन्धाः

जाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

सारत सरकात कार्यासन, सद्वायक अध्यक्तर आयुक्त (निर्याचन) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986 ग्रई-1/37^{ईई}/11498/86-86**--ग**त: निदेश सं० मझे, निसार ग्रहमद,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स् को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपयो वे विभक्त ही

भौर जिसकी सं अगोदास प्रिमायसेस जो, इस्टर्न चेंबर्स में, प्लाट नं । 128-ए, पूना स्ट्रीट, ग्रीर तन्दलाल जानी । रोड, का जंकणन बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्युची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिअस्ट्री है तारीख 1-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पुल्लि के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल है, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय गाया वया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्दर्भम से उन्त नन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुइ किसी काय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर योगे के बन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क्ष) एंसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य जास्तियों का जिन्हें भारतीय जायकर जभिनियम, (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया वायाकियाजाना वाहिए था, छिपानं में सुविधा चे सिए।

नतः भव, उक्त निधिनियम की धारा 269-न के नन्सरन में, में, चक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के कभीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों वर्षात् ए---

- (1) श्री रतीलाल शांतीदास गहा श्रीर ग्रन्य।
- (2) मेसर्स गुड डिग्नल कारपोरेशन (भागीदार) श्री श्रशोक श्रार० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना वारी करके वृत्रीक्त सम्पत्ति के वर्णन के भिए कार्यशाहियां सूक करता हुई 🥼

उन्त बन्दरित से वर्षन से बन्दर्भ में कोई भी शक्षां हरू

- (क) इस स्थाना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्चनाकी सामील सं 30 दिन की व्यविध, यां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर भ्यक्तियों में से किसी **व्यक्ति प्**रारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकते।

रचम्बीक रणः - इसमें प्रयुक्त सम्बं जोड़ पदों का, को सम्बद्ध अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा को उस वध्याय में दिया नवा 👫 🗈

अन्स्मी

गोदाम प्रिमायसेस जो, ईम्टर्ने चेंबर्स में, प्लाट नं 128-ए, पुना स्ट्रीट, और नन्दलाल जानी रोड का जंक्शन, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुम्ची जैमा कि ऋ० मं० भ्रई-1/37ईई/1032/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार ग्रह्मव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख : 20-11-1986

प्रकर बाइ . बी. एन. एस. ------

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

गारा 269-व (1) के नवीन क्षवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आवृत्यत (निर्यालक)

ग्रर्जनरें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवस्बर, 1986

सं० श्रई-1/37ईई/11507/85-86—न्ध्रत: मझे, निसार श्रहमद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवात् 'उनत विभिनियन' कहा गया है), की भारा 269-सू के नभीन शक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित् दावार मूच्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीरें जिसकी सं० फ्लंट नं० 24, 2री मंजिल, इमारत नं० 1, नवयुग नगर, को०-श्राप० हाउसिंग सोसाउटी लि०, 662, फोर्जेट हिल रोड, बम्बई-36 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की थारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-5-1986

को पूर्वोक्य सम्मति के उणित नावार मूज्य से कव में इक्साब् इतिकत्त्र के निए जंतरित की गई है और मूक्ते यह निरमास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजित नावार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का वन्द्र प्रतिकत से शांतक है और संतरक (संसरका) और वंतरिती (संतरितिका) के भीज एसे अंतरण के जिए तथ पाना बना प्रतिक कन निम्मतिकित उद्वर्षक से उक्त संतरण सिकित में नास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिक्म के स्थीन कर दोने के अंतरक जी दायित्व में कभी करने या असर्व वच्छे में स्विध्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जगदीण दौलत राम हरीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दुलाभाई धर्मशी पटेल और भ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिथिभोग में सम्पत्ति ह)।

को बहु ब्यमा बारी करके पूर्वोक्त प्रव्यक्ति के वर्षन के क्षिय कार्यभाष्ट्रियां करता हूं।

उन्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप ह---

- (क) इस सूचना को राजपंत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ स्थितत्यों मों से बिल्सी स्थलित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्देश किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी औं पास निवित में किस का सकेंगे।

स्वक्षीकरण: इसमें प्रयास शब्दों आहि नदों का, को बक्स किनियस के कथाम 20-क में परिभाविद है, यही अर्थ होगा आं उक्त अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 24, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 1. नवसुग नगर, को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 662, फोर्जेट हिल रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37ईई/10349/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1986 को रजिस्टर्न किया गया है।

निसार श्रहमद मक्षम प्राथिकारी महायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बर्ष

तारीखा: 20-11-1986

मोहरः

करण बार्ट ही. एन . एस . -----

कायफार अधिकायह, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नवीर सूचना

भारत सरकार

भागान्य, रहायच अध्यक्तर आवजन (भिराजिण) अर्जन रेज-1, यम्बर्ट वम्बर्ड, दिनांज 20 नवम्बर, 1986

निदेण मं० श्रई-1/37ईं5/11639/85-86—- श्रत: मुझे, निमार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उद्धत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मून्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नाफीस कों०-श्राय० हाउनिस थोसाइडी थि०, प्रेंट सं० 2, 1 ला भाला, नाफीस प्रेंबर्स, कर्माक रोड, चम्बर्टी में स्थित है (श्रीर इससे उपान्छ अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से बणित है), श्रीर जिसका करारनाम श्रीयकर श्रीविधिक, 1961 की धारा 269 कुछ के श्रीधीन, वम्बर्ध थिव सक्षम श्रीविधिक कार्यास्य, में रजिस्ही है तारीख 20-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति हो विस्त ताकर मृत हो कम की दश्यमान प्रतिकृत को लिए अन्तिरित की भवा हो आर मृत यह विस्तान करने का कारण हो कि वनाध्योतित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे इश्यमान प्रतिकृत को एसे इश्यमान प्रतिकृत का देवह प्रतिशत से अभिक हो और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया एतिकृत, निम्नितिशत उप्रकृत में उस्त अन्तरण जिल्लिक हम से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) योगपण में हुए किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियक के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित मो कमी करने या उसस बचने मो स्विधा के लिए; आर/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी बन या जन्म आस्तिमों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अविविधमः 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियमः या धन-कर अधिनियमः 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिप्राने में सुविधा के लिए;

भतः, जल, उस्त कांसिक्ष, की भारा हुत्तक न क व्यक्तिस्म मा, मी, उन्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपभागः (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) श्री जवाहर लाल आह्यालाल कारिया और श्री वीर चन्द जेटालाल कारिया !

(ग्रन्तरक)

- (3) श्री ग्रार० एन० गाहावी ग्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)
- (३) श्री जे० नी० कारिय! ग्रीट प्रस्य ।
 (बह व्यक्ति जिसके श्रीधभीग में सम्पत्ति है) ।

का गर सुपना अन्य करके पृथावत संपत्ति **के अर्जन के लिए** कावकर्नान करता हो।

उचल अप्पांक्त के समय के लंबिय के कांद्र भी बाक्षेप हरू

- (क) इस ावना क्ष राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख से 40 किए को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचक को तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी कारीब बाद मी समाका होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस जबका के तायाय को क्रकासन की तायांख सो 45 कि को भीकर उदल स्थावर सम्पत्ति मो हितवद्ध किकी अव्यावसिक्त द्वारा अधोहम्काक्षरी की पास निक्ति को किए जा सकीगे।

साध्यांकात्मा ज्ञान्य अन्यां आर पदो का, जो उक्त निधिनिधम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् स्पी

नाफीस को प्राप्त हाउगिम सोसाइटी लि०, फ्लेट नं० 2, क्लामाला, नाफीन चेंबर्स, कर्नाक रोड, बम्बई-1

ग्रनुसूची जैसा कि कर्र संर ग्रई-1/37%ी10405/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1986 को रिज़र्ट ई किया गया है ।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनरें ज-1, बम्बई

तारीख : 20-11-1986

त्रक्त बाह्य, ह्यू, एन , पुंच ,-----------

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकार आयुमक् (सिरीकाप)

ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986 निदेश गं० ग्रई-1/37ईई/11654/85- 86—न्य्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' केंद्रा गया हु"), की पाछ 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रौर जिसकी सं० प्रिमायसेस शाप नं० 1, एवरेस्ट विल्डिंग, तल माला, 156, तारदेव, रोड, तारदेव बस्वई-34 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनाम श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रथीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 26-5-86

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रुस्य, उसके परवान प्रतिफल से एसे परवान प्रतिफल का पन्तर को पन्तर से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीप कर बने के अन्तरक के दायित्व धें कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लियं;
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी वन या अन्य वास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर किंपिनियम, 1922 (1922 के 11) या उनन विधिनियम, या बन- कर विधिनियम, 1957 (1957 कर 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्थत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में उत्पत्त अधिनियम की भारा 269-च की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सोमय्या चित्र्चन दूस्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स फार वीडिश्रांफिल्मस् प्रा०लि०।

(ग्रन्तरिती)

(3) सोमय्या चिल्ड्रन ट्रस्ट ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभाग में सम्पत्ति है)।

(4) सोमय्या चिल्ड्रन ट्रस्ट।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति । में हितबढ़ हैं)।

को यह मूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्मत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी नासीय ह---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की वशिष में तस्सम्बन्धी काकित्यों पर स्थान की तासील से 30 दिन की क्यांग, को भी वस्ति वास में क्याप्त होती हो, के भीतर प्रोंक का काथित में के किसी काकित स्थापा;
- (ल) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृदारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम के अभाव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वस है।

जन्तुर,

प्रिमायसेस णाप नं ।, एवरेस्ट विविडग, तल माला, 156, तारदेव रोड, तारदेव, बम्बई-34 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रर्ट-1/37ईई/10411/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 26-5-86 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी भहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखा: 20-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ज-1. वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1986

निदेश सं० भ्रई-1/37ईई/11655/85-86--- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर गिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 511, जो, 5वीं मंजिल, सी-विंग कैलाण, माउण्ट कैलाण को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 293 बेलासिस र्ंड़ बाम्बे मैंट्रंल, बम्बई-8 में स्थित (ग्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से बाजित है) श्रांर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में नारीख: 26-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखन में वास्तिवक मण से किथित नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; औड़/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपानं में स्थिध के लिए।

आतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्निलिसिक म्यानितयों, मर्थात्:--- (।) माहम्मदभ्रली कादरजी मानीवाला ।

भ्रत्तरक)

- (2) श्रब्दुल माजिद श्रब्दुल मनार मिठानी। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारौंच से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारिक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पर्दों वा, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में क्या गया है।

अनुसुची

फ्लेट तं० 511, जो, 5वीं मंजिल, सी-विंग, कैलाण, माउण्ट कैलाण को०-ग्राप० हाउसिंग सोमाइटी लि० 293, बेलासिम ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/10412/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-5-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 20-11-1986

महत्त् बार्षः, दी. एतः एहः .-----

बायका अधिनित्रम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अभीत स्थता

नारत स्राचान

कार्यालय, वहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1. बस्बई

बस्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ऋई-1/37ईई/11503/85-86--- स्रतः मझे, न सारश्रहमद,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्र ौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 24, युत्वाविकार प्रसाद इमारत, मंगलवाडी, गिरगांव, बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रियिनयम, 1961 की घारा 269 कुछ के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5-5-1986

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करले का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्ता उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अन्तरितका) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तब गाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से जन्म अन्तर्थ विकित वास्तिक रूप से सिंबत कर समार्थ विकित वास्तिक रूप से सिंबत कर समार्थ विकित

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाम की बाबत, उक्त नियम के अमीन कर दोने के अन्तरक के दाकित्व हो सती करने या उसमें दचने हो सुविधा के निव्यु सौद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिल्लीखत व्यक्तियों अधीत :--- (1) श्रीमति क्स्म केशव ग्रापटे

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजकुमार चन्द्रभान ग्रग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्छ सम्पत्ति के बर्चन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

डक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई' भी आमेप :--

- (क) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हितडद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित के किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त राजिया में अध्याद 20-ल में प्रीप्ताणित हो, वहीं वर्ष होंगा को उस सध्याय में दिया सभा हैं।

अम्स्यो

फ्लेट नं० 24, जो, थुतपापेश्वर प्रसाद इमारत, मंगलवाडी, गिरगांव, बम्बई-4 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसा कि कर संरु ग्राई-1/37ईई/10348/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 20-11-86

प्ररूप आई, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिविसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रंज-हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 श्रगस्त, 1986

निदेश सं अगर ० ए० सी०/ नं० 12/86-87-- अतः मुझे, टी० गोरख नाथन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संब क्लेट नंब 4-4 है, जो प्रिमायसेस नंब 6-3, 65 % सोमाजीगृड, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख 4-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बानार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गम् की आरि सक्षे यह विश्वास

करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वीक्त अभ्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अभिक हैं और अंतरके (अंतरकों) भीर अंतरिती (अन्तरितियों) के मीच एरें अन्तरण के लिए तय पाण गरा धतिष्याल, निम्नालिकित सब्दारिय में उक्त कलरण विभिन्न गी बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) करतरण संहुद्ध किसी साथ की शावस, उच्छ विधिनियम के अधीन कर दोने की अस्तरण की **वर्गियत्य में कभी क**पने था उससे खलाने में स्वीतिशा

के लिए; और/या

(स्र) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्नियाँ को, जिन्हे भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा अकट बहुति जिला गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मी सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त शिक्षिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिसित्त व्यक्तियों, अधीर :---17-396GI/86

(1) मेरासं भ्रमत इस्टेट प्रा० लि० रिप्रेजेंटेड वाई मेनेजिंग पार्टनर श्री बाई राजीव रेडडी, रजिस्टर श्राफिस नं ० ६, ३-६५३, मोमा जीगडा, हैदराबाद-82

(2) श्रीमति लिलता वेंकट रमन पति श्री श्रार० वेंकट-रमन घर नं० 8-3-960/3, श्रीनगर, कालोनी रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 🜓 ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियां में से किसी ध्यक्ति दवारा ;
- (स) इस गुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिमित में किए या सकोंगं।

रपष्टाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उकन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 🚦

नम्सवी

फ्लेट नं० 4-4, इमारत विस्तीर्ण 2472 चौ० फुट, 4णा मंजिला, ध्रुवतारा प्रिमायसेत नं० 6-3-652, सोमाजीगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1455/86, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद ।

> टी० गोरखनाथन यक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-8-1986

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 17th November 1986

No. A.32013/2/86-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hore basis for the period shown against each or until further orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of U. P. S. C. (Staff Regulations, 1958:—

S. No. Name & Period

S/Shri

- 1. H. S. Bhatia- for a period of 3 months w.e.f. 17-11-1986 (AN) to 17-2-1987.
- 2. S. C. Jain-w.e.f. 10-11-1986 to 31-12-1986.

The 1st December 1986

No. A.32013/2/86-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS endre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-loc basis for the period shown against each or untill further orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of U. P. S. C. (Staff) Regulations, 1958.

S. No. Name & Period

S/Shri

- 1. B. N. Arora---26-11-86 to 9-1-87 (AN)
- 2. B. D. Sharma-26-11-86 to 9-1-87 (AN)
- 3. D. R. Madan-26 11-86 to 9-1-87 (AN)
- 4. Dhanish Chandra-26-11-86 to 9-1-87 (AN)
- 5. S. D. Sharma-26-11-86 to 9-1-87 (AN)
- 6. P. D. Srivastava—26-11-86 to 9-1-87 (AN).

No. A. 32013/5/85-Admn I.—In continuation of this office Order of even number dated 18-9-86, the President has been pleased to appoint Shri Virender Bhatia and Smt. Bhavani Thyagarajan, Grade I officers of the CSS included in the Select List for Selection Grade for the year 1985, as Deputy Secretaries o ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of 3 months with effect from 1-12-86 to 28-2-87 or till the date their appointments are regularised, whichever is earlier.

M. P. JAIN

Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING
ADMINISTRATIVE REFORMS

PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

DFPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 003, the 8th December 1986

No. A-20023/3/76-AD-V.—Shri Z. N. Shaikh/Public Prosecutor/CBI relinquished the charge of his office in the afternoon of 30th November, 1986, on superannuation,

D. P. BHALLA

-Administrative Officer (E)

CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 4th December 1986

No. A.VI-2/86-Estt.I.— The President is pleased to appoint the following persons as Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in the Central Reserve Police Forco in a temporary capacity until further orders and posted to the units as noted against each.

2. They have reported to ISA, CRPF. Mount Abu for training and have taken over charge of their post on the dates noted against each :-

Si. No.	Name	Date of taking over charge	Unit
1. Shri	Balbir Singh Sidhu	17-11-86(FN)	48Bn.
2. Shri	Vinod Chandra Kala	15-10-86(AN)	GC
			Durgapur
3. Shri	Ajay Kumar Pandey	11-10-86(FN)	46Bn.
4. Shri	Anil Vyas	15-10-86(AN)	70 B n.
5. Shri	Sudhakar Upadhyay	27-10-86(FN)	21Bn.
6. Shri	Satpal Rawat	28-10-86(FN)	35Bn.
7. Shri	Mahesh Kumar	13-10-86(AN)	62Bn.
8. Shri	Daljit Singh Lakha	15-10-86(AN)	GC Moka- mehghat
9. Shri	Satpal Kapoor (SSCO)	29-10-86(FN)	52Bn.
10. Shri	S.S. Dogra (SSCO)	30-9-86(FN)	86 B n.
11. S hri	Chhaju Ram (SSCO)	30-9-86(AN)	75Bn.

The 5th December 1986

No. O.II.1379/77-Estt-I.—Consequent on his Compulsory retirement from Government service, Shri D. C. Kaushik relinquished the charge of the post of Dy. S. P. 46th Bn., CRPF, in the forenoon of 27-7-1986.

The 10th December 1986

No. O.H.340/69-Estt-I.—Shri Jose. V. Jacob, Asstt. Commandant of Group Centre Central Reserve Police Force, Pallipuram, has been struck of strength of the Force w.e.f. 31-10-86 (AN) on acceptance of his request for Voluntary retirement.

No. O.II.919/71.Estt.I.—Consequent on his retirement on superannuation, Shri Suchet Singh, Asstt. Commandant of 32 Bn CRPF, relinquished charge of the post w.e.f. 30-11-86 (AN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI

Asstt. Director (Estt).

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 9th December 1986

No. E-16013(2)/12/86-Pers.—On appointment on deputation Shri Abullais Khan, IPS (WB: 77) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 17th November, 1986.

The 10th December 1986

No. E-16013(2)/12/86-Pers.I.—On appointment on detirement from Govt, service on attaining the age of superannuation. Shri C. L. Tripathi, relinquished charge of the

post of Assistant Commandant, CISF Unit, BALCO, Korba (M. P.) in the afternoon of 31st October, 1986.

D. M. MISRA Director General/CISF

INDIAN AUUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 8th December 1986

No. Admn.I/O.O.No. 222.—The Director of Audit, Central Revenues-I, has ordered under 2nd proviso to the F. R. 30 I, the proforma promotion of Shri J. P. Mathur, a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office, to the grade of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-75-3200-I:B-100-3500/- with effect from 13-11-1986 (F.N.) until further orders.

\$d/- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

(AUDII) I, BIHAR

Patna, the 5th December 1986

No. Admn.I(Audit)1/20-5 '994.—The Accountant General (Audit) I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Section Officers to officiate as Asst. Audit Officers (Group 'B') gazetted until further orders, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040/- (Revised scale Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-) with effect from the dates indicated against their names:—

St. No. Name Date of promotion/ taking over charges

- 1. Sri Dewvrat Pandy 'Awanindra'-17/9/86 (F.N.)
- 2. Sri Vinay Ranjan Karna-6/10/86 (F.N.)

Sd/- ILLEGIBLE

Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) ORISSA

Bhubaneswar, the 8th December 1986

No. Admn.I(Au)-17-7-1943.—The Accountant General-I has been pleased to appoint substantively the following officiating Audit Officers of this Office in the cadre of Audit Officers with effect from the dates noted against each.

S/Srl

- 1. Radhakanta Nayak-1-6-86
- 2. D. N. Biswas-1-7-86
- 3. A. N. Biswas-1-10-86
- 4. D. S. Patnaik-1-10-86
- 5, G. S. Prakasa Rao-1-10-86.

M. G. MHASKAR Sr. Dy. Accountant Genl. (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 10th December 1986

No. Admi.I(Audit)/P.13044/1146.—The Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers to the post of Audit Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 840-40-100%EB-40-1200/- (now Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/-)

in an officiating capacity till further orders from the dates noted against each :- -

Sl. No. Name & Date of Promotion

S/Shri

- 1. Prem Chand Sharma-29-8-86 (A.N.)
- 2. L. P. Bhargava—29-8-86 (A.N.)
- 3. Bhagwati Lal Vyas- 29-8-86 (A.N.)
- 4. Satya Narain Arora—29-8-86 (A.N.)
- 5. Anwar Singh Yadav--1-10-86 (F.N.)
- 6. G. P. Sinha—1-10-86 (F.N.)
- 7. Basanti Lal Jain-1-10-86 (F.N.)
- 8. Bhagwan Sahai Saksenn- 1-10-86 (F.N.)
- 9. Nand Lal Lavti---28-11-86 (F.N.)
- 10. Srinarain Bhargava -28-11-86 (F.N.).

No General (Audit) P-13044/1146.—The Accountant General (Audit), Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Section Officers (Audit) to the post of Asstt. Audit Officer (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040/- (now Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-) in an officiating capacity, till further orders from the dates noted against each:—

- Sl. No. Name & Date of Promotion \$/\$hri
 - I Girdhari Singh---29-8-1986 (A.N.)
 - 2. R. C. Katiyar—29-8-1986 (A.N.)
 - 3. Kumer Chand Jain-29-8-1986 (A.N.)
 - 4. Dinesh Chand Garg 1-10-1986 (F.N.)

Sd/- ILLEGIBLE

Sr Dy. Accountant Genl./Admn.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 11th December 1986

No. AN/I/1172/1/Vol-IV.— The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against their names) to officiate in Level-II of the Senior Administrativo Grade (scale Rs. 2250-125/2-2500/-) (pre-revised) of that Service, under 'Next Below Rule' with effect from the dates shown against their names and until further orders:—

Sr. No.	Name of the Officer	Date	Where serving
1. Shrì S.S. Savadi		18-11-1986	Director of Accounts, Directorate General, National Security Guard,
			Ministry of Home- Affairs, New Delhi.
2. Shri G.S. Rajamar		18-11-1986	Officer on Special Duty, (Finance) Radar-Communication,
			Project Office, Minis- try of Defence, New Delhi.

No. AN/1/1172-1/Vol-IV —The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-II of the Senior Ad-

ministrative Grade (scale Rs. 2250-125/2-2500/-) (prerevised) of that Service, with effect from the dates shown against their names and until further orders:—

- 1. Shri Natarajan Gopalan-18-11-86 (FN)
- 2. Shri B. C. Joshi-18-11-86 (FN)
- 3. Shri Arun Kumar Lal--24-11-86 (FN)
- 4. Shri Bhanu Dutt Singh-18-11-86 (FN)
- 5. Shri Amar Chand-18-11-86 (FN).

D. K. CHET SINGH

Addl. Controller Genl. of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th November 1986

IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1602/86-Admn(G)/5269.—Smt. S. S. Date. Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay has been permitted to retire voluntarily from the forenoon of the 1st April, 1986.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 5th December 1986

No. 2(94)EST-1/86/5074.—Shri H. K. Dharod officiating on ad-boc basis as Assistant Director Gr. II (P&D) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, voluntarily retired from Government service from the forenoon of 29th October, 1986.

No. 2(22)EST-1/86/5083.—Shri M. R. Gohel, Assistant Director Gr. II(NI) who was officiating as Assistant Director Gr. I(NI) on ad-hoc basis in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, voluntarily retired from Government Service from the forenoon of the 16th September 1986.

ARUN KUMAR

Textile Commissioner.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRY)

New Delhi, the 28th November 1986

No. A-19018(740)/84-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to accept the resignation of Shri S. K. Tewari, Assistant Editor (Hindi) from Government Service with effect from the afternoon of 10-8-1986.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn).

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL

ubla 7.... ... all berittelik.<mark>...</mark>attuat

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 3rd December 1986

No. E1-12(89)/86(.).—Consequent on resumption of duty by Shri E. P. Narayanan, Asstt. Iron & Steel Controller, Shri Sushil Kumar Dey, who was appointed to the post of Asstt. Iron & Steel Controller on temporary basis against leave vacancy w.c.f. 1-10-1986 (FN) is hereby reverted to the post of Superintendent in the scale of pay of Rs. 2000-3200/-with effect from 17-11-1986 (F/N).

D. K. GHOSH

Iron & Steel Controller.

Calcutta-20, the 10th December 1986

No. El-12(88)/86(.).—On attaining the age of superunnuation, Shri K. P. Chatterjee, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from 1-12-1986 (F/N).

S. K. SINHA

Dy. Iron & Steel Controller.

KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 2nd December 1986

No. 8256B/A-19011(AKD)/85-19A.—The President of India is pleased to appoint Dr. Adhip Kanti De to the post of Mineralogist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24-10-86 until further orders.

A. KUSHARI

Director (Personnel) for Director General.

Calcutta-16, the 5th December 1986

No. 8305B/A-19012(4-MKB)/82-19B,—Shri Modhukar Kothiram Bhoyar is appointed as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th September 1986, until further orders.

The 8th December 1986

No. 8320g/A-32013(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicist (Ir.) GSI, on promotion to the post of Geophysicist (Sr) in the same department on pay according to sules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in officiating capacity with effect from the dates mentioned against each until further orders.

- 1. Shri I. C. Madhusudan wef. 10-9-86 (F/N).
- 2. Shri G. Kameswara Rao wef 10-9-86 (F/N).

A. KUSHARI

Director (Personnel)

Geological Survey of India.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 8th December 1986

No. A-19011/39/85-Fstt.A.PP.--On his retirement after attaining the age of superannuation Shri N. N. Subramanyan, Director (Ote Dressing) is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st

December, 1986 and accordingly his name has bene struck off the strength of establishment of this department.

(Sd/-) ILLEGIBLE
Asstt. Administrative Officer,
for Controller General
Indian Burcau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi-1, the 29th October 1986

No. 6/60/86-SII.—Consequent on his transfer from All India Radio Gangtok on promotion. Director General Doordarshan is pleased to appoint Photon K. Das, as Administrative officer at Doordarshan Kendra, Bombay with effect from 20-9-1986 (F/N).

The 26th November 1986

No. 6,61/80-8.11.—On attaining the age of superannuation Shri R. P. Sharma, Administrative Officer at Doordarshan kendra, Rajkot, retired from Government service with effect from 31-10-1986 (A/N).

B. S. SANDHU
Dy. Director (Admn.)
for Director General Doordarshan.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

employees and a process of the entry of the entry of the control of the control of the control of the entry of the control of the entry of the control of th

New Delhi, the 4th December 1986

No. A-12026/3/80-Estt.—The Director of Advertising and Visual Publicity is pleased to appoint Shiri Bhaskar Nayar, Technical Assistant (Advertising). Directorate of Advertising and Visual Publicity to officiate as Assistant Media Executive in the same organisation with effect from the forenoon of 17-9-1986 until further orders.

S. L. SINGLA Dy. Director (Admn.)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PFRSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 8th December 1986

No. PA/73(18)/86-R-IV/H-1250.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Kum.) Surekha Ramdas Shet as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from December 1, 1986 (forenoon) for a period of three years.

C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 12th December 1986

No. G/1962/Med/Estt.I|4701.—Dr. Vinayak Venkatesh Garde relinquished charge of the post of Resident Medical Officer (F.T.A.) on 1-11-1986 A/N consequent on resignation

K. VENKATAKRISHNAN
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY INARORA ATOMIC POWER PROJECT

N. A. P. P. Township, the 2nd December 1986

No. NAPP/Rectt, 11(6)/86-S[2190-A.—Officiating appointment of Shii Om Prakash as Assistant Personnel Officer on ad-hec basis notified vide Notification No. NAPP/Rectt/11(6)/80[5/16063] dated 30-9-86 stand terminated with effect from the atternoon of 22nd November 1986.

SAMIR HUKKU

Chiel Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 4th December 1986

No. Ref. DPS/2/1(1)/85-Adm|42318.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. C. Malik, a permanent Storekeeper to olliciate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- from 5-7-1986 (F/N) to 28-9-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri V. N. Dadlani, Asstt. Stores Officer promoted as Stores Officer (ad-hoc).

B. G. KULKARNI Administrative Officer.

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 8th December 1986

No. C.18013/5/80-Estt-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Km. Nazma Sultan, Assistant Publicity as Research Officer in the Forest Research Institute & Colleges with effect from the forenoon of 27-2-1985.

J. N. SAXENA Registrar,

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Aurangabad, the 19th November 1986

No. II/3-24/Con/85.—The following Selection Grade Inspectors, have on their promotion assumed as officiating Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise & Customs, Aurangabad, with effect from the dates shown against their names.

- S. No., Name and Date of assumption of charge S/Shri
 - 1. E. T. Pandit -- 3-9-1986.
 - 2. T. F. Rade-4-9-1986.
 - 3. B. T. Shinkar-5-9-1986.
 - 4. M. N. Kulkarni-15-9-1986 (A/N).
 - 5. H. D. Mande--15-9-1986.
 - 6. P. S. Bharambe-15-9-1986 (A/N).
 - 7. M. K. Gurjar-17-9-1986.
 - 8. N. B. Adappanwar-17-9-1986.
 - 9. S. P. Malemathad-17-9-1986,
 - 10. K. R. Gundappanwar-29-9-1986.

S. R. NARAYANAN
Collector
Central Excise & Customs

Madras-1, the 5th December 1986

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

No. 3/86.—The following Union Public Service Commission candidates were appointed as Direct Recruit Appraisers (Non-Expert) in this Custom House with effect from the dates indicated against each in a temporary capacity and until further orders. They will be on probation for a period of two years.

S/Shri

- 1. K. M. Nagarajan-19-8-85 FN
- 2. J. Rajamanohar-19-8-85 FN
- 3. P. Venkateswara Reddy--19-8-85 FN
- 4. K. Balasubramanya Bhat-19-8-85 FN
- 5. P. Kalaichelvan-19-8-85 FN
- 6. M. Chandra Bose--19-8-85 FN
- 8. N. Nageswara Rao-14-7-86 FN
- 8. Paul Thomas--14-7-86 FN
- 9. Kum Indira Sisupal T.S.—14-7-86 FN
- 10. Smt. Usha Rani-14-7-86 FN
- 11. Kum Y. V. Anuradha-14-7-86 FN
- 12. S. Kanakaiah-14-7-86-FN.

The following officers were promoted to officiate as Appraisers on regular basis in this Custom House with effect from the dates indicated against each:

S/Shri

- 1. K. N. Ravindran-15-2-85 FN
- 2. V. Brahmanandan-1-6-85 FN
- 3. C. V. Srinivasamurthy-13-3-86 F/N

Shri A. Vasanthakumar, temporary Appraiser (Non-Expert) Madras Custom House, resigned the post of Appraiser with effect from 20-8-1986 AN.

R. JAYARAMAN Collector of Customs

Vadodara, the 3rd December 1986

No. 28/86.—Shri R. P. Rawal, Assistant Collector (Grade T), of Central Excise and Customs, Headquarters Office, Vadodara on attaining the age of 58 years on 23-10-1986 is retired on superannuation in the afternoon of 31-10-1986.

No. 29/86.—Shri S. P. Purani, Superientendent of Central Excise & Customs, Division-I. Surat on attaining the age of 58 years on 3-10-1986 is retired on superannuation in the afternoon of 31-10-1986.

No. 30/86.—Shri C. K. Danak, Assistant Collector (Grade A'), of Central Excise & Customs, Division-II, Surat on attaining the age of 58 years on 21-11-1986 will be retiring on superannuation in the afternoon of 30-11-86.

SMT. VARALAKSHMI RAJMANICKAM Collector of Central Excise & Customs

DIRECTORATE OF PREVENTIVE OPERATIONS

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi-110003, the 9th December 1986

F. No. 207/7/84-Comn.—Shri Fatch Singh, Office Superintendent has been appointed on promotion as Administrative Officer in the Directorate of Preventive Operations, Customs & Central Excise, New Delhi. He assumed charge w.e.f. the afternoon of 15th September 1986,

M. V. REEDY Director Preventive Operations

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of

M/s. Kerala Printing and Publishing Company Ltd.

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 1501/liq/560(5)|2022|86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kerala Printing and Publishing Company Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of

M/s. A. Mohammed Moosa Exports Pvt. Ltd.

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 2620/Liq/560(5)/2021/86.--Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. A. Mohammed Moosa Exports Pvt. Itd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of

M/s. A B C Extractions Private Limited Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 2893/Liq/560(5)/2020/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. A B C Extractions Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. Sea and Fishere's Private Ltd.

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 2287/Liq/560(5)/2019/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sea and Fisherles Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of

M/s. Supreme Auto Service Pvt. Ltd.

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 1886/Liq/560(5)/2018/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Supreme Auto Service Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of

Catholic Syndicate Private Limited

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 273/Liq/560(5)/2017/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lavania Tourist Home Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. Lavania Tourist Home Private Ltd.

Cochin-682011, the 3rd December 1986

'No. 3466/Lig/560(5)/2016/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lavania Tourist Home Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. Calicut Chamber of Commerce and Industry

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 1407/Liq/560(5)/2015/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Calicut Chamber of Commerce and Industry has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. St. George Paper Mills Pvt. Ltd.

Mys. M. George Paper Sams 1111 Date

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 2765/Liq/560(5)/2014/86.— Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. St. George Paper Mills Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and

in the matter of

Millions Kuries and Loans Pvt. Ltd.

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 3609/Liq/560(5)/2013/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Millions Kuries and Loans Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Menon Dry Batteries Pvt. Ltd.

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 2607/Liq/560(5)/2012/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Menon Dry Batteries Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Coastal Paints Private Limited

Cochin-682011, the 3rd December 1986

No. 3042/Liq/560(5)/2011/86.— Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Coastal Paints Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

, Sd./- ILLEGIBLE Registrar of Companies Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Bhagwat Cosmetics and Pharma Laboratories Pvt. Ltd.

Gwalior-474009, the 10th December 1986

No. 2472/PS/CP/2794.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bhagwat Cosmetics and Pharma Laboratories Pvt. Ltd., Gwalior, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMARKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (41 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th August 1986

Ref. No. RAC No. 11/1986-87.-Whereas, I. T. GORAKNATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1-7-1072 situated at Charminar Cross Roads, Musheerabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally, Hyderabad in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) D. Rukmini Bai. W to late Shir D. Venugopala Rao, H. No. 1-7-1072, Charminar Cross Roads, Mushcerabad, Hyderabad,

(Transferor)

(2) The Andhra Bank Employees Welfare Association, (Represented by the Employees of the Andhra Bank, its members and their associates through M/s. Satish Constructions), Regd, Office: Andhra Bank Buildings, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that part and parcel of premises bearing No. 1-7-1072 alongwith the appurtenant land, in all admeasuring an extent of 2712 sq. yds. (2267.23 Mtrs.) out of which 1636 sq. yds. represent the build up plinth area and 1076 sq. yds. of open area attached to the building (actual area according to the building plan sanctioned by the M.C.H.) along with building plans of the MCH inclusive of two common passages touching neighbours boundary lands situated at Charminar Cross Roads. Mushecrabad, Hyderabad—vide document No. 867/86 registered by the S.R.O., Chikkadpally, Hyderabad.

T. GORAKNATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 28-8-1986

FORM ITNS---

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

JOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kaveer Runjan Das, S/o Iswara Bhandary, Kavoor Village, Mangalore Taluk.

(Transferor)

(2) M/s Central Arecanut & Cocoa Marketing and Processing Co-operative Ltd., P.B. No. 223, Sahakari Mahal, Mangalore-575 001.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th November 1986

Ref. No. 62/50154/68-67/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADŴAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. As Per Schedule situated at Kavoor village of Mangalore city (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any accome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-18-396GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 22/86-87 dated April, 1986.] All this Non Agricultural immovable property situated in Kayoor village of Mangalore city.

Hem No., S. No. Event and Which Portlon

1. 111-2 A. 2200 sq. bts.—Eastern, 2. 13-3 B 2, 2076.77 sq. st.—Middle, 3. 13-3 B 2, 2080.68 sq. st.—Middle, 4. 13-3 B 2, 2030 sq. ft.—Middle, 5. 13-3 B 2, 3679.24 sq. ft.—Middle,

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-11-1986

Scal:

COLUMN TOWNS FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th November 1986

Ref. No. C.R. No. 62 \(^20103\)/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 95 & 96 situated at Margoa Road, III Main, Malleshwaram, Bangalore-560 003

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 3-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the offerred party of

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitatoing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) B. S. Balakrishna, No. 20, First Floor, II Cross, Malleshwaram, Bangalore-560 003.

(Transferor)

(2) Stanley Benedict Rego, Kuchikkad House, Kulshekar Post, Mangalore-575 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 285/86-87 dated 3-4-86.]

All this property bearing No. 95 & 96, Margosa Road, III Main, Malleshwaram, Bangalore-560 003.

R. BHARADWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-11-1986

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th November 1986

Ref. No. C.A. No. 62/50155/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Patta No., S. D. No. Kissani and Extent

- 131 42-7 Bagayat, 0-26.
- 131 34-1B Bagayat, 0-27.

situated at Hosabettu village, Mangalore Taluk, South Kanara District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), now been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Mangalore in April 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Apollo Scafoods, Balmatia Road, Mangalore-575 001.

(Transferor)

(2) M/s Venus Fisheries (Pyt.) Ltd., 121, Great Cotton Road, Tuticorin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 30/86-87 dated April, 1986]

All this property situated in Hosabettu village, Hosabettu Panchayat Board within the Registration Sub District of Mangalore Taluk in the South Kanara District and comprised in:—

Patta No., S. No. S. D. No. Kissam and Extent

- 131 42-7 Bagayat, 0-26.
- 131 34-1 B Bagayat, 0-27,

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 17-11-1986

Scal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/49/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2.1/2 acres with tube well, Kotha electricity fittings etc situated at Sikenderpur Ghosi Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1904 on 2-7-1986 for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Girdhari,
 - s/o Shri Ramearan,
 - s/o Shri Ganga Bisan, r/o Sikenderpur Ghosi Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Puja Shlip Kala Pvt. I.td., A-6, Ring Road, NDSE, Part-I, Now Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2.1/2 acres with Tubewell, Kotha and electricity fitting situated at village Sikenderpur Ghosi Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1904 dated 2-7-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1986

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/50/86-87,---Whereas, 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and boaring land measuring 5 bighas pukhta situated at village Sikander-pur Ghosi Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 1907 on 2-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) S/Shri Shankar,
Ram Chander,
ss/o Smt. Balwanti,
Smt. Imarti,
Smt. Lodhi,
ds/o Shri Deep Chand,
r/o Sikanderpur Ghosi,
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Puja Shlip Kala Pvt. Ltd., A-6, Ring Road, NDSE, Part-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas pukhta situated at village Sikanderpur Ghosi, Teb. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1907 dated 2-7-1986 with the Sub Registra, Gurgaon.

B. I., KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/53/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing land measuring 93 kanals 8 marlas situated at vill. Jharsa Teh.

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2279 on 19-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which cought to be disclosed by the transferse for which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Lakshmi, wd/o Shri Rohtas, Smt. Dano, wd/o Shri Partap Singh, r/o vill. Jharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Sharda Ply Wood Inds, Ltd., 1/7, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 93 kanals 8 marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2279 dated 19-7-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-11-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/54/86-87.--Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 95 kanals 19 marks situated at Village Jharsa

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2280 on 19-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Dano, wd/o Shri Partap Singh, S/o Shri Harnatayan Singh, r/o vill. Jharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Sharda Ply Wood Inds. Ltd., 1/7, Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi.

(Transefree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 95 kanals 19 marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2280 dated 19-7-1986 with the Sub Registrar, Qurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date: 6-11-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/55/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 79 kanals 2 marks situated at village Jharsa

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 2714 on 12-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or eventou of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising tress the transfers and the

tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ved Singh, Shri Gian Chand, ss/o Shri Chandgi Ram, τ/o vill. Jharsa.

(Transferor)

(2) M/s Supernal Corp. (India) Ltd., 6 Community Centre, Saket. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanals 2 marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2714 dated 12-8-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-11-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/56/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 70 kanals situated at village Jharsa Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2715 on 12-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said wastrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ved Singh, Shri Gian Chand, ss/o Shri Chandgi Ram, r/o village Jharsa, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Unitech Indus. Ltd., 6 Community Centre, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 70 kanals situated at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2715 dated 12-8-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-396GI/86

Date: 7-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th November 1986

Ref. No. I.A.C. / Acq. / GRG / 75/86-87.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

land measuring 6 bighas 12 biswas situated at village Chakar-

pur Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 729 on 12-5-1986

at Gurgaon under Registration No. 729 on 12-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferor)

(2) M/s. Anurag Construction Co. Ltd., 14 Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bighas 12 biswas situated at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed Registered at Sr. No. 729 dated 12-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;——

Date: 11-11-1986

Seal ;

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/76/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 51 kanals 10 marlas with factory shed situat-

land measuring 51 kanals 10 marlas with factory shed situated at 40 kanals at Khatola 11 kanals 10 marlas at Narsingh-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon under Registration No. 2862 of Income-tax Rules. 1962 dated 22-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Standard Gum & Industries Ltd., 38/6 KMS National Highway No. 8, Narsinghpur, Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Highway Cycles Industries Ltd., 698 Industrial Area, 'B', Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ozzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 51 kanals 10 marlas (40 kanals at Khatola, 11 kanals 10 marlas at Natsinghpur) with factory shed and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2862 dated 22-8-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATEI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Roback

Date: 4-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE GOVERNMENT OF INDIA

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/80/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 12 kanals situated at village Sukhrali Tch. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3134 dated 5-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Dhoop Singh, Sh. Jeet Ram ss/o Sh. Abhey Singh s/o Chhalu self and Mukhtiare-am Smt. Bharm, Mishri, Keshav uraf Kitabo ds/o Sh. Abhey Singh r/o Sukhrali, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals situated at village Sukhrali Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3134 dated 5-9-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date::14-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th November 1986

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/81/86-87.-Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 12 kanals situated at village Sukhrali Teh.

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3135 dated 5-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sh. Chandan s/o Sh. Chhalu s/o Sh. Dhan Singh r/o Sukhrali, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires hter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanals situated at village Sukhrali Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3135 dated 5-9-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 14-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/82/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 70 kanals 18 marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3138 dated 5-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sh. Surat Singh S/o Sh. Harnam Singh, Meer Singh, Sukhbir Singh Ss/o Sh. Ram Singh, r/o village Jharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

Suvidha Industrials Ltd.,
 7/7 (2nd Floor), D. B. Gupta Road,
 Paharganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 70 kanals 18 marlas situated at village Jharsa Tch. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3138 dated 5-9-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/83/86-87.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing land measuring 39 kanals 15 marlas situated at village Jharsa

Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (1906) 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3139 dated 5-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the instrument of consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sh. Zile Singh 2. Sh. Kartar Singh ss/o Sh. Hari Singh r/o Jharsa Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Suvidha Industrial Ltd., 7/7 (2nd Floor) D. B. Gupta Road, Pahargani, New Delhi-110055.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 39 kanals 15 marlas situated at village Jharsa Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3139 dated 5-9-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 7-11-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th November 1986

Ref. No. IA.C./Acq./HNS/2/86-87.-Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 154 kanals 7 marks situated at Hansi Distt.

Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi under Registration No. 506 dated 13-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the Eroperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Sh. Jasbir Singh, Kuldeep Singh, Jagar Singh, Sukhbir Singh ss/o Sh. Sohan Singh s/o Sh. Sukh Ram r/o Hansi Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) Sh. Devi Dayal s/o Sh. Shree Ram, s/o Sh. Hansu r/o near Arjan Dass Khandewala, Mohalla Ramayan, Delhi Road, Hansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 154 kananls 7 marlas situated at Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 506 dated 13-5-86 with the Sub Registrar, Hansi.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Kundan Singh s/o Sh. Jagat Singh r/o Tikhana Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Rice Mills, Tarori Teh. Karnal through Sh. Sham Lal s/o Sh. Inder Sain r/o Tarori Teh, Karnal,

(Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th November 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./NKR/1/86-87.—Whereas I, B. L. KHA'TRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 42 kanals 11 marlas situated at Tikhana Teh.

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer ut of 1908) in the office of the Registring Officer at Nilokheri under Registration No. 247 dated 3-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or hie Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 kanals 11 marlas situated at village Tikhana Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 247 dated 3-5-86 with the Sub Registrar, Nilokheri.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

20-396GI/86

Date: 11-11-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th November 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/229/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 1002 of Village Sanaswadi, Tal. Shirur, Dis. Pune

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Shirur on 15th June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair brarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Laxmibai Kaluram Darekar, Miss Sulochana Kaluram Darekar, Shri Ramchandra Mahadu Darekar, (Alias Ramchandra Mahadu Darekar), At & Post Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Punc.

(Transferor)

(2) Ispat Profiles (India) Ltd., Chatterjee International Centre, 9th floor, 33-A Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Shirur, under document No. 37G/229/1986-87 in the month of 15th June 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 18-11-1986

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 18th November 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/228/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 995 of Village Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Punc

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Shirur on 15th June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been huly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any incom- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Haribhau Bhagu Darekar, Shri Kishan Haribhau Darekar, Shri Shantaram Bapu Darekar, Shri Pira Bhagu Darekar, Smt. Jarabai Narayan Hargude, Smt. Jaibai Gulab Warpe, Smt. Saibai Sahebrao Warpe, Smt. Salubai Baburao Darekar, At & Post Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Punc. (Trausferor)

(2) Ispat Profiles (India) Ltd., Chatterice International Centre, 9th floor, 33-A Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.700 071.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Shirur, under document No. 37G/228/1986-87 in the month of 15th June 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-11-1986

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th November 1986

No. IAC ACQ/CA-5/37G/227/1986-87. -Whereas, I, ANJANI KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having fuir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 1001 of Village Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Pune

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Shirur on 15th June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under smb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pernamely :-

(1)1. Shri Pandurang Mahdu Darekar,
2. Shri Bhagwant Mahadu Darekar,
3. Shri Baban Mahadu Darekar,

- 4. Shri Ramchandra Mahadu Darekar,

- 4. Shri Ramchandra Manadu Darekar,
 5. Shri Dnyanoba Mahadu Darekar,
 6. Mrs. Kausabai Abu Sabale,
 7. Mrs. Sharadabai Samrao Jambhale,
 8. Mrs. Anusayabai S. Shivale,
 9. Shri Dattatray Pandmang Darekar,
 10. Smt. Sonabai Mahadu Darekar,
 11. Smt. Sonabai Tal Shirur, Die At & Post Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Ispat Profiles (India) Chatterjee International Centre, 33-A, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.700 071.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property easy be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the affacted tersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Shirur, under document No. 37G/37G/227/1986-87 in the month of 15th June 1986.

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 18-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th November 1986

Ref. No. IAC ACQ, CA-5 37G/226/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Block No. 1004 of Village Sanaswadi, Tal Shirur, Dist Punc

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Shirm on 15th June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Sakharam Dagadu Darekar,

- Shri Namdev Sakharam Datekar,
- 3. Shri Deochand Sakharam Darekar,
- 4. Shii Baban Sakharam Darekar,
- 5. Shri Dnyanoba Sakharam Darekar, 6. Shri Gnyanoba Sakharam Darekar,
- Shri Bahiru Namdev Darekar,
- 8. Shri Kaluram Baban Darekar,
- At & Post Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Punc.

(Transferor)

(2) Ispat Profiles (India) Ltd., Chatterjee Internationanl Centre, 9th floor, 33-A Jawaharlal Nehru Road, Calcutta,700 071,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub? cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Acc., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Shirur, under document No. 37G/226/1986-87 dated 15th June 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 18th November 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/225/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Block No. 1003 of Village Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Shirur on 15th June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Sitaram Laxman Darekar,

- Shri Mahadu Sitaram Darckar,
 Shri Nivrutti Sitaram Darckar,
 Shri Khushal Sitaram Darckar,
- 5. Shri Haribhau Sitaram Darekar, 6. Shri Gulab Mahadu Darekar,
- Shri Pandurang Mahadu Darekar, Shri Bhaktivan Mahadu Darekar, R/o Sanaswadi, Tal. Shirur, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Ispat Profiles (India) Ltd., Chatterjee International Centre, 9th floor, 33-A Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to safe registered in the office of the Sub-Registrar, Shirur, under document No. 37G/225/1986-87 in the month of 15th June 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 16th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/232/1986-87. —Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the being the Competent Authority under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Lonavala, Tal. Maval, C.T.S. No. 75, Ward H. Dist. Pune,

situated at Punc

situated at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on 7th July 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely ;--

(1) The Society of Sacred Heart Sophia College Lane, Off Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 023.

(Transferor)

(2) Mahindra and Mahindra Workers Union, 2 Panchvati, S.V. Road, Kandivli (W)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Longval, Tal. Maval, C.T.S. No. 75, Ward H Dist. Pune, Sub District Mayal.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 37G/232'1986-87 dated 7th July 1986...

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-10-1986

FORM J.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th October 1986

Ref. No. IACACQ/CA-5/37EE/1478|86-87.—Whereas, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. D-198 at Trans. Thane Creek, M.I.D.C. Area, Village Bhonsari, Tal. & Dist. Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn., Pune on 26th June 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maharashtra Industrial Development Corporation, Orient House, Mangalore Street, Ballard Estate, Bombay-38.

(Transferor)

(2) LA.E.C. India Limited, 196, L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitee on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettz.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here:n as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EF 1478/86-87 in the month of 26-7-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-10-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th October 1986

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5|37FE|2069|86-87.—Whereas, 1, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Galla Nos. 13, 15, 17, Haria Industrial Estate,
Majiwada, Thane,
situated at Majiwada, Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range,

Pune on 11th July 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:—21—396GI/86

(1) M/s Dhiraj Warehousing Corpn. 98, √yapar Bhawan, D'mello Road, Bombay-9. (Transferor)

(2) Goods Transport Labour Board for Greater Bombay Steel Bhavan, 1st Floor, Devji Ratansi Marg, Dana Bunder, Bombay-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act. shall have the same meaning as given in this

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune document No. 37EE 2069, 86-87 dated 11-7-1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Punc, the 29th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/240|86-87.—Whereas, I. ANJĀNI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot $\Lambda/214$, Thane Industrial Area, Dist. Thane situated at Thane (Dist.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at

IAC Acqn. Range, Pune on 5th June 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) la littating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow The No South namedy : ...

- (1) M/s Talento Pharmaceuticals, Basement-C. Vinod Apartments, Forjet Street, X-Lune, Cowalia Tank, Bombay-36. (Transferor)
- (2) M '9 Ankur Pharmaceuticals Pvt, Ltd.

Saujanya, 3rd N.S. Roud, Juhu Scheme. Vile Parle (W), Bombay-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLASE CON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 37FF/240/86-87 dated 5th June 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons

Date: 29-10-1986

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th October 1986

Ref. No. IAC ΛCQ/CΛ-5/37EE/1065/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Nos. 101 and 116 on 1st Floor in Bldg. known as 'Persipolis' Plot No. 74, Sector-17, D.B.C. Vashi, situated at New Bombay-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 16th June 1986,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as uforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Ganagvihar Enterprises, Jaiji Terrace, 9, Maushir Bharucha Marg, Bombay-7.

(2) Emai Hatels and Investments Pvt. Ltd. 286/12, Samir Apartment, Sion (E), Bombay-22, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37FE/1065/86-87 dated 16-6-1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Poora

Date: 29-10-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 29th October 1986

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/4/86-87.--Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 19 (pt.) 18/B/2 in Village Metguted, situated at Mahableswar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nereco), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 10th July 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titled present of such apparent consideration and that the fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; عه / آنده

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nedice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

(1) Keshav Balkrishna Tadphule S. No. 19 (pt.), 18/B/2, in Village Metgutad, Mahableswar.

(Transferor)

(2) Mr. A. S. Makhija and Others, 471, Mangal Deep, 18th Road, Khar, Bombay-52. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/4/86-87 dated 10th July 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 23rd October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/74/86-87.—Wherens, I. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 475A/2 and 9/3 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 27th June 1986,

has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 27th June 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Vrishali Co-op Hsg. Society Ltd. C/o M. K. Chavan, 1664, Nehru Chowk, Nasik. (Transferor)
- (2) M s Jai Dev Proporty Developers,
 6, Uniya Niwas, Lal Bahadur Shastri Road,
 Maneklal Estate, Ghatkopar, Bombay-6.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/74/Nasik, dated 27th June 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 23-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 22nd October 1986

Ref. No. IAC ACQ 'CA-5/37EE/545|1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the said Act.), have reason to believe that the infinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P.M.C. bearing S. No. 601, 1A, 1A, 601 1A 1B, 601 1A-2 and 601 1-B and C.T.S. No. 3660 at Bibwewadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transformed and registered 11 (a. 269AB of the said

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 17th June 1986,

I.A.C.. Acqn. Range. Pune on 17th June 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ibrahim Khan Ahmed Khan, Mrs. K. I. Khan, Ismail Ibrahim Khan, Iqbal I. Khan, Afzalkhan Ibrahim Khan, Ilvas Khan Ibrahim Khan Alam Ibrahim Khan of 190 M.G. Road, Camp, Punc-1.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh M. Thakkar, 2418 East Street, Camp, Punc-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P.M.C. beating S. No. $601/1\Delta/1A$, $601/1\Delta/1B$, 601/1A-2 and 601/1-B and C.T.S. No. 3660 at Bibwowadi, Tal. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/545/1986-87 in the month of 17th June 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 22-10-1986

FORM ITNS (1) Shri Popatlal Bans

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13rd October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9375|85-86.--Whereas, I, ANJANI KUMAR,

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C.T.S. Nos. 2470 to 2498, 2499A, 2500 Mouze Bopodi,

Dist. Pune.

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 14th April 1986,

I.A.C., Acqn. Range, Pune on 14th April 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealro-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Shri Popatlal Bansilal Kankaria, S-374 Adinath Society, Pune Safara Road, Pune-37.

(Transferor)

(2) M/s C. V. Associates, Success Chambers, Deccan Gymkhana, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C.. Acquisition Range, Pune, Under document No. 37EE 9375/1985-86 in the month of 14th April 1986.

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Ac quisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 13-10-1986

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 23rd October 1986.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1209|86-87.-Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 58, City Survey No. 58, of Koregaon Park,
Muniori Tal. Pune Dist,
situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registerred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 20th June 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Russi Musserwanji Kanga, Maki Russi Kanga, CCI Chambers, 4th floor, Dinshaw Vachha Road, Bombay.

(Transferor)

(2) The Khatau Makanji Spinning and Weaving Company Ltd. Laxmi Building, 6 Shoorji Vallabhdas Marg, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58, City Survey No. 58, of Koregaon Park, Munjori Tal. Dist. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1209/1986-87 in the month of 20th June

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 23-10-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 23rd October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE|2364|86-87.-Whereas, I ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building "D" in proposed Konark Park Co-operative Housing Society Ltd. F.P. No. 206, Sangamwadi, T.P. Scheme, Pune-1,

aituated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been registerred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 29th August 1986, for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more affected than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affected and the said when the said was a second to the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than affected and the said was a second to the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than a second to the property and the said was a second to the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than the said was a second to be a said was a sai than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :- 22-396G186

(1) 1. Mahendra C. Karia, 2. Umesh C. Karia, 3. Nitin C. Karia,

4. and Saraswati C. Karia,

Promoters of Konark Co-operative Housing Society Ltd. (Proposed) 16 Onlooker Building, Sir P. M. Road, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Sorabji Normusji Commissariat, 'Slymoyne' 3 Carmichael Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building "D" in proposed Konark Park Co-operative Housing Society Ltd. F.P. No. 206, Sangamwadi, T.P. Scheme,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No.37EE/2364/1986-87 dated 29th August 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona

Date: 23-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Punc, the 23rd October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2365|86-87.—Whereas, I ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing Final Plot No. 206 of Sangamwadi. TPS. bearing Old S. No. 1/122 and New S. No. 122B of Village Mali, Dist. Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 29th August 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mahendra C. Karia,
Umesh C. Karia,
Uitin C. Karia and
Saraswati C. Karia,
Promoters of Konark Co-operative Housing Soc.
Ltd. (Proposed) 16 Onlooker Building, Sir P. M.
Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Framji Hormusji Commissariat.
"Slymoyne" 3 Carmichael Road, Bombay.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing Final plot No. 206 of Sangamwadi, Town Planning Scheme, bearing Old S. No. 1/122 and New S. No. 122B of Village Mali, Dist, Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pun, under document No. 37EE/2365/86-87 dated 29th August 1986).

ANIANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Ac quisition Range, Poona

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 23-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th October 1986

Ref. No. IACACQ/CA-5/37EE/4024 1986-87.—Whereas, I, anjani kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Plot No. 26, Shila Vihar Colony, C.T.S. No. 352, Erandwane, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act

in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Punc 2nd Nov. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesam exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalon of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mattate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Satibai Gobindram Nagarani, 354 Sindh Co-operative Housing Society, Aundh, Pune-411 007.

(Transferor)

(2) Subhash Birdichand Navalukha, Promoter Navalkha Constructions Pvt. Ltd. 1118/B Shivajinagar, Punc-411 016.

(Transferee)

(4) Shri P, G. Nagrani. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustia.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 26, Shila Vihai Colony, C.T.S. No. 352, Erand-

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/4024/1986-87 in the month of 2nd November 1986).

> ANJANI KUNIÁR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Posma.

Date: 24-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1084|86-87.—Whereas, I, anjani kumar

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing City Survey No. 39, Final Plot No. 36, Sub Plot No. 19 at Erandwane, Pune-4.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 7th July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in previous of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri Vasant Shripad Sharma, 39/19 Erandwane, Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Vinayak Mahadeo Sathe Shri Purushottam Vinayak Sathe, Shri Shrikrishna Vinayak Sathe, 678 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing city Survey No. 39, Final Plot No. 36, Sub Plot No. 19 at Erandwane, Pune-4.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1084/1986-87 in the month of 7th July 1986).

> ANJANI KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Dated: 23-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37J:E|1090|1986-87.--Whereas, J, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 37, of Suvojana Co-operative Housing Soc. Ltd. Sangamwadi TPS of Mouje-Ghorpadi, Pune

Ltd. Sangamwadi TPS of Mouje-Ghorpadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqu. Range, Pune on 7th July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Vishwanath Ramachandra Kulkarni, Karta HUF 37 Suyojana Society, Koregaon Park, Pune.

(2) Mr. Sarosh Hormusji Batliwala, 52 Sea Breeze Apartments, Bullock Road, Bandra Band Stand

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 37EE/1090/1986-87 in the month of 7th July 1986).

> ANJANI KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 23-10-1986

(1) Kalpataru Constructions (Pune) 111 Maker Chamber IV Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/921/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 15, A. Wing, on ground floor at Kalpataru Plaza, 224 Bhavarii Peth, Pune-2. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqu. Range, Pune on 29th June 4986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the tand Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sharad M Munot, Mofatraj P Munot, Munot Family Trust, Ist floor, Kalpataru, Chambers, 98 N Master Road, Fort, Bombay. Tara I Kanga, I Kalpataru, 39 Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, A-Wing, on ground floor at Kalpataru Plaza, 224 Bhavani Peth, Pune-2.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/921/1986-87 dated 29th June 1986).

ANJANI KUMAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated: 20-10-1986

(1) Mrs. Sarla C. Jaisinghani & Others. Shyam Niwas, Warden Road, Bombay-26.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Mousam Finance & Investment (P) Ltd. 1319 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE[2270]1986-87.—Whereas, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing C.S. No. 103A, Hissa No. 7/2 Bhamburda,

Shivajinagar, Pune. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on Aug. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said knowable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 103, A. Hissa No. 7/2 Bhambirda, Shivajinagar, Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2270/1986-87 in the month of Aug. 1986).

> ANJANI KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 19-10-1986

VICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ramesh Builders, 618 Sachapir Street, Pune.

(Transferor)

(2) Mrs. C. James, 14 Khan Road, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th September 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9987 1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the competent authority Under section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A-1 on the 1st floor in the Building Hermes Grace situated at House No. 1974, Gaffarbeg

Street, Pune, situated at Pune.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on May 1986

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-1 on the 1st floor in the building "Hermes ' situated at House No. 1974, Gaffarbeg Street, Pune-1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9987/1985-86 in the month of May 1986),

ANJANI KUMAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9109/1985-86.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Flat No. A-22 on the 2nd floor of Ashiyana Palace at 21/4/1/B Bund Garden Road, Pune. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority, I.A.C., Acqu. Range, Pune on 7th April 1986.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating/the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer, and for
- hi facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sensons, namely:—
23—396GI/86

 Aashiyana Builders & Developers (Bombay) 21/4/1/B Aashiyana Palace, Bund Garden Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) Dilip Kishnani Family Trust, 1-A Renuka Apartment, 6-A Sadhu Vaswani Road, Pune-1,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-22 on the 2nd floor of Ashiyama Plance at 21/4/1/B Bund Garden Road, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/9109/1985-86 in the month of 7th April 86).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ganraj Associates, Devi Bhavan Palace, Miraj,

(Transferor)

(2) Apple Leasing & Computers Ltd., 38/39 Rajgir Chambers, Fort, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3046/1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 301, 302, 303, 304+toilet in Anant Chambers, 1324 Shivajinagar, Pune, situated at Pune. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority, I.A.C., Acqu. Range, Pune on 20th September 86. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 301, 302, 303, 304—toilet in Anant Chambers, 38/39 Rajgir Chambers, Fort, Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3046 dated 20th September 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-cection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:—

Date : 16-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/469/1986-87.—Whereas,

ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. T. S. No. 1194/1/2 F. P. No. 551+552/1 & 20f Bhandburda (Shivajinagar) Pune.

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority, LA.C., Acqu. Range, Pune, on 15th June 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Mr. Natwarlal Hargovinddas Shah, Anugrah, Wilson Street, Mangal Bhavan, C. P. Tank, Bombay-4.

(Transferor)

(2) M/s. Madhuram Enterprises, 1184 Gokhale Nagar, Fergusson College Road, Pune-5.

(Transefree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C. T. S. No. 1194/1/2 F. P. No. 551 + 552/1 & 2 of Bhamburda (Shivajinagar) Pune, (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EF/469/1986-87 in the month of 15th June 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 15-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/466/1986-87.--Whereus,

ANIANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Property bearing C. T. S. No. 1194/1/2 F.
552/1 & 2 Bhamburda, Shivajinagar, Pune. No. 1194/1/2 F. P. No. 551+

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and registered u/s 269 AB of the said. Act in the office of the Competent Authority, I.A.C., Acqu. Range, Pune, on 15th June 1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair "ket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Mohanlal Hargovinddas Shah, Anugrah Wilson Streets, Mangal Bhavan, C. P. Tank, Bombay-4.

(Transferor)

(2) M/s. Madhuram Enterprises, 1184 Gokhale Nagar, Fergusson College Road, Pune-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C. T. S. No. 1194/1/2 F. P. No. 551-+552/1 & 2 Bhamburda, Shivajinagar, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 466/1986-87 in the month of 15th June 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poora

Date: 15-10-1986

FORM ITNS-----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/467/1986-87,---Whereas,

ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing C. T. S. No. 1194/1/2 F. P. 551.+552 Shivejinagar, Punc.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority, I.A.C., Acqu. Range, Pune, on 15th June 1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chandravadan Vrijlal Gandhi & Others. 213 Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) M/s. Madhuram Enterprises, 1184 Gokhale Nagar, Fergusson College Road, rune-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. T. S. No. 1194/1/2 F. P. 551+552 Shivajinagar, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/467/1986-87 in the month of 15th June 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 15-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- ve den kalmananan eri eri eve den den den k

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th October 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/468/1986-87.--Whereas,

ANJANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1194/1/2 F. P. 551+552/1 & 2 Bhamburda, Shivaj,nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range, Pune, on 15th June 1986.

Range, Pune, on 15th June 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Sankubai Chimanlal Shah, 2. Shri Sunderlai Chimanlal Shah, Anugrah Wilson Street, Mangal Bhawan, C. P. Tank, Bombay,

(Transferor)

- 3. M/s. Madhuram Enterprises, 1184 Gokhalc Nagar, Fergusson College Road, Pune.
- (2) M/s. Madhuram Enterprises, 1184 Gokhale Nagar, Fergusson College Road, Punc-5.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that (barter.

THE SCHEDULE

1194/1/2 F. P. 551 + 552/1 & 2 Bhamburda Shivajinagat,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/468/1986-87 in the month of 15th June 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Fune

Date: 15-10-1986

(1) M/s. Jain Ghruh Builders, 613, Maker Chambers-V, 221, Nariman Point, Bombey-21.

(Tranferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Arihant Enterprises, Veena Chambers, 21, Dalal Street, Bombay-23. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th November 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/5321|86-87.--Whereas, I,

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/5321|80-81.—whereas, 1, ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 32-B, Hissa No. 1, Village Sopara, Tal. Vasai, Distt. Thane situated at Sopara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC., Acqu. Range, Pune on 27th September 1986

Range, Pune on 27th September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/5321/86-87 in the month of 27th Sept. 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person as mely:—

Date: 6-11-1986

Scal:

(1) M/s. Shivji Devji Patel & Co. Amrut Nagar, Jai Road, Nasik Road,

(Tranferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ray's Hospital, 10 Panch Ratna Co-op. Hsg. Society, Jail Rd. Nasik Road, Nasik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th November 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/250[86-87.—Whereas, I,

Ref. No. IACACO, CASA, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 117-B, plot No. 2, Jail Road, Nasik Rd., Nasik situated at Plot No. 2, Jail Rd., Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC., Acqu. Range, Pune on 3rd October 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act. shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the sale deed registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/250/86-87 in the month of 3rd October 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poonu

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 7-11-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq,III/37EE.4-86/3130/16.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 115, Parveen Apts., Sujan Singh Park, (South) New Delhi

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range. New Delhi IAC., R-III, on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
24—396GI/86

 M/s. Universal Builders & Contractors, 28, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Randev, Sh. Adish & 3. Shri Rajiv Randev, C/o Messrs. V. and K. Topline 40, Thomas Street, Manchester, M-4 IER, England.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with na period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 115, on first floor in Parveen Apartments Sujan Singh Park (South) New Delhi, Super area 1782 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 3-11-86

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-86|3131/17.—Whereas, I, JAGDISH MJ'ITAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inunovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 316, 'A' in Parcen Apartments, at Sujan Singh Park

New Delhi

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961)

in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi IAC., R-III. on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :---

- in) facilitating the reduction or evenion of the Habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act for the following persons, namely :---

(1) M/s. Universal Builders & Contractors, 28, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Harish Sidana S/o Sh. Abnashi Ram, A-190, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 'No. 316 'A' Type on Third Floor in Parveen Apartments, at Sujan Singh Park New Delhi-3 (Area 1483 sq. ft.) plus Tarrace 272 sq. ft. (South).

JAGDISH MITTAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14/1, Asaf Ali Road, New Delhi

Dated: 3-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI. HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-86/3143|18.—Whereas, I, JAGDISH MI)TAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1st floor Hansalaya Building. 15, Barakhamba Road, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi IAC., R-III. on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Kewal Singh Shri Paramjit Singh, Sh. Gurjit Singh, H-25, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Avmash Changer Perkash Chander (Family Trust)A-45, Mayapuri Phase-1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor, Hansalaya Building, 15, Barakhamba Road, New Delhi, Area 434 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-11-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. AC/Acq.III/37EE|4-86|3134|19.-Whereas I. JACIDISH MITTAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovunder Section 269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1-0 on 1st floor, in 16, Barakhamba Road, New Delhi situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961)

has been transferred under the 1.1. Act 1901 (43 of 1901) in the office of the registering officer IAC Range, New Delhi IAC., R-III, on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer es agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. S. D. Seth r/o. 8, Dharm Marg, Diplomatic Enclave, Chankyapuri, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Mr R. M. Gupta. Mrs. Shakuntala, Mrs. Shakuntala, Mr. Vijay Gupta, Mrs. Rashmi Gupta, Sh. R. K. Gupta, Mrs. Sunita Gupta, all r/o 2, Bazar Lane, Bangali Market, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-0, on 1st floor in 16. Barakhamba Road, New Delhi, Area 370 sq. ft.

> JAGDISH MITTAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Dated: 3-11-1986

(Transferce)

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/4-86/3104|20.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office Flat No. 12, at 19, on 10th floor Barakhamba Road, New Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of IAC Range, New Delhi IAC., R-III, on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, B. K. Road, New Delhi-1.
- (2) Mrs. Rita Jaggi, r/o 4, Sehgal Colony, Court Lane, Delhi and 2. Mrs. Sheeba Bagai, r/o 42, Kamla Nagar, Bangalow Rd., New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One office flat No. 12, on 10th floor in Arunachal at 19, Barakhamba Road, New Delhi area 500 sq. ft.

JAGDISH MITTAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Dated: 3-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Gujral Estates, P. Ltd. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Meenakshi Verma W o Mr. Ashok Verma Λ-9, Greater Kailash Part-1, New Delhi-48. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-86/3095|21.--Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.III/3/EE/4-86/3095[21.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 42, at 17, B. K. Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the LT Act 1961 (43 of 1961)

has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of IAC Range, New Delhi IAC., R-III, on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 42, on U.G.F. in Vijaya Building, at 17, Barakhamba Road, New Delhi (Super) 649.81 sq. ft.

> JAGDISH MITTAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-11-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-86/3056|22.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 709, 21, B. K. Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961)

has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of 1.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi IAC., R-III, on April 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tree Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Poonam Gupta, C-5/27, Safdarjung Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudershan Johan, w/o late Shri 1.J.S. Johar & Rohini Soni, B-20, Westend, New Delhi .

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exclanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 709, in 21, Barakhamba Road, New Delhi Area 440 sq. ft.

> JAGDISH MITTAR Competent Authority pecting Asstt. Commissioner of Income Ange-III
> Acquisition Range-III
> Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road,
> New Delhi Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Date: 3-11-86 Seal:

: · :- ----

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-86/3071|23.—Whereas, I, JAGDISH MITTAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1003, 18, B. K. Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of IAC Range, New Delhi IAC., R-III, on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mr. N. K. Tandon, Miss Alka Tandon (Minor) Miss Anjala Tandon (Minor) C-73, LIC, Colony, P.O. Nagloi, New Delhi-41. (Transferor)
- (2) M/s. AVA, 154, Jorbagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1003, 18, Barakhamba Road, New Delhi Area 740 sq. ft.

JAGDISH MITTAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi.

Dated: 3-11-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI HOUSE, 4/14A, ASAF ALUROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37FE/4-86/3058|24.-Whereas, I, JAGDISH MITTAR. being the Competent Authority under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 605, Nilgiri Apartment, at 9, Barakhamba Road, interest of New Delhi

situated at New Delhi.

situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer of LT. Act, 1961 IAC Range, New Delhi IAC., R-III, on April 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) 'of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said ect, to the following persons, namely :---

25—396GL/86

- M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, B. K. Road, New Delhi-1. (Transferor)
- (2) Mr. Kulbir Malik & Mrs. Usha Malik, C/o Datamation Systems, P. O. Box 8040, Dubai. (U.A.E.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat area 1600 sft. (approx) No. 605 and one Cat Paring Space in proposed Group Housing Scheme Nilgiri Apartments at 9, Barakhamba Road, New Delhi.

> JAGDISH MITTAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Dated: 3-11-1986

Scal :

FORM ITNS----

(1) Khushi Ram Sehgal, C-59, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Satya Pal Bansal, B-15, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/4-86/1455.—Whereas, J. A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1018, Block 'C' Arya Samaj Road, Karol Bagh, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I. T. Act, 1961 IAC Range-V, Newk Delhi 10.50,000/- on 11-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sometimes and that the sometimes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the seduction or evacine of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes to the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1018, measuring 111 sq. yds. Block C. Property No. Khasra No. 1133 situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road,
> Acquisition Runge-V, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-19-1986

Seal : :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th October 1986

Ref. No. IAC/Acq. V/SR-III 6-86 5210/3.—Whereas, I. A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 197. Block No. 5, Safdarjung Residental Scheme, simuted at New Delhi (and more fully described in the Schedule approval berefo)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of 1. T. Act, 1961 1AC Range, New Delhi in

June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason as believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ander the said Act, in suspect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Jugal Batra, R-41, Model Town, Sonipat (Haryana).

(Transferor)

(2) Sh. S. Lakhjit Singh Purewal and others, B-5 '197, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- the terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHADULE

Property bearing No. 197 in Block No. B-5, measuring 243.314 sq. mtrs, situated at Safdarjung Residential Scheme,

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 28-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sardar Jagdish Singh Sodhi, A-61, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Stevan Godin 1, Regal Building, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 14th October 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III|7-86|5733|22.--Whereas I, A. K. MANCHANDA,

A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-61, Hauz Khas situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the

in the office of the I. T. Act, 1961 IAC Range-V, New Delhi

on 24-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as Wre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. A-61, Hauz Khas, New Delhi measuring 280 sa. vds.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Jatinder Nath, 76, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ambiance Constructions (P) Ltd., 136, S. F. S. Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1986

Ref. No. 1AC/Acq. Range-V/7-86 6011/15.-Whereas, I,

A. K. MANCHÁNDA,

FOR BEING THE TANK TO DEE

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-21 Hauz Khas situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the in the office of the I. T. Act, 1961 IAC Range-V. New Delhi on 4-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atom said property and I have reason to bel ieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION: The terms and expressions used berein an ore defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

C-21, Hauz Khas, New Delhi.

Α. Κ. ΜΛΝCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ::---

Date: 31-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Tej Khosla, 82, Uday Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jitender Kumar Gupta and others 207, Hemkunth Tower, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AĞGARWAL HOUSE 4/14-Λ, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th November 1986

Ref. No. IAC / Acq.-V/SR-III/7-86 6320/10.--Whereas, I,

A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6 10th share in Property No. 12, Block B, Green Park,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

THE SCHEDULE

6/10th share in property No. 12, Block B, Green Park, New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Asstl. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-Λ, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 10-11-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4, 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th October 1986

Ref. No. 1AC/Acq.V/SR-III[8-86]6917[35.--Whereas I,

A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 7-B, Pusa Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi in

August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the nurposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Kewal Krishan Arora, Sh. Bal Kishan Arora, Sh. Raj Kumar Arora and Rajinder Nath Arora, 35 DLF Indl. Area. Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kolmet Builders, 19. Deepak, 13, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 7-B, measuring 824 sq. yds. situated at Pusa Road, New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 28-10-1986

FORM I.T.N.S ----

(1) Dr. Ramesh Kumar Gupta, A-15/A, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s. Chandra Associates Pvt. Ltd., N-25, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELIII

New Delhi, the 14th Nevember 1986

Ref. No. IAC/Acq. V/SR '8-56'6883'27.— Whereas, I. A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. A-15/A. Hauz Khas, situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under in the office of the FA.C. (Acq.)
Range-V. New Dalhi on

12th August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evadon of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. A-15 'A, Hauz Khas, New Delhi measuring 359.08 sq. yds. (300.35 metrs.)

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A. Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1986

Scal:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OI 1961)

(1) Sh. Surinder Singh Sandhu, G-5, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Saurabh & Savinay Properties (P) Ltd., through Director Shri Parkash Chand Jain. Y-11, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NED DELHI

New Delhi, the 4th November 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III, 8-86/6982/36.—Whereas, I. A. K. MANCHANDA, - being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. G-5/Green Park, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Repistration Act, 1908 (16 of 1708) or the office of the registering office of I. T. Act, 1961 IAC ange, New Delhi in

August, 1986

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-5, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—396GI/86

Date: 4-11-1986

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NED DELHI

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. IAC/Acg.V/SR-III/9-86|8303|64.—Whereas J, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plo No. 21, Anand Lok situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tra Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of ection 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid properly by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Mrs. Bharti S. Choudhari E-15, Geetanjali, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vithal 182-A, Sky Scapper, Warden Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21, Anand Lok Colony, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 14-11-1986

FORM JINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th November 1986

Ref. No. IAC Acq.V/SR-III/9-86/7595/55.--Whereog, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. K-58, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I. T. Act, 1961 IAC Ranze, New Delhi in September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteon potentially further paperent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the wind Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. S. Kuldip Singh and other K-58, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vivek Puri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

K-58, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renare-V
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date 10-11-86 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/37EE/4-86, 2077.--Whereas. I. A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovuble property, having a fair marker value exceeding Rs. 1.50,000/- and bearing No. 103 on Plot No. 17 Yasuf Sarai, Community Centrasituated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I. T. Act, 1961 IAC Range. New Delhi in April, 1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhanct Properties & Industries Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) M s. Indraject Singh & Co., 2, Jor Bagh, New Delhi-3.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pro-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 having approx, super area 418 sq. ft. in the first floor of the building to be constructed on plot No. 17, Cummunity Centre, Yusuf Sarai, New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4 14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 14-11-1986

PORM ITNS

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd., 102-103, R. ja Heuse, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Indraject Singh & Co., 2-Jor Bagh, New Delhi.

(Transferce)

OCVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1986

No. IAC/Acq.V/37EE 4-86/2076.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 102/17, Yusuf Sarai, Community Centre, situated at Natur Delta.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of 1.4 Act, 1961 IAC Range, New Delhi in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trucky stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, having approx. super area of 418 sq. ft. on the 1st floor of building to be constructed on plot No. 17. Yusuf Saria, Community Centre.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inc. me-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4 14-A Asaf Ali Road New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-11-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Joga Singh 5469, Clock Tower, Chandni Chowk, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rashmi Agarwai, B-1/12, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th October 1986

IAC Acq. V/37EE/8-86/24A.—Whereas, No.

A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

properly having a torr market value executing Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-1/46, Safdarjung Enclave situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule innexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I. T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi in

August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly shared in the said instrument of Transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

B-1/46, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been of which caght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) (sellitaring the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any secome arising from the transfers

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I bet-by indige proceedings for the acquisition of the aform is property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-10-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSF, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1986

Ref. No. 37-EE/9-86/55/IAC|Acq. V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-54,

situated at Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range,
New Delhi on 24-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said linstrument of transfer with the object of:—

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mrs. S. Bhalla, A-54, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shiv Parvati Agenci, 5 Pvt. 7 td. A-54, Hauz Khas. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders gned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a puriod of 30 days from the service of notice on the re-pective persons whichever period expires late.;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-54, Hauz Khas, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Eange-V, Apparwal House, 4/14-A. Asaf Ali Read, New Delhi-1

Date: 12-11-1986

(1) Sh. K. L. Suneja C-538, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI RUAD,

New Delhi, the 3rd November 1986

Ref. No. 37-EE/9-86/59 IAC/Acq. V.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 8, Malviya Nagar Extn. (Saket) situated at Community Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on 13-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Asman Investments Ltd., Arvind Mills Premises, Naroda Road, Ahmedabad-380025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Malviya Nagar Extn. (Saket) Community Centre, New Delhi.

A. K. MANCHANDA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 10-10-1986

FORM I.T.N.S.———

(1) Mr. Jagmohan Kapoor, N-24, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. M. G. Vasan, E-208, New Rajendra Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1986

No. 37-EE/9-86/56 IAC/Acq. V.---Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

N-24, Panchsheel Park, cituated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range,
New Delhi on 14-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

27-396GI/86

THE SCHEDULE

N-24, Panchsheel Park, New Delhi.

Λ. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 30-10-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1986

Ref. No. 37-EE/9-86/58/IAC/Acq. V.--Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Bhanot House, Plot No. 17, Yusuf Sarai, situated at New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range,

New Delhi on 11-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Subhash Jain, B-20, South Extension, Part-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Allotment of flat No. 201 having approx. area 655 sq. ft. on second floor in Bhanot House at Plot No. 17, Yusuf Sarai, New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 30-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1986

Ref. No. IAC/Acq. V/37EE/9-86/57.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1061 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
G-18 Green Park situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on September, 1986 for an apparatus consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Smt. Swaran Lata and others.
 Vill. Hauz Khaz Rani, Maliviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Davinder Mohini Khanna. A-31, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of a publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-18, Green Park, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 30-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-V AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th November 1986

Ref. No. IAC/Ac A. K. MANCHANDA. IAC/Acq.-V, 37 EE/10-86|73 —Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-6/14,

situated at Safdarjung Dev. Res. Area, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range,
New Delhi on October, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-text Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this twence under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Mr. A. N. Sen. Flat No. 3C, Pushpa Apartment, 63,A, Bright Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri T. B. Bansal, Director and Chairman, M/s. Best Liquifiable Gases Ltd., 3rd Floor, Room No. 9, 29-A, Rabindra Sarani, Calcutta.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14. Block No. B/6, Safdarjung Development Residential Area, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 14-11-1986

(1) Makers Development Services Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pratijit Investments P. Ltd. Leasecom Investments P. Ltd., Ceeparikh Investment P. Ltd. Veeparikh Investments P. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1 37EF/11225/86-87,—Whereas, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inunovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

Office No. 58, on the 5th floor, Maker Tower F, Cuffe Parade. Bombay-400 005.

situated at Bombay-400 in the Schedule uppassed beyond

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used keepin as are defined in Chapter XXA of the said Ass. shall have the same meaning as given that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act to resort of any prome arising from the transfer. end/or

THE SCHEDULE

Office No. 58, on the 5th floor, Maker Tower F, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10288/86-87 on 1-4-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, amely: --

Date: 20-11-1986

(1) Tata Housing Development Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Goodlass Nerolac Paints Ltd.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11248/86-87.—Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flats No. 141 & 202 on the 14th & 20th floors in 'Falcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G.D. Ambedkar Marg,

Parel Tank Road, Bombay-12 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

pictions, if any, so the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flats No. 141 & 202 on the 14th & 20th floors in 'Falcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G.D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-J/37EE/10282/86-87 on 1-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely .—

Date: 28-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11249/86-87.—Whereas, INISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flats No. 12A4 & 263 on the 12th A and 26th floors on 'Falcon's Crest' on plot No. CTS 1/202, G.D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12

situated at Bombay

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Tata Housing Development Co. Ltd.

(Transferor)

(2) The Tata Hydro Electric Power Supply Co. Ltd.
The Andhra Vallet Power Supply Co. Ltd.
The Tata Power Co. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 12A4 & 263 on the 12th A and 26th floors on 'Falcon's Crest' on plot No. CTS 1/202, G.D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10283/86-87 on 1-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-11-1986

Scal:

<u>and an action of the control of the</u>

FORM ITNS----

(1) Tata Housing Development Co. Ltd.

(Transferor)

(2) The Associated Cement Companies Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 20th November 1986

AR-1/37EE/11250/86-87.—Whereas, 1, Ref. No. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flats No. 12A1, 12A2, 164, 191 on the 12thA, 12thA, 16th and 19th 'floors in 'Falcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G.D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400 012, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenth-tox Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 12A1, 12A2, 164 & 191 on the 12thA, 12thA, 16th and 19th floors in 'Falcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G.D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37FE/10282/86-87 on 1-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 20-13-4986

Scal 9

(1) Tata Housing Development Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Forbes Forbes Compbell & Company Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11251/86-87.—Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flats No. 181 & 253 on 18th & 25th floors in 'Falcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G.D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400 012 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Computent Authority at the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 181 & 253 on 18th & 25th floors in 'Falcon's Crest in the proposed building on Plot No. CTS 1/202. G.D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400 012,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-1/37EE/10285/86-87 on Authority. 1-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: — 28—396GI/86

Date: 20-11-1986

FORM ITNS ---

(1) Mr. Shashikant D Bhomavat Mrs. Indira S Bhomavat.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayaben T Veera.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37FF/11274/86-87,—Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 2nd floor. Samudra Gauray Apartment, 6-A,

Worli Scaface, Bombay-25

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Samudra Gaurav Apartment, 6-A. Worli Seaface, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/10287/86-87 on 1-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-11-1986

(1) Mohamed Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Sky-Build Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mr. Ahmed Aboobaker, Mr. Mohammed Aboobakar Mr. Dinesh D Gandhi Mr. Girish N Mehta.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. ΔR -I/37EE/11276/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 7A at Abdul Gafar Khan Road, 'Bachhan Lodge' Worli, Bombay-18

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7A at Abdul Gafar Khan Road, Bachhan Lodge Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10289/86-87 on 1-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-11-1986

FORM I.T.N.S.-NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Chanar L Sadarangani Smt. Mohini L Sadarangani.

(Transferor)

(2) Dr. (Smt.) Jyotsna A. Gandhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

AR-I/37EE/11287/85-86.—Whereas, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 14, 2nd floor Sadhana Building, Hillway Sadhna
CHSL, N Gamadia Road, Bombay-36.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, Sadhna Building, Hillway Sadhna CHSL, N Gamadia Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10292/85-86 on 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 20-11-1986

(1) Shri G. P. Vijaykumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sharan P. Khanna, HUF.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. A NISAR AHMED, AR-I/37EE/11290/86-87.—Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Office No. 306 in 3rd floor of 'Dalamal Tower' on Plot No. 211 at Nariman Point, Bombay-400 021 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 306 on 3rd floor of 'Dalamal Tower' on Plot No. 211 at Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10291/86-87 on Competent 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-11-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferee)

(2) Shri Ranjit Jayanand Rajadhyaksha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11293.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, Udyan Darshan Bld., Sayani Road, Dadar,

Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403, Udyan Darshan Buld., Sayani Road, Dadar,

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10293 on Authority, 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11296/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6 on 6th floor, Worli Himalaya Society, Seaface Worli, Bombay-400018.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Lydia Veigas.

(Transferee)

(2) Mr. N. V. Merchant and Mrs. K. N. Merchant.

(Transferor)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 6th floor, Worli Himalaya Society, Seaface, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10294/86-87 on 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 20-11-186

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11299/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 63, Sonarica Building 33-A, Pedder Road, Bombay-400026.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) M/s. United Breweries Ltd.

Transferor)

(2) M/s. Asian Flavours and Fregrances (Bombay) Pvt. Ltd.

(Trnsferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 63, Sonarcia CHSL 33-A, Peddar Road, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10295/86-87 on 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 20-11-1986

FORM I.T N.S.-

(1) Mrs. Durupedt D. Narwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ram Sakhrani and Mrs. Geeta R. Sakhrani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EF/11320/85-86,---Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamevable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 82, 8th floor, 'I ovely Home' Building, 9. Cuffe Paragle, Bombay-400005.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the consentment of may income or any ones or other assots which have not been ex which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act. of the Wealth-tax Acr 1957 (27 of 1957)c

Objections, if any, to the acquisition of the said property army be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 82, 8th floor, 'Lovely Home' Building, 9, Cuffe Parade, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ΛR -1/37EF/10299/86-87 on 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 122—396G1/86

Date: 20-11-1986

Seni :

FORM HING- ----

(2) M1. Anil Leckha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Deepak Shroof Prop. Kavin Real Fstates.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J. BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37FE/11324/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Office Premises No. 604, Raheja Centre, 6th floor, 214-

Nariman Point, Bombay-400021.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid prop fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideranon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evision of the hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 604 at Raheia Centre, 6th floor, 214-Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10298/86-87 on 4-4-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 20-11-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Yeshwant Vesa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Lalchand Chaturbhujdas Bhatia. Shri Tulsidas Lalchand Bhatia and Shri Jayant Lalchand Bhatia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11333/85-86.—Whereas, J. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 3, 13th floor, 'Woodland' New Woodland Co-op. Housing Society 1.td., G. Deshmukh Marg, Bombay-400026, situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 4-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been er (b) facilitating the concealment of any income or say which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 13th floor, 'Woodland' New Woodland Co-op. Housing Society Ltd., G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10297/86-87 on 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Art, to the following persons, namely:---

Date : 20-11-1986

Scal .

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11338/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 33, 3rd floor Jasmasji Apartments, 32, Sleater Road, Bombay-400007.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 4-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) Mrs. Nergesh Hirji Parekh, Mr. D. S. Mistry, Shri H. S. Parekh, Shri H. B. Mistry Shri B. S. Mistry, Executors of the estate of late Mr. Sorabji J. Mistry. (Transferor)

(2) Dr. Dilip Raja.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor Jasmasji Apartments, 32' Sleater Road. Bombay-400007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10300/86-87 on 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 20-11-1986

FORM 1.T.N.S.-

(1) Tata Housing Development Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahindra Ugine Steel Company Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11348/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000 -- and bearing Flat No. 051 on the 5th floor in 'Falcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G.D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400012

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said i

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 051 on the 5th floor, in 'Falcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G.D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10303/86-87 on 4-4-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 20-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-1/37EE/11350/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-6 on 2nd floor together with open Garage No. 5 at Kamdar Park, Gokhale Road, (South) Bombay-28, Dadar structed at Rombay

situated at Bombay

has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Asha Mulgaokat,

(Transferor)

(2) Larsen & Toubro Limited.

(Transferee)

(3) Larsen & Toubro Limited.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapita

THE SCHEDULB

Flat No. A-6 on 2nd floor together with open garage No. 5 at Kamdar Park, Gokhale Road, (South) Dadar, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10304/86-87 on 4-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 20-11-1986

FORM ITNS———

(1) M/s. 4-D Corporation.

(Transferor)

(2) Ranutrol Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, **BOMBAY**

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11352/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 1012, 10th Floor, Embassy Centre, Plot No. 207, Nariman Point, Bombay-21

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1012, 10th Floor, Embassy Centre. Plot No. 207, Nariman Point, Bombay-21,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10310/86-87 on 25-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 20-11-1986

والمنظوم والمنافية والمستعدي والمرابع والمرابع والمرابع والمرابع والمنطوع والمرابع والمستعد والمرابع والمنطوع والمرابع والمنطوع والمرابع FORM TIMS-

(1) Mrs. Leena Sagi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Sareen & Min. Mala Sareen.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11353/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11-C, 11th fl., Amsya Apartments, Kashinath Dhuru Road, Dadar, Bombay-400028,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1947 (27 of 1947);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Flat No. 11-C, 11th floor, Amsya Apartments, Kashinath Dhuru Road, Dadar, Bombay-400028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37FF/10307/86-87 on 28-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 20-11-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11355.---Whereas, I,

NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 38, 3rd Floor, Maker Tower-F, Plot Nos. 73-A, 74, 83, 84 & 85, Block-V, Backbay Reclamation, Culle Parade

Bombay-5

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent **A**uthority

at Bombay on 28-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I to believe that the fair market value of the have reason property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-30-396GI/86

(1) M/s, Makers Development Services,

(Fransferor)

(2) M/s. Lohia Machinery Manufacturers P. Ltd.:

(Transferee)

(3) The Transferres.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fffice No. 38, 3rd Floor, Maker Tower-F, Plot Nos. 73-A, 74, 83, 84 & 85, Block V, Backbay Reclamation, Cuffe Parade. Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10308 on 28-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 20-11-1986

FORM ITNS---

1, 4-D Corporation.

(Transferor)

2. Ranutrol Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT: 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11364/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 1012 10th floor, Embassy Centre, Plot No. 207, Nar man Point, Bombay-400021 situated at Bombay (and more in by described in the Schedule annexed hereto).

(and more tuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the assumition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective narrows. whichever period expires tater:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office Premises No. 1012, 10th floor, Embassy Centre, Plot No. 207, Nariman Point, Bombay-400021

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10309 on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Date: 20-11-1986

Scal:

28-4-1986.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11365/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 68-B, 6th floor, Nariman Bhavan Co-Op. Socty. Ltd., Nariman Point, Bombay-21.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bembay on 28-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid receeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferer to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

1. M. V.D. Narkar

(Transferor)

2. DS Manay Vikas Foundation

(Transferee)

3. Mr. V.D. Narkar

(Person in occupation of the property)

4. Mr. A.T. Picardo (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 68B, 6th Floor, Nariman Bhavan Premises Co-Op. Socty. Ltd, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Bombay, under No. AR-I/37EE/10317 on Authority, 28-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 20-11-1986

FORM DINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11366/86-87.-Whereas. I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 196: (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 50% undivided interest in the five share in Nariman Bhavan Premises CSL, in the office No. 688, 6th floor, Nariman Bhavan, Nariman Point, Bombay-400021.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay dated 28-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

J. Mr A.T. Picardo

(Transferor)

2. DS Manay Vikas Foundation

(Transferee)

3. Transferor

(Person in occupation of the property)

4. Mr V.D. Markar (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% undivided interest in the five shares in Nariman Bhavan Premises CSL in the office No. 688, 6th floor, Nariman Bhavan, Nariman Point Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10316/86-87 on 28-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 20-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11372/85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 904, 9th 'floor Rajmala Building, 87-B, Napeansea
Road Rombay-400 006

Road, Bombay-400 006

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/4/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sa'd Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or asy moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shree Swami Mahanta Laxmandasji Maharaj (Maharaj Lachamandas Gokaldas).

(Transferor)

(2) Mr. Vivek Banarasilal Gulati and Mrs. Asha Vivek Gulati,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property rany be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 904, 9th floor, Rajmala Building, 87-B, Napean Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10315 on 28/4/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date : 20/11/1986

(1) M/s. Deepak Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s, Print Leasing Company Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Print Leasing Co. Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EF/11373/85-86.--

Whireas I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 517, 5th Floor, Plot No. 211, Dalamal Bldg., Nariman Foint, Bombay-21

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 260-AB of the Income-tex Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/4/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 517, 5th Floor, Dalamal Tower, Plot No. 211. Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Amhority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10314 on 28/4/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 20/11/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EL/11374.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to belove that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, 'Nishant' 11, Altamount Road, Bombay-26

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/4/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- of any (b) facilitating the conceniment any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferous for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

(1) Naraindas Mulchand Nebhanani Mrs. Nina Maraindas Nebhanani,

(Transferor)

(2) Chandrasi Chatrabhuj Udeshi Yougen Mathuradas Laljawalla.

(Transferee)

(3) The Transferors.

(Person in occupation of the property)

(4) Only Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be intorested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in the the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 'Nishant' 16, Altamount Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10313 on 28/4/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 20/11/1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Puri Const (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kanubhai B Shah,
Dhirubhai K Shah, HUF
Urmilaben D Shah,
Lalitbhai K Shah, HUF
Amolaben L Shah,
Jagdish K Shah, HUF,
Chetan J Shah,
Lagdish K Shah, Jagdish Kuntilal Shah, HUF.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1. BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11375/86-87.-

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 93, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, G. T. Hospital Complex, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-1 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/4/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ment of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 93 on Ground floor of Ashoka Shopping Centre, Hospital Complex, Lokmanya Tilak Marg, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay, under No. AR-1/37EE/10312/86-87 on 28/4/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following secsons, namely:—

Date: 20/11/1986

ga en la composition de la com FORM ITNS----

(1) Puri Const. (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amartlal Popatlal Maniar H.U.F. & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11376.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 17, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, G. T.

Hospital Complex, Lokmanya Tilak Road, Bombay-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28/4/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with tra

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act. in respect of any income arising from the transferand/or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ct, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service or notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Shop No. 17, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, G. T. Hospital Complex, Lokmanya Tilak Road, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Compo Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10311 Competent 28-4-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the suo of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 20/11/1986

Sent :

31--396GI/86

FORM ITNS----

(1) BHA Exports Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sharan Purshottamlal Khanna.

(Transferee)

(3) Bha Exports Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37FE/11378.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Azt, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office Premises No. 93, 9th floor, Bajaj Bhavan, Plot No.
226, Nariman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28/4/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income atising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall same meaning as given in that have the Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 93, 9th floor, Bajaj Bhavun, Plot No. 226 Office, No. 93, 9th floor, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Computationity Bombay under No. AR-I/37EE/10318 Authority 28-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Sestion 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 20/11/1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Mohini Lalchand Thadani.

(Transferor)

(2) M/s. Union Carbiide India Ltd.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11382/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 19, 7th floor Kala Niketan CHSL, 47-C, Bhulabhai
Desai Road, Hombay-400 026.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/4/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 7th floor Kala Niketan CHSL, 47-C, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-J/37EE/10319/86-87 on 29-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 20/11/1986

FORM ITNS----

- (1) M/s. Makers Development Services P. Ltd. (Fransferor)
- 2. M/s. Vernon Traders Pvt. Ltd.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11390/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 124, on 12th floor in Maker Tower J., Block V, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29/4/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceels the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer sole property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 124, on 12th floor in Maker Tower J., Block V, Backbay Reclamation, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10320 on 29-4-86. Bombay on 29/4/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 20/11/1986

Linguages and include departs of industrial control of the state of th

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Kamla G. Vaswani Mrs. Aneeta S. Mirchandani.

(Transferor)

(2) M/s. Silverline Industries.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11391.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,090/- and bearing No.

Office Premises No. 120, 1st Floor, Maker Chamber, No. V, plot 221, Nariman Point, Bombay-21. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29/4/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to of the property as afore-anid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amous which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waschever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The torms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ther Chapter

THE SCHEDULE

Office Premises No. 120, 1st Floor, Maker Chamber, No. V, plot 221, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10321/86-87 on 29-4-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dated: 20/11/1986

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Bhoirai K, Voswani and Miss Kalavati K. Vaswani.

(Transferor)

(2) Mrs. Sundri K. Kirpalani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11395.—Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Block No. 5B, 1st Floor, Shyam Nivas, Bhula-

bhai Desai Road, Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30/4/1986. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasoned

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Block No. 5B, 1st Floor, Shyam Nivas, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10323/86-87 on 30-4-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Dated: 20/11/1986

FORM ITNS-

- (1) Mr. Ravi Poddar & Mrs. Umadevi Poddar. (Transferor)
- (2) Mr. Thalka Shuaib.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11404 86-87 -- Wherease I.

No. AR-1/3/EE/11404 60-07,—Tribectory,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, Ground floor, Jay Mahal, A Road, Churchgate,
Bornhaut 400 020

Bombay-400 020. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than and exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Jay Mahal, A Road, Church gate, Bombay-2O.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10322/86-87 on 30-4-1986.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°P of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 20-11-1986

FORM ITNS----

- (1) M/s, Raja Builders & Investments (P) Ltd.,
 - (Transferor)
- (2) M s. Schokhi Investments (P) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11431/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Ground floor & Basement in 'Anjali' French Bridge, Opera

House, Bombay 400 007.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less then the fair ararket value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid eveneds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the perties has not been truly scatcal in this said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor & Basement in 'Anjali' French Bridge, Opera House, Bombay 400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10336 on 1-5-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 20-11-1986

(1) Shri Ratilal Shantidas Shah & Others,

(Transferor)

(2) M/s. Good Deal Corporation by its partner Shri Ashok R. Gupte.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE 11498/85-86. -Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown premises at at Eastern Chambers, Plot 128-A at Junction of Poona Street and Nandlal Jani Road, - Bombay

400 009

situated at Bombay

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 1-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Actin respect of any income arising from the transfer and /or

Godown premises at Eastern Chambers, Plot 128-A at Junction of Poona Street & Nandlal Jani Road, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10342 on 1-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any tactitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—396GI/86

Dated: 20-11-1986

(1) Mr. Jagdish Daulatram Huria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dulabhai Dharamshi Patel & Anr. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I.

(Person in occupation of the property)

BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I/37EE/11507 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24, 2nd, 2nd floor, Bldg. No. 1, Navyug CHSL., 662, Forjet Forjet Hill Bombay 400 036 situated at Bombay

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration threfor by mor than tifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a veried of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the same and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the consealment any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 24, 2nd floor, Bldg. No. 1, Navyug Nagar CHSL., 662, Forjet Hill Road, Bombay 400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EF 10349 on 5-5-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the roresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 20-11-1986

1) Shri Jawaharlal Dahyalal Karla & Shri Virchaul icthual Karia.

(Transictor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. N. Gudhavi & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri J. D. Karia & Others. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I//37EE 11639.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Naftes Carop. Hsg. Socty. Ltd., Flat No. 2, 1st floor, Nare's Chambers, Carate Road, Bombay-400 001.

situated a. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-5-1985

for an apparent consideration which is less than the for market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Nafees Co-operative Hsg. Socty. Ltd., Flat No. 2, 1st Floor, Nafces Chambers, Carnac Road, Bombay-41.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10405 26-5-1986.

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated : 20-11-1986

FORM TINE ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-1, 37EE/11654.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding &s. 1,00,000/- and bearing No. Premises Shop No. 1, Everest Building, Ground Floor, 156 Terdeo Road, Tardeo Bombay-400 034.

(and more rully asscribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-5-1986

for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of "ansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) inclusiving the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Somaiya Children Trust .

(Transferor)

(2) M/s Far Video Films Pvt, Ltd.

(Transferee)

(3) Somaiya Children Trust,

(Person in occupation of the property)

(4) Somaiya Children Trust.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises Shop No.1, Everest Building, Ground Floor, 156 Tardeo Road, Terdeo, Bombay-400 034.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10411 on Authority, 26-5-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Dated: 20-11-1986

(1) Mohamedali Kaderji Motiwala,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Abdul Majid Abdul Sattarmithani

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 20th November 1986

Ref. No. AR-1/37EE/11655/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 511, 5th Floor, 'C' Wing, K ila h, Mount Kailash Co-Op.Hsg. Socty. Ltd., 293, Bellasis Rd. Bombay Con ral.

Bombay-8.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registe ed under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the parameter as aforesaid exceeds the apparent considermen therefor by more than fifteen per cent of such appears as a speed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 511, 5th Floor, 'C' Wing, Kailash, Mount Kailash co-op.Hsk, Society L.d., 293, Bellasis r. ad, Bomb. y Central, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10412 on 26-5-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombas

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :-

Dated: 20-11-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Kusum Keshav Apte.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION (269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajkumar Chandiabhan Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1986

No. AR-I 37EE/11503/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section, 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a last market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 24, Dhoot Papeshwar Prasad Building, Mangalwadi Girgaon, Bombay-400 004.

situated at Bombay

(and more fully asymbed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under acction 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-5-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Dhootpapeshwar Prasad Building, Mangelwadi, Giragaon Bomaby-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10348 5-5-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 20-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 28th August 1986

Ref. No. RAC No. 12/1986-87.-Whereas, I, T. GORAKNATHAN,

the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4-4 in premises No. 6-3-652, Somajiguda, Hyderabad,

Andhra Pradesh

has been transferred as ver deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer (and more fulv described in the Schedule annexed hereto),

at Hyderabad in April, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each tensor. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the arquisition of the aforesaid property by the issue of this nuice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Amrutha Estates Private Ltd., Represented by its Manuging Partner Shri Y. Rajcev Reddy, Regd. Office No. 6-3-652, Somajiguda, Hyderabad-500482,

(Transferor)

 (2) Smt. Lalitha Venkataraman,
 W/o Shri R. Venkataraman.
 H. No. 8-3-960/3, Srinagar Colony Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-4 having built up area of 2472 sq. ft. approximately on Fourth/Fifth floor in 'Dhruvatara' bearing premises No. 6-3-652, Somajiguda, Hyderabad, Andhra Pradesh, together with proportionate undivided share of interest in the land-vide document No. 1455/86 registered by the S.R.O., Hyderabad.

> T. GORAKNATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 28-8-1986